



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 52] नई विल्ली, शनिवार, दिसम्बर 26, 1981 (पौष 5, 1903)

No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 26, 1981 (PAUSA 5, 1903)

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अन्य संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be tied as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली-110011, दिनांक 30 नवम्बर 1981
सं. पी./1977-प्रशा.-111—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. से. के अनुभाग अधिकारी श्री डी. एस. पहुंचा की सेवाएं जल एवं विद्युत पर्यामर्श सेवाएं (भारत) लिमिटेड में रु. 650-1200 के वेतनमात्र में अनुभाग अधिकारी के पद पर बहिर सेवा वर्ती पर नियुक्त होते चयन हो जाने के परिणामस्वरूप 23 नवम्बर, 1981 के अपराह्न से जल एवं विद्युत पर्यामर्श सेवा को सीमी जाती है। तदनुसार श्री डी. एस. पहुंचा को 23 नवम्बर, 1981 के अपराह्न संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से इन अनुबोधों के साथ कार्यभार से मुक्त किया जाता है कि वह इसके तत्काल बाद श्री ए. डी. उपल, अनुभाग अधिकारी, जल एवं विद्युत पर्यामर्श मंत्रा को रिपोर्ट करें।

दिनांक 2 दिसम्बर 1981

सं. ए. 32013/3/79-प्रशा.-1 (भाग-11)—संघ लोक सेवा आयोग की सम्बन्धिक अधिसूचना दिनांक 18 अगस्त, 1981 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. से. के स्थाई ग्रेड-1 अधिकारी श्री बी. वास गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 3-10-1981 से 6-11-1981 तक उसी कार्यालय में हवार्ड अधार पर के. स. से. के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए सहृदय नियुक्त किया जाता है।

य. रा. गंधी
अवर सचिव (प्रशा.)
संघ लोक सेवा आयोग

(14211)

गृह मंत्रालय

का. एवं प्र. सु. विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई विल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

सं. डी-3/65-प्रशासन-5—दिनांक 30-11-1981 को पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के कारण, श्री देश राज ने दिनांक 30-11-1981 के अपराह्न में पुलिस अधीक्षक, सी. आई. यू. (बी), केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, नई विल्ली का कार्यभार त्याग दिया।

सं. एम./10/65-प्रशा.-5—श्री एम. एल. गुप्ता, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना का राष्ट्रीय वस्त्र निगम (उ. प्र.) लि. में प्रतिनियुक्त पर रहते हुए दिनांक 17-11-1981 को स्वर्गीय हो गया।

की. ला. श्रीवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई विल्ली-110022, दिनांक नवम्बर 1981

सं. ओ. दो. 1608/81-स्थापना—राष्ट्रपति द्वा. प्रेम पाल को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय

रिजर्व पुलिस बल में जनरल डिप्टी अफिसर ग्रेड-II (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 31 अक्टूबर, 1981 के पूर्वाह्न से डाक्टरी-परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए. के. सूरी
सहायक निदेशक
(स्थापना)

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
महानिदेशक का कार्यालय

नई दिल्ली-110019, दिनांक 27 नवम्बर 1981

सं. इ.-16014(1)/5/81-कार्मिक—प्रीतीक्षित एवं स्थानांतरण होने पर, श्री के. डी. एस. दुलत, कमान्डर, के. एस. प. ब., ने 17 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से के. जी. सु. ब. मुख्यालय नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक (फायर) के पद का कार्यभार सम्माल लिया।

सुरिन्दर नाथ
महानिदेशक/के. जी. सु. ब.

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

सं. 11/2/80-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, विहार सिविल सेवा के अधिकारी श्री जी. के. बर्मा को विहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 20 दिसम्बर, 1980 के अपराह्न से, अगले जावेशों तक, प्रियुक्ति पर स्थानान्तरण पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री बर्मा का मुख्यालय गया में होगा।

सं. 11/72/80-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, कर्णाटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप निदेशक के पद पर कार्यरत श्री बी. एस. नरसिंहा मूर्ति को उसी कार्यालय में तारीख 3 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पदोन्नति पर अस्थायी रूप से तबर्द आधार पर संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री मूर्ति का मुख्यालय बंगलौर में होगा।

सं. 11/40/81-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, विहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्धेष्ट के पद पर कार्यरत श्री पी. एन. सिन्हा को उसी कार्यालय में तारीख 7 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, अस्थायी रूप से तबर्द आधार पर 700-40-900-द. रो.-40-1100-50-1300 रु. सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिन्हा का मुख्यालय पटना में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तबर्द नियुक्ति सम्बन्धित अधिकारी को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित

नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तबर्द आधार पर उनकी सेवाएं न उस ग्रेड में वीरस्ता के लिए और न ही आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए गिरी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तबर्द नियुक्ति को नियुक्ति पदाधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रखद किया जा सकता है।

दिनांक 7 दिसम्बर 1981

सं० ए० 35012/6/81-प्रशा-।।—भारत सरकार ने कोलम्बो में तारीख 20 से 29 सितम्बर, 1982 को होने वाले सृतीय एशियाई जनसंख्या सम्मेलन की तैयारी के सम्बन्ध के लिए एक सम्मवय समिति का गठन किया है। सम्मवय समिति का गठन निम्न प्रकार है :—

(1) सचिव,	प्रधायक
गृह मंत्रालय, नई दिल्ली।	
(2) सदस्य सचिव, पोजना आयोग, नई दिल्ली।	सदस्य
(3) श्री एम० एस० कम्पानी, अपर सचिव, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली।	सदस्य
(4) महानिदेशक, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकीय विभाग, नई दिल्ली।	सदस्य
(5) श्री आर० नटराजन, संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य श्रीर परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली।	सदस्य
(6) भारत के महापंजीकार और जनगणना आयोग, नई दिल्ली।	सदस्य
(7) सचिव, भारतीय जनसंख्या प्रधायक संगठन, नई दिल्ली।	सदस्य

2. भारत के महापंजीकार के कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा समिति को सचिवीय सहयोग दी जाएगी।

श्री पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

सं. 10/20/79-प्रशा.-।—इस कार्यालय की तारीख 31 अक्टूबर, 1981 की समसंख्यक अधिसूचता में “26 सितम्बर, 1981 के अपराह्न से” के स्थान पर “26 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से” प्रतिस्थापित किया जाए।

के. सी. संठ
उप निदेशक

कार्यालय, निवेशक लेखा परीक्षा
(केन्द्रीय राजस्व)

नई दिल्ली-2, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

सं० प्रशा०-१/का० आ० ३२०—भासन निवेशक लेखा-
परीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई
न्याय अधिकारियों को उनके नाम के आगे दर्शाई गई तिथि
तक, 840-1200 हूँ के बेतनक्रम में स्थानापन्न
महालेखाकार अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	तिथि
1.	श्री आर० बी० एन० सक्सेना	खड़ी से भ्रापस आने का तार्थ से।
2.	श्री आर० सी० श्रीवास्तव	30-11-1981

(ह०) अमृतनाथ
संयुक्त निवेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्रदेश
हैदराबाद-500476, दिनांक नवम्बर 1981

सं० प्रशा०-१/८-१३२/८१-८२/३८५—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा बेतन-माने हैं 840-40-1000-ई० बी० ०-४०-१२०० पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के आगे बताई गई तारीख से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं नियुक्त किए जाते हैं:—

नाम	भारत ग्रहण की तारीख
सर्वंशी/-	
1. एस० लक्ष्मीनरसम्या	21-11-81 (पूर्वाह्नि)
2. के० रघुनाथ राव	21-11-81 (अपराह्नि)
3. एस० श्रीनिवासन्	20-11-81 (अपराह्नि)
4. बि० एस० वरदराजम्	23-11-81 (पूर्वाह्नि)

यह पदोन्नति उनसे बरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है तथा आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में अनिंगित पड़ी शांचिकाओं के अधीन है।

रा० हरिहरन
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं० स्थापना /प्र०/7/९-८६/खण्ड-२/२३०—इस कार्यालय के नीचे बताए प्रवरण श्रेणी अनुभाग अधिकारियों (लेखा

परीक्षा एवं लेखा) को प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से अगले आदेशों तक लेखा अधिकारियों के पद में स्थानापन्न होने के लिए नियुक्त करने को महालेखाकार, केरल संतुष्ट हुए हैं:—

सर्वंशी

1. एन० राजशेखरन नायर (प्रोफोर्मा)	21-11-81
2. वी० अनन्तनारायण शर्मा (प्रोफोर्मा)	23-11-81
3. सी० के० कुर्यन	21-11-81
4. के० वी० बालकृष्णन	23-11-81

डी० शिवरामकृष्णन, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय
भारतीय आर्डनेस फैक्टरीयां सेवा
आर्डनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-१०, दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं० ४४/८१/आ—जनकप्रसाद निवालित आ० (५८ वर्ष) प्राप्त कर, श्री ए. के. नायर स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक भौतिक एवं स्थायी स्टोर होल्डर दिनांके 31-10-81 (प्रशासन) से सेवा निवृत्त हुए।

कलकत्ता, दिनांक 30 नवम्बर, 1981

सं० ४५/जी०/८१—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	कार्यग्रहण की तारीख
1.	श्री पी० रत्नगस्वामी	20-2-81
2.	श्री एस० जी० भारती	12-5-81
3.	श्री पंकज चतुर्वेदी	14-5-81
4.	श्री एस० के० बरारी	10-6-81
5.	श्री एस० के० चौरसिया	25-3-81
6.	श्री अमर सिंह	6-4-81
7.	श्री वी० हरिहरण	4-5-81

सं० ४६/जी०/८१—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारियों को अस्थायी सहायक प्रबन्धक के पद पर, उनके

सामने दर्शाइ गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक
नियुक्त करते हैं:—

सं०	कार्यग्रहण की तारीख
1. श्री के० एल० दास	11-5-81
2. श्री सी० विजयन्	7-6-81
3. श्री आर० अनंथा	10-6-81
4. श्री एस० जेम्स	26-6-81
5. श्री टी० के० पाल	8-7-81
6. श्री टी० एन० श्रीकांथन	22-7-81
7. श्री जे० कृष्णन्	28-8-81

बी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक
आईनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय
(वस्त्र विभाग)
पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 27 नवम्बर 1981

सं. जट (ए) / 147/65—पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री
डी. के. गोस्वामी, प्रशासनिक अधिकारी ग्रुप ‘बी’ को इस
कार्यालय में 25-11-1981 (पूर्वाह्न) से नियमित पदाधिकारी
से भर जाने तक को तदर्थ स्थानापन्न कार्यकारी अधिकारी ग्रुप
(ए) राजपत्रित के तौर पर 700-40-900-द. रो.-40-
1100-501300/- की वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

डी. गुप्ता
पटसन उपायुक्त

कलकत्ता, 28 नवम्बर 1981

सं. जट (ए) / 147/55—पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री
एल. राय, आशालिपिक, संलग्न पटसन आयुक्त को श्री डी. के.
गोस्वामी के कार्यकारी अधिकारी के पद पर उन्नति के फलस्वरूप
दिनांक 25 नवम्बर 1981 (पूर्वाह्न) से पन: आदेश न होने तक
इस कार्यालय में तदर्थ स्थानापन्न हीस्थित में प्रशासनिक अधिकारी
ग्रुप ‘बी’ राजपत्रित के तौर पर रु. 650-30-740-35-
880-द. रो.-40-960/- की वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

डी. के. गोस्वामी
कार्यकारी अधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

सं० प्र० 11(968)—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक
निदेशकों पूर्ति (ग्रेड-II) को उनके नाम के सामने लिखी

तारीखों से छ: मास की अवधि अथवा संघ लोक सेवा
आयोग से नामित अधिकारियों के प्राप्त हो जाने तक जो-
भी पहले हो सहायक निदेशक (ग्रेड-I) भारतीय पूर्ति
सेवा ग्रुप ए के ग्रेड III अधिकारी) के रूप में तदर्थ आधार
पर नियुक्त करते हैं:—

1. श्री ए० के० गुहा	7-11-81 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० के० चट्टोपाध्याय	7-11-81 (पूर्वाह्न)
3. श्री आर० के० घोष	9-11-81 (पूर्वाह्न)
4. श्री एस० चट्टोपाध्याय	7-11-81 (पूर्वाह्न)

उपरोक्त अधिकारियों ने सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-I)
का पदभार छोड़ दिया और पूर्ति तथा निपटान निदेशालय,
कलकत्ता में उनके नामों के सामने लिखी तारीखों से सहायक
निदेशक (ग्रेड-I) का पदभार संभाल लिया।

सं. प्र. 1/1(1076)—राष्ट्रपति सहायक निदेशक पूर्ति
(ग्रेड-I) श्री आर. बी. यादव को दिनांक 10-11-1981 के
पूर्वाह्न से छ: मास के लिए अथवा संघ लोक सेवा आयोग से नामित
अधिकारियों के उपलब्ध होने तक जो भी पहले हो सहायक निदेशक
(ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड I) के रूप में
तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री यादव ने सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-I) का पदभार
छोड़ दिया और पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कानपुर में दिनांक
10-11-81 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (ग्रेड-I) का पदभार
संभाल लिया।

सं. प्र. 1/1(1067)—राष्ट्रपति सहायक निदेशक (ग्रेड-I)
श्री बी. ए. प्रभाकरण को दिनांक 7-11-1981 (पूर्वाह्न)
से छ: महीने के लिए अथवा संघ लोक सेवा आयोग से नामित
अधिकारियों के उपलब्ध हो जाने पर जो भी पहले हो सहायक
निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-I)
रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री प्रभाकरण ने सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-I) का पदभार
छोड़ दिया और दिनांक 7-11-81 के पूर्वाह्न से पूर्ति
निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-I)
का पदभार संभाल लिया।

एस. एल. कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात एवं खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लौह एवं इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

सं. ई. 1-2(3)/75(.)—लौह एवं इस्पात नियंत्रक ने
एतद् इवारा श्री अतीन्द्र कुमार नंदी, अधीक्षक को इस कार्यालय
में 1/12/81 के पूर्वाह्न से प्रोन्नत कर सहायक लौह एवं इस्पात
नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

एस. एन. विश्वास
संयुक्त लौह एवं इस्पात नियंत्रक

(सूचना विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

सं. 7549बी/ए-19012 (आर्टिस्ट-ए के ओ) /80-19ए—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (फोटो) श्री अनित कृष्णराम घोष को आर्टिस्ट के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. 40-1200 रु के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 21-9-81 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 4 दिसम्बर 1981

सं. 4781 डी/ए-19012 (प्रेस प्रशालक वरिष्ठ)/75-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रेस प्रशालक श्री सुजित राय को महासर्वेक्षक का कार्यालय, दहरादून में सहायक प्रबंधक के पद पर दो वर्ष की अवधि के लिए स्थायित्व पर नियुक्त होने के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से दिनांक 30 जून, 1981 के अपराह्न से मुक्त किया जा रहा है।

जे. स्वामी नाथ
महा निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

दहरादून, दिनांक 27 नवम्बर 1981

सं. सी-5770/718-ए—इस कार्यालय की दिनांक 16 जून, 1981 की अधिसूचना सं. सी-5730/718-ए के अन्तर्गत अधिसूचित श्री एन. रामास्वामी, कार्यालय अधिकारी, (वरिष्ठ वेतनमान) स. प्र. एवं मा. उ. के हैदराबाद की स्थापना एवं लेखा अधिकारी, सर्वे. प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद के पद पर तदर्थ पदोन्नति, श्री के. वी. कृष्णमूर्ति, स्थापना एवं लेखा अधिकारी के स्थान पर, जिन्होंने अपनी छुट्टी बढ़ा ली है, घार बिन की आगे की अवधि के लिए बढ़ाई जाती है।

सं. सी-5771/724-एस. ओ. एस. (ए)—श्री आर. कै. राजमूर्ति, भण्डार सहायक (सिले. ग्रंड) को सहायक भण्डार अधिकारी (सा. सि. सेवा ग्रप 'बी') के पद पर सर्वेक्षण प्रशिक्षण मंस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में 550-25-750-द. रो. -30-900 रुपये के वेतनमान में दिनांक 31 अगस्त, 1981 (अपराह्न) से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. सी-5769/718-ए—श्री ए. वी. सरकार, स्थानापन्न अधिकारी, महासर्वेक्षक का कार्यालय (अब मैप क्यूरेटर के रूप में प्रतिनियुक्त पर) को स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा. सि. सेवा ग्रप 'बी' पद) के पद पर पूर्वी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कर्लिकाता में 840-40-1000-द. रो. -40-1200 रुपये के वेतनमान में दिनांक 3 जुलाई, 1981 (अपराह्न) से, श्री एम. एस. परते, स्थापना एवं लेखा अधिकारी

के छुट्टी पर चले जाने से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

के. एल. खोसला
ले. जनरल,
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. ए. 20012/13/75-सिवधी (1)—मूल्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री ए. सोभसुन्दरम, स्थानापन्न सहायक अनुरक्षण अभियंता, फिल्म प्रभाग, बम्बई को, श्री टी. कृष्णन की राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, बम्बई में प्रतिनियुक्त हो जाने से उनके स्थान पर दिनांक 23-11-1981 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में स्थानापन्न अनुरक्षण अभियंता के पद पर नियुक्त किया है।

एस. के. राय
सहायक प्रशासनिक अधिकारी
कृत मूल्य निर्माता

पत्र सूचना कार्यालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

सं. ए-12034/13/81-स्थापना—प्रधान सूचना अधिकारी एवं द्विवारा सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के समूह 'ग' के आशुलिपिक श्री क्षेमेन्द्र सिंह को पथ सूचना कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 15-9-81 से तीन तहीने की अवधि के लिये रिपोर्टर (अंग्रेजी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

मदन मोहन शर्मा
सहायक प्रधान सूचना अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

भं. ए. 19018/5/81-के. स. स्वा. यो.-।—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से कर्मचारी राज्य बीमा निगम को बदली हीं जाने के फलस्वरूप, श्री. एम. वी. सिंह आयुर्वेदिक-चिकित्सक ने 30-9-81 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

टी. एस. राव
उप निदेशक प्रशासन (के. स. स्वा. यो.)

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1981

सं. 6-57/80-डी. सी.—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय औपध्ययोगशाला, कलकत्ता के श्री आर. पी. चक्रवर्ती (ग्रांसोशिएट फार्मसीस्टिकल कॉर्पोरेशन) को 2 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधि-

कारी (संकर्म मानक) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया है।

श्री आर. पी. षक्टवती^१ ने उसी दिन से एसोसिएट फार्मस्यू-टिकल कैरियर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. 6-57/80-डी. सी.—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता के एसोशिएट फार्मस्यूटिकल कैरियर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया है।

श्री ए. सी. दास गुप्ता ने उसी दिन से एसोशिएट फार्मस्यूटिकल कैरियर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. 6-57/80-डी. सी.—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता के तकनीकी अधिकारी (बैंकटॉरियोलोजी) डा. पी. जी. राय की उसी प्रयोगशाला में 2 नवम्बर, 1981 से आगामी आदेशों तक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (आवश्यक औषधियों के ग्राहणावता का राष्ट्रीय सर्वेक्षण) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया है।

डा. पी. जी. राय ने उसी दिन से तकनीकी अधिकारी (बैंकटॉरियोलोजी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शिव दयाल
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर्स)

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1981

सं. ए. 12025/12/79 (के. अ. सं.) प्रशासन-।—स्वास्थ्य सेवा भवननिवेशक ने डा. के. एन. गोवल को केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में 4 नवम्बर, 1981 पूर्वाहन से आगामी आदेशों तक अस्थायी तौर पर बैंकटॉरियरी बैंसिस्टेन्ट सर्जन के पद पर नियुक्त किया है।

टी. सी. जैन
उप निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. पीए/79(4)/80 आर-।।।—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री नायक जयेन्द्र विश्वनाथ, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 15-10-1981 से 21-11-1981 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. पीए/79(4)/80 आर-।।।—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री जितेन्द्र रंगनाथ कर्णिक, सहायक कार्मिक अधिकारी को प्रशासन अधिकारी ।। (रुपये 840-1200) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 15-10-1981 से 22-11-1981 अपराह्न तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

ए. शान्ताकुमार मेनोन
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 5 दिसम्बर 1981 .

सं. डी/1275/आर 5/स्थापना-। 3870—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री दत्तत्रय गजानन देशपांडे अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड एस बी द्वारा इस अनुसंधान केन्द्र में प्रदत्त सेवाओं से दिये गये त्यागपत्र को 5-10-1981 अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

कृ. एच. बी. विजयकर
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

नाभिकीय इंधन समिक्षा

हैदराबाद-500762, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

सं. प्रशा. 8/0071/81/761—नाभिकीय इंधन समिक्षा के सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम. बालकृष्णन निवारन की ग्रेड को प्राप्त कर, दिनांक 30 नवम्बर, 1981 के अपराह्न के सरकारी सेवा से निवृत्त हो चुके हैं।

पी. गोपालम
प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु समिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. प ख प्र-8/1/81-भर्ती—इस कार्यालय के दिनांक 29 अक्टूबर, 1981 की समसंस्थक अधिसूचना के अधिकमण में परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु समिज प्रभाग के निदेशक एतद-इवारा परमाणु समिज प्रभाग के स्थायी उर्ध्व श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखापाल श्री जे. के. शर्मा को उसी प्रभाग में श्री डी. एस. इसरानी, सहायक लेखा अधिकारी, जिनको लेखा अधिकारी-।। के पद पर पदान्तरित हो गई है, के स्थान पर 22-8-1981 से 24-11-1981 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. प ख प्र-8/1/81-भर्ती—इस कार्यालय के दिनांक 29 अक्टूबर, 1981 को समसंस्थक अधिसूचना के अधिकमण में परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु समिज प्रभाग के निदेशक एतद-इवारा परमाणु समिज प्रभाग के स्थायी लेखापाल और स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री डी. एस. इसरानी को उसी प्रभाग में श्री के. पी. शेखरन, लेखा अधिकारी-।।, जिनको लेखा अधिकारी-।। के पद पर पदान्तरित हो गयी है, के स्थान पर 22-8-1981 से 24-11-1981 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न लेखा अधिकारी-।। नियुक्त करते हैं।

म. स. राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

सं. ए. 32014/1/81-ई०सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सेवार सहायकों को, प्रत्येक के नाम

के सामने दी गई तारीख से और दिए गए स्टेशन पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती वर्तमान स्टेशन	तैनाती	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
सर्वथी :—					
1.	तीर्थ सिंह रेणी	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	वै० सं० स्टेशन, भोपाल	31-10-81	(पूर्वाह्नि)
2.	एस० के० चटर्जी	वै० सं० स्टेशन मोहनवाड़ी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	10-10-81	(पूर्वाह्नि)
3.	आई० सरकार	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	1-10-81	(पूर्वाह्नि)
4.	ए० के० मुन्सुदी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	1-10-81	(पूर्वाह्नि)
5.	बी०सी० घोषे	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	1-10-81	(पूर्वाह्नि)
6.	झी० एन० कुमूह	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	3-10-81	(पूर्वाह्नि)
7.	बी० एन० भट्टाचार्जी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	12-10-81	(पूर्वाह्नि)
8.	सुकुमार चन्दा	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	12-10-81	(पूर्वाह्नि)
9.	के० सुब्रह्मण्यन	वै०सं० स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	1-10-81	(पूर्वाह्नि)

नई विस्तीर्ण दिनांक 2 दिसम्बर 81

सं० ए० 38013/1/81-ई०सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित चार अधिकारियों ने, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और दिये गए स्टेशन से नियर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप संचारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

क्रम सं०	नाम और पद नाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
सर्व श्री :—			
1.	बी० एम० बरारी, बरिष्ठ संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	30-9-81 (अपराह्न)
2.	जी० के० गुहा राय, सहायक संचार अधिकारी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	30-9-81 (अपराह्न)
3.	एच० पी० नन्दी, सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	30-9-81 (अपराह्न)
4.	पी० आर० बनर्जी सहायक संचार अधिकारी	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद	31-10-81 (अपराह्न)

प्रेम चन्द्र,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहरणालय

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1981

सं० JJ/3ई०-6/80—निम्नलिखित बरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों ने उनके पदोन्नति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समाहरणालय बम्बई-II ने स्थानापन्थ अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

समूह “ख” के रूप में उनके नामों के आगे अंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
1.	श्री मसजीद ए० कुंज़	27-8-81 अपराह्न
2.	श्री कणेकर पी० एस	31-10-81 पूर्वाह्नि
3.	श्री कुलकर्णी एन०जी०	31-8-81 पूर्वाह्नि
4.	श्री मेहता एस० झी०	31-8-81 पूर्वाह्नि
5.	श्री रामी ए० एन०	28-8-81 पूर्वाह्नि
6.	श्री मंगतानी झी० एच०	6-10-81 पूर्वाह्नि
7.	श्री भंडारे वाय०एस०	29-8-81 पूर्वाह्नि
8.	श्री खेडकर झी०झी०	31-8-81 पूर्वाह्नि
9.	श्री सिंह भूवेश्वर साधुर्सिंह	31-8-81 पूर्वाह्नि
10.	श्री मीर हसन अब्दुल	4-11-81 पूर्वाह्नि
11.	श्री डोणगांवकर आर० एच०	3-10-81 पूर्वाह्नि
12.	श्री बेन्डी गिरी एन० झी०	31-10-81 पूर्वाह्नि
13.	श्री बाकू के०जी०	28-8-81 अपराह्न

सं. 11/3ई०-6/80—श्री एम. झी. जोशी, कार्यालय अधीक्षक, ने तदर्थं प्रोन्ति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-II में प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग “ख” के रूप में 15-10-1981 पूर्वाह्न में कार्यभार सम्भाल लिया है।

फा. सं. 11/3ई०-6/80—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहरणालय बम्बई-II के निम्नलिखित सभूह “ख” के राजपत्रित अधिकारी

(प्रशासनिक अधिकारी/अधीक्षक) अधिवार्षिक आधार पर उनके नामों के आगे अंकित तिथियों को अपराह्न से सेवानिवृत्त हो जाए गये हैं।

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्री आर० एस० देसाई, प्रशासनिक अधिकारी	30-9-81
2.	श्री जी० पी० शेणवी अधीक्षक	30-9-81
3.	श्री जी० बी० वायंगणकर, अधीक्षक	31-10-81

विजय कुमार गुप्ता
समाहृता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,
बम्बई-II

के०उ०श० स्थानापन्न अधीक्षक वर्ग "ख" के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया हैः—

क्रम सं०	नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री के०बी० कूट्टी	30-6-81 पूर्वाह्न
2.	श्री ए० आर० एम० हल्दे	25-8-81 अपराह्न
3.	श्री आर० एम० सिह	29-8-81 पूर्वाह्न
4.	श्री एस० आर० पिकल	25-8-81 अपराह्न
5.	श्री एस० एम० हभामशेट	31-8-81 पूर्वाह्न
6.	श्री एच० एच० राव	31-8-81 पूर्वाह्न
7.	श्री एम० एन० जोशी	31-8-81 पूर्वाह्न
8.	श्री पी० आर० डरनकर	31-8-81 पूर्वाह्न
9.	श्री वी० जी० जोशी	31-8-81 पूर्वाह्न

कु० श्री० दिलीप सिंहजी
समाहृता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बम्बई-I

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1981

सं० 22/1/81-प्रशासन-1(बी०) —ग्राध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, तकनीकी सहायक के ग्रेड के अधिकारियों को, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (युप बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियरी के ग्रेड में, प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में आगामी आदेश होने तक एतद्वारा नियुक्त करते हैंः—

क्रमांक	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
1.	श्री एस० के० मखीजानी, अधीक्षक (स्वेच्छा सेवा निवृत्त)	1-3-1981 अपराह्न
2.	श्री बी० ए० नरोन्हा, अधीक्षक	30-4-81 अपराह्न
3.	श्री एन० के० राणा, प्रशा० अधि०	30-6-81 अपराह्न
4.	श्रीमती आर० एन० गिडवानी प्रशा० अधिकारी (स्वेच्छा सेवा निवृत्त)	1-8-81 पूर्वाह्न
5.	श्री बी० एस० करडे, प्रशा० अधि०	30-9-81 अपराह्न
6.	श्री आर० वाई० जायडे, अधीक्षक	30-9-81 अपराह्न
7.	श्री य० आर० वासुदेव, अधीक्षक	31-10-81 अपराह्न

फा. सं. 11/3 ई. (ए) 2/77—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतीलय बम्बई-I के दिनांक 28-1-1981 के फा. सं. 11/3 ई. (ए) 2/78 के अधीन जारी अधिसूचना में क्रम संख्या 3 के आगे आने वाला नाम 'एन. बी. बाडकर' के बदले 'एन. एम. बाडकर' पढ़ा जाय।

सं० II/3ई (ए) 2/77—निम्नलिखित वरित घोणी निरीक्षकों ने प्रोत्साहन पर अपने नामों के आगे दर्शाई गई तारीख से बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतीलय-I में

क्रमांक	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
1.	श्री रवीन्द्र कुमार-II	4-11-81 (पूर्वाह्न)
2.	श्री जी० सुन्दरसन	9-11-81 (पूर्वाह्न)

सं० 22/4/81-प्रशासन-1(बी) —ग्राध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (युप बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में, प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर नियुक्त करते हैंः—

क्रमांक	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
1.	श्री एस० के० खेरा	26-10-81 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर० ए० सिद्धकी	26-10-81 (पूर्वाह्न)

विनांक 3 दिसम्बर 1981

सं. 22/1/81-प्रशासन-। (बी)---अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा, श्री कुलदीप सिंह-। पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत हजारियर (ग्रुप बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक हजारियर के ग्रेड में, 1 अक्टूबर, 1981 पूर्वाह्न से स्थानापन क्षमता में आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

सन्तोष विश्वास
अवर सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेटचेम इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. एस. ओ.-578—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा 3, के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर मेटचेम इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शिता न किया जाय तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे. एन. सन शर्मा
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, ओडिशा
कटक

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रीजीलेटरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

सं. 2648/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रीजीलेटरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शिता न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी. टी. गजबानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 3 दिसम्बर 1981

सं. एफ. 48-ए. डी. (ए. टी.)/81—श्री आर. के. घोष, सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ बम्बई, जिन्हें आय-कर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 6 बगम्त, 1981 से तीन महीने के लिए कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, दोखिये इस कार्यालय के दिनांक 27-8-1981 की अधिसूचना क्रमांक एफ. 48-ए. डी. (ए. टी.)/81 (1), को अब आय-कर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 6 नवम्बर, 1981 से और दो महीने के लिए या तब तक जब तक कि उक्त पद हटें नियमित भर्ती नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, और यह श्री आर. के. घोष को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोइ दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोलेस किये जाने की प्राप्तता ही प्रदान करेगी।

टी. डी. सुरला
अध्यक्ष

प्रकप शाई० डी० एव० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, नागपुर

नागपुर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1981

निवेश सं. नि. स. आ./अर्जन/178/81-82—यतः
मुझे, ए. एम. से,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं. नान-एकलचर लेण्ड, गेट नं. 711 और 713 है, जो चिक्कलथाना, औरंगाबाद में स्थित है (और इससे उपादान सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, औरंगाबाद (डाकूमेंट सं. 2385/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-4-1981

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाहर उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या आनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये प्रतिशती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, यद्यपि उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के लायोल 18-11-1981

(1) (1) मेसर्स भारतामेन्ट्स प्लान्ट प्राइवेट लिमिटेड, बाल्क-20, (2) प्रतिभा और गोपिका विलीप ड्हार्ण-कर, चर्चगेट, बम्बई-20।

(अन्तरक)
(2) मेसर्स रचना डेवेलोपमेन्ट अण्ड कास्ट्रक्शन कम्पनी, विलेपालैं, बंबई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवादियों भरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रधिया या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रधिया, जो भी प्रधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीनण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित है, वही पर्यंत होगा, जो उम सम्बन्ध में दिया गया है।

अनुसूची

रोट गेट नं. 711 और 713, एक एकड़ 32 गृथा चिक्कलथाना, औरंगाबाद और 7 एकड़, 17 गृथा।

ए. एम. से
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, नागपुर

तारीख : 22-10-1981
माहूर 3

प्रकाश प्राइवेट ली. एन. एस. -

(1) डी. सी. जोहर एण्ड सन्स।

(अन्तर्रक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) भीलोड होटल (प्रा.) लिमिटेड।

(अन्तर्रती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, एरणाकुलम कोर्ट्चन-16

कोर्ट्चन-16, विनांक 19 मई 1981

निदेश सं. एल. सी. 509/81-82—यतः मुझे, वी.
मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूचि के अनुसार है, जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इससे उपायदृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 30-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्णन प्रतिफल से, एसे इसमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथा पावा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चोहय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण गे हर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौह/या

अनुसूची

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आगामी अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनार्थ अन्तरिती इवाग प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

13½ cents of lease with 7 storeyed building in Sy Nos. 2291
and 2290 in Ernakulam village.

वी. मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, एरणाकुलम, कोर्ट्चन-16

तारीख : 19-5-1981

माहूर :

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति १—

प्ररूप आई टी.एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मित्रश्वर 1981

निदेश नं. पि आर न 1184/पक्षी /23-11/81-
82—अतः मुझे, जी सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें डाके गाँवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का
धारा 269-घ के प्रधीन नक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वाया ८० ने
का ज्ञान है कि स्थान पर स्थिति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से प्रधिक है

और जिसकी सं. टि. पि. एस. 3, फैले प्लाट नं. 101 है।
तथा जो नक्खमी सोसैटी के पीछे में स्थित है (और इसमें
उपायद्रव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-4-1981
को पूर्वोत्तम स्थिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाया करने
का कारण है कि यथापूर्वोत्तम स्थिति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रतिफल के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिल
में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नानुभाई छतुभाई और दूसरे। कुलभूतयार के
द्वारा। श्री किरनीकमार जसाभाई पटेल। मोटा
अडा, आनंद।

(अन्तरक)

(2) गिरीराज कौ-ओ-है-मोसायिटी, के द्वारा प्रमाण
श्री अरविनद भाई बिसाभाई शाह, अमरीका सांसार-
यिटि, आनंद।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम स्थिति के उचित के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त स्थिति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थिति स्थिति में हितव्यक्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रदूषक शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सत्ता जमिन औ प्लाट नं. 101, टि. पि. एस. 3, आनंद
में स्थित है और जो सम्पूर्ण वर्णन उपर विकीर्ण नं. 768 पर
आनंद सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 6-4-1981 में
रजिस्ट्री किया गया है।

जी. सी. गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 26-9-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सरदार सिंग पिता अत्मा सिंग, गव्हर्नरपेटा,
विजयवाडा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1981

निवेद सं. ये. सी. नं. 40/81-82—काकीनाडा-स्काइ—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. घर नं. 27-6-28, है जो गव्हर्नरपेटा,
विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख एप्रिल, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(1) श्रीमती उत्तमजी कोर, मानेजीग पार्टनर, मेसर्स
स्टन्डर्ड टायर और मोटार्स प्रकाशम रोड, गव्हर्नर
पेटा, विजयवाडा-520021।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लोइ भी आक्रमण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इति सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) अस्तरण सह है किसी आय को दावत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचित
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आदितदों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचित के लिए;

घर संपत्ती घर नं. 27-6-28, ब्लाक नं. 8, एन.टी.एस.
315, असेसमेंट नं. 6468, प्रकाशम रोड, गव्हर्नरपेटा,
विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेस नं. 3150/81 है। रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, विजयवाडा।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का अर्जन:-

तारीख : 29-9-1981

मोहूर :

प्रस्तुति प्राइंटी १० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, भूवनेश्वर

भूवनेश्वर, दिनांक 23 अगस्त, 1981

निवेश सं. 2/81-82/आई. ए. स./ए./आर.
भूवनेश्वर—अतः मझे, पि. के. मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 28,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. 467 है, जो रायगढ़ा में स्थित है (और
इससे उपावहथ अन्तर्भूती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जि. कोरापुट में भारतीय राजस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का अन्य प्रतिशत से अधिक है और
अस्तरक (अन्तर्कर्ता) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; प्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोक्तार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः मज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रन-
स्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकार्यों
का सचिव हूँ।—

(1) श्री एन. देवि प्रसाद, ग्रा./पो. रायगढ़ा, जि.-
कोरापुट, प्र. उडीसा।
(अन्तरक)
(2) स्त्री. प्रह्लद एलदिङी ग्रा/पो. जयकायपूर, जि.
कोरापुट, प्र. उडीसा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकार्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकार्यों में दे
किसी अधिकता द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संदर्भकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

मनुसूची

होमेडिंग नं. 9/680 और 9/686 बाउंड नं. 9, रायगढ़ा,
मूनिसपालीट, जमीन एरिया ए-1.921।

पि. के. मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, भूवनेश्वर

तारीख : 23-8-1981
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०----

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, विनांक 4 नवम्बर 1981

निवेद्य सं. 5/आ. ए. फि./ए./आर./भुवनेश्वर 81-
82—अतः मुझे, पि. के. मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वं
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 2756 है, जो प्लाट नं. 52 में स्थित है,
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, यूनिट 7, भुवनेश्वर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 11-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
बास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
बौद्धि/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सांस्कृतिकों
को जिसे भारतीय प्रायङ्कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वं के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की रूपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी—

(1) डा. बिरन्द्रकुमार आचार्य, पि. चौत्तामनी आचार्य
प्लाट नं. 52, यूनिट 10, भुवनेश्वर।
(अन्तरक)
(2) श्री बिजयकुमार आचार्य श्री बिरन्द्र कुमार आचार्य
प्लाट नं. 52 यूनिट 7, भुवनेश्वर, उड़िसा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारीयों में से किसी अधिकत द्वारा;
(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 52 यूनिट 7, सुरयनगर, भुवनेश्वर मुकान और
जमीन।

पि. के. मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

तारीख : 4-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----
माध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 अक्टूबर 1981

निदेश सं. जी. आई. आर. संस्था एस.-219/अर्जन—
अह: मुझे, अमर सिंह विसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था 223 है तथा जो सिविल लाइन्स, बरेली में
स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित
है), राजस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय बरेली में राजस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
30-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके अद्यमान प्रतिफल से ऐसे अद्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाल्विक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भज-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

(1) बरेली कालेज स्टाफ, कोआप्रेटिव हाउसिंग सोसायटी
लि., बरेली, द्वारा श्री एस. पी. सक्सेना, प्रेसी-
डेन्ट, श्री प्रोफेसर के. जी. कमधाम- सेकेन्ड्री।
(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती शमीम अहमद पुत्री मी मोहम्मद इमहम्मद
(2) श्रीमती चांद शमीम पत्नी श्री शमीम अहमद।
(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुल मकान पूर्खा टीन पोश मय इमारत व आराजी वाके 223,
सिविल लाइन-बरेली व वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेल डीड और
फार्म 37-जी संस्था 3325 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सर-
राजस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 30-4-1981 को किया
जा चुका है।

अमर सिंह विसेन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लखनऊ

तारीख : 29-10-1981
मोहर #

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, लखनऊ;

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निवेश सं. जी. आई० आर. संख्या पी-88/अर्जन—अस्तः
मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
प्रधीन सक्रम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में
अधिक है।

और जिसकी संख्या बी-167-ग है तथा जो शकर इनकलेब,
निरालानगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 20-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुग्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तवि-
क हप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत: इब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री त्रियुगी नारायण सहगल।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम कुमार अग्रवाल।

(अन्तरीक्ती)

(3) त्रियुगीनारायण सहगल।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारीका
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पटौट की भूलण्ड संख्या बी-167/ए पैमाइस्टो 6939 वर्ग-
फिट स्थित शकर इनकलेब, निरालानगर, लखनऊ तथा वह
सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 2577/81 में
वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार, लखनऊ को कार्यालय
में दिनांक 20-4-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, लखनऊ

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289ए(1) के माध्यम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निम्नेत्र सं. जी. आई. आर संख्या ए-104/अर्जन—अतः
मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रभावात् 'उक्त प्रक्रियनियम' कहा गया है, की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या भकान है तथा जो लाट कल्लन, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

14-4-1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की जाई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यहाँपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिवर्त से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और प्रत्यक्षरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरक के लिए सब वादा यथा प्रतिक्षेप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) प्रत्यक्षरण में हुई किसी आय की वाचत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अथवा प्राप्तियों को,
जिसमें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) वा उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमात्र
प्रत्यक्षरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन
निम्ननिवित अधिकारी, अर्थात् —

(1) श्री राज गजेंद्रराम स्वरूप, प्रवीण कमार, अशोक
कमार।

(अन्तरक)

(2) श्री अद्वित सत्तार ब्रेग, श्री अद्वित मन्नार ब्रेग।
(अन्तरीती)

(3) 1. श्री अशरफ, 2. विन्दो, 3. रजब अली,
4. इर्वान, किरायेदार लोग।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियों करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के ममत्व में कोई भी प्राक्षेपः—

(न) इस सूचना के राजगव में प्रकाशन की तारीख में 4.
दिन नी प्रवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन तक प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी ने
से किसी अधिक द्वारा;

(ष) इस सूचना के राजगव में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्साद्व जिसे
प्रत्यक्ष द्वारा प्रधोइस्ताभरी न पास निवित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित
है, वही प्रथम द्वारा उस प्रधान में दिया गया
है।

अनुसूची

एक किता मकान मय आराजी पर्याप्ति स्थित
मोहल्ला-लाट कल्लन, शहर-लखनऊ तथा वह संपर्ण संपत्ति जो
सेत डीड और फार्म 37-जी संख्या 2449 में वर्णित है जिनका
पंजीकरण सब रजिस्ट्रार-लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 14-4-
1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 20-11-1981.

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री अशरफ सहकार्या ओल्ड सरकोट हाउस रोड
(अन्तरक)भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना(2) श्री सुरेश शर्मा, बामनगांव, मौजा चाराकरी,
जोरहाट
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 29 अगस्त 1981

निदेश सं. ए-251/81-82/जं आर टी/426-35—असः
मुझे, इ. जे. मावलींग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी स. दाग सं. 966, पी. पट्टा सं. 389 ब्लौक 5
है तथा जो असम ट्रक रोड, जोरहाट में स्थित है (और इससे
उपार्वक अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जोरहाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्हवृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़े किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के व्यवधान के अन्तरक के द्वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ब) ऐसा किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभावित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का क्षेत्रफल 7 (सात) लसा 902 स्क्वायर फीट मकान
के साथ जो दाग संख्या 966 (नौ सौ छोड़ासठ) पी. संख्या 389
(तीन सौ नौवासी) राजस्व ब्लौक संख्या 5 (पांच) असम में सिव-
सागर ज़िले के जोरहाट नामक स्थान के ए. टी. रोड में स्थित
है।

इ. जे. मावलींग,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, शिलांग

तारीख: 29-8-1981
मोहर :

प्रसूप शाह^१, टी. एन. एस. -----(1) डा. जाकिर अहमद, राजामैदान, जोरहाट ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना(2) श्री प्रभुदयाल अग्रवाल शंकरलाल अग्रवाल, दीर्घी श्री
तंजा राम अग्रवाल राज नैदान, जोरहाट के सुपूत्र
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, विनांक 28 अक्टूबर 1981

निदेश मं. ए-252/81-82/जे आर टी—आस. मुझे, है.
जे. मावलींग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43व) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दाग सं. 1792 पी. पी. सं. 147 है तथा
जो ब्लाक सं. 6, जोरहाट में स्थित है (और इससे उपाब्वध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय जोरहाट में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-5-1981 के
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

जमीन का क्षेत्रफल 1 (एक) कठ्ठा 7 (सात) लसा मकान के
साथ दाग सं. 1792, पी. पी. सं. 147 असम में शिलांगर
चिले के जोरहाट नामक स्थान के ब्लाक सं. 6 (छ.) में स्थित है।

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

इ. जे. मावलींग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

तारीख : 28-10-81
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निदेश सं. एन. जी. आर./6/80-81—अतः मर्फ़े,
गो. सी. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सभी प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है और जिसकी

है तथा जो जमीन 2 कनाल 1 अमरला व इमारत, नारायण गढ़
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नारायणगढ़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्री हरि राम पुत्र श्री मुन्ही राम दसोंधी मकान नं.
7001/4, कलाल माजरी, अम्बाली शहर
(अन्तरक)

(2) श्री हरि किशन बंसल, सुभाष कमार बंशल पत्र-
गण श्री पंची नाथ बंसल सुपुत्र श्री कालू राम मकान
नं. 8986, 5, नया बांग अम्बाला शहर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2 कनाल 13 मरला व इमारत जोकि नारायण
गढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-
लय नारायणगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 2280 दिनांक 3-3-81 पर
दिया है।

गो. सी. गोपाल
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-11-1981
मोहर :

प्रख्युक्त आई.डी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निदेश मं. हिसार/96/80-81--अत. मझे, गो
 सी. गोपाल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी के मह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान प्लाट नं. 6 डाबडा चौक, है तथा जो
 हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध उन्सूनी में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार
 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, तारीख मार्च, 1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पान्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरोरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया हैः--

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाब्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में करी करने या उससे बचने में सहित
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आवश्यक था छिपाने में
 सुविधा वह लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राम करण पूर्व श्री वज लाल पूर्व त्रिलोक चन्द्र
 नि. डाबडा चौक, मांडल टाउन, हिसार
 (अन्तरक)
 (2) श्री गोपी राम पूर्व श्री बागा राम श्रीमती प्रेम लता
 पत्नी श्री गोपी राम पूर्व बागा राम नि. बेर डा.
 भासल जि. गंगा नगर
 (अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यकारी हिसार करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोरुस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान प्लाट नं. 6, डाबडा चौक, हिसार में स्थित है
 जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार रजिस्ट्री
 मंड्या 5945 दिनांक 26-3-81 पर दिया है।

गो. सी. गोपाल
 सकाम प्राधिकरणी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 12-11-81
 मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस. -----

(1) श्री अमरनाथ ग्रोवर पूत्र विश्वन नाथ नि म. नं.
422-आर, माहल टाउन, पानीपत
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम नारायण मिल्ले पूत्र श्री चन्द्र मिल्ले नि.
265/डल्लू 3, अन्सार चौक, पानीपत
(अन्तरिरी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निदैश सं. पानीपत/121/80-81—अत मूँह, ग. मी.
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. म. नं. 422-आर का दक्षिणी हिस्सा है तथा
है तथा जो माडल टीउन, पानीपत में स्थित है (और इससे उपावृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितिय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीकरण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में संविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिरी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

सम्पत्ति मकान नं. 422-आर. का दक्षिणी हिस्सा, माहल
पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता के कार्यालय पानीपत में, रजिस्ट्री संख्या 5714 दिनांक
23-3-81 पर दिया है।

गो. सी. गोपाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-11-81
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कागजसंग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहेतक
राहेतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पानीपत/35/81-82—अत. मुझे, गा. सी.
गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. म. नं. 422-आर. का उत्तरी हिस्सा है तथा
जो माडल टाउन पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संमिलित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रीफ़ल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उच्चोक्त से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अनुसूची—

(1) श्री अमरनाथ श्रोदर पृथ श्री विश्वन दास निं. म. नं.
422-आर, माडल टाउन, पानीपत
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनिता मित्तल पत्नी श्री राम नारायण मित्तल
म. नं. 422-आर. माडल टाउन, पानीपत
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पति मकान नं. 422-आर का उत्तरी हिस्सा माडल टाउन,
पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 638 दिनांक 28-4-81 पर
दिया है।

गो सी. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, राहेतक

तारीख : 12-11-81
मोहूर :

प्रकृत प्राईंट टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निवेश सं. बल्लभगढ़/336/80-81—अतः मुझे, गे. सी.,
गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
और जिसकी सं. भवन एवम् भूमि प्लाट नं. 47, सेक्टर-24,
है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
बो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को नाबन, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आस्तियों
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या पाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपल्लासा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त हैं:—

4—386GI/81

(1) मैं, इन्टैकॉ इन्टरनेशनल इंजीनीयर्स का., के-10,
माउथ एवस्टन पार्ट्स नं.-2, नई दिल्ली, इंडिया (1)
श्री गुरदिवान भिलोत्रा पुत्र सांवल मल भिलोत्रा, (2)
श्री उशोक, प्रवीप भिलोत्रा पुत्रान श्री गुरदयाल
भिलोत्रा

(अन्तरक)

(2) श्री भजन लाल पुत्र श्री गोविन्द राम पुत्र श्री प्यारे
लाल नि. म. नं. 1-बी/33, न्यू टाउनशिप,
फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके इंडियन सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आमंत्रण।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

महापूर्णी

सम्पत्ति भूमि एवम् भवन प्लाट नं. 7 का आधा भाग सेक्टर-
24, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 11974 दिनांक
दिनांक 5-3-81 पर दिया गया है।

गे. सी. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, रोहतक

तारीख : 12-11-1981

मोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० एम० एल० ---

आयकर अधिनियम 1961 (1961) का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पानीपत/122/80-81—अतः मुझे, गो. सी.

गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), को ग्राम 269-इ के प्रधीन सत्र आयितारी ने यह विश्वास करने का कारण है नि सदार नियमित जिन उत्तिवार मूल्य 25.000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. भूमि एवम् भवन लक्ष्मी कोल्ड स्टोरेज है तथा जो कृष्णपुरा, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 अधिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्टिमान विनियम का फल है प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षितियों) के लिए ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आद की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री दीना नाथ पुत्र श्री शाजाद राम पुत्र श्री गोबिन्दा-मल नि. मकान नं. 121, बाड़ नं. 9, पानीपत (अन्तरक)

(2) श्री राम विद्यामल पुत्र श्री भाम राज मल पुत्र श्री चन्द्र अग्रवाल नि. -12-18, गोशाला मण्डी, पानीपत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

एष्टटोहरण :—इसमें प्रमुख गड्ढों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अधिकार में दिया गया है।

मनसूची

सम्पत्ति भूमि एवम् भवन 'लक्ष्मी कोल्ड स्टोरेज' कृष्णपुरा, पानीपत में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्री संख्या 5661 दिनांक 17-3-81 पर दिया है।

गो. सी. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 12-11-81
माहेन :

प्रस्तुप् आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(1) श्री हरी अन्व शर्मा मार्फत पजांव नेशनल बैंक, कीर्ति नगर, नई विल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री नानक चन्द (एडवोकेट) श्री वीरेन्द्र कुमार मास्टर विकास म. नं. 1322, अर्बन एस्टेट, सेक्टर-4, गुडगांव।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निर्देश सं. गुडगांव/144/80-81—अतः मुझे, गो. सी. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन मकान प्राधिकारी द्वारा यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. म. नं. 1322, सेक्टर-4, अर्बन एस्टेट, गुडगांव है तथा जो गुडगांव में स्थित है (और इससे उपावद्रव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

के गूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवांड प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाता जातिहृषि था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ॥—

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

सम्पत्ति मकान नं. 1322, सेक्टर-4, अर्बन एस्टेट, गुडगांव में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांव में, रजिस्ट्री संख्या 5266 दिनांक 9-3-81 पर दिया गया है।

गो. सी. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, रोहतकतारीख : 12-11-81
मोहर

प्रस्तुप् बाईं. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

(1) श्री भोजराज पुत्र श्री गोविन्द राम नि. म. नं. जी-7, किशन बस्ती, नीलोखेड़ी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रक्षा पत्नी श्री मदनलाल नि. म. नं. 50-जी, अस्पताल थेट्र, नीलोखेड़ी

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, राहतक

राहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निवैशा मं. नीलोखेड़ी/23/80-81--अतः मुझे, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 8 कनाल है तथा जो नीलोखेड़ी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीलोखेड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) और बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सम्पत्ति भूमि 8 कनाल अर्बन थेट्र, नीलोखेड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नीलोखेड़ी में, रजिस्ट्री संख्या 1698 दिनांक 10-3-81 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, राहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

तारीख : 12-11-81

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती भगवती पत्नी श्री सुगान चन्द्र पुत्र श्री लाला
राधा कृष्ण अंगवाल, जीव अब कैथल
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री सुनील कुमार शर्मा पुत्र श्री कृष्ण चन्द्र शर्मा, एड-
वोकेट, जीद
(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निर्देश स. जीद/35/80-81---अतः मुझे, गो. सि.
गोपाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी स. भूमि 18 कनाल है तथा जो गांव जलालपुर
(जीद) में स्थित है (और इससे उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीद
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1981जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मनुसूची

सम्पत्ति भूमि 18 कनाल गांव जलालपुर, खंड, त. +१३.
जीद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-
लय, जीद में रजिस्ट्री संख्या 4562 दिनांक 23-3-81 पर
दिया है।गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, रोहतकअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 1--तारीख : 12-11-81
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निदर्श सं. अम्बाला/152/80-81—अतः मुझे,
गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 14, 15 एवं 16 भवन सहित है तथा जो अम्बाला छावनी में स्थित है (और इससे उपावदध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/वा

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्रन्थ प्रासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अवतार सिंह पूत्र सावन सिंह, निवासी 14, 15 एवम् 16, गोविन्द नगर, अम्बाला छावनी।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री महल सिंह म. नं. 3903, अहाता खालिक बृक्ष अम्बाला छावनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं. 14, 15 एवम् 16 भवन सहित, गोविन्द नगर अम्बाला छावनी में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 5363 दिनांक 6-3-81 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 12-11-81

मोहर :

प्रूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री बृद्ध सैन पुत्र जगदीश प्रसाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैं स्वतन्त्र भारत वूलन मिल्ज, जी. टी. रोड,
पानीपत, द्वारा बाबू राम मिल्ल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निदेश सं. पानीपत/110/80-81—अतः मझे,
गो. सि. गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. भूमि 8 बीघा 3 विस्वा है तथा जो इन्सार तरफ
पानीपत में स्थित है, (अ। इससे उपाबूध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

को यह सूचना आरूप करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क विभिन्न परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

सम्पत्ति 8 बीघा 3 विस्वा इन्सार तरफ, पानीपत में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में
रजिस्ट्री संख्या 5577 दिनांक 13-3-81 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-11-81
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशीलय, सहायक आयकर आवृत्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निवेदी सं. पानीपत/113/80-81—अतः मुझे,
गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 3 बीघा 12 विस्ता है तथा जो तरफ
राजपुताना, पानीपत में स्थित है (और इससे उपावदध बनसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् ब्राह्मण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
स्थ से कार्यक्रम नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीती इकारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लीला चौधरी पत्नी संधीर कमार निः
पानीपत।

(अन्तरक)

(2) मैं दी पानीपत रोहतर फतोर मिल्ज, प्रा. लि.,
पानीपत।

(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमूल्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रारंभीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उत्तमध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 3 बीघा 12 विस्ता तरफ राजपुताना, पानीपत में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत
में रजिस्ट्री संख्या 5386 दिनांक 6-3-81 पर दिया गया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 12-11-81

मोहर :

प्रख्युप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर मूल्यांकन (निरीक्षण)

अर्जन रँज, गोहतक

गोहतक, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश मं. गुडगांव/34/81-82—अन. मंके,
गो. सि. गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फैक्टरी बिल्डिंग भूमि के साथ है तथा जो
महरौली रोड, गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपावदाध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गुडगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

5-333/81

(1) श्री कृष्ण कमार पद्म श्री दयाल नन्द म. नं 588/
13, गई बर्नी, गुडगांव।
(2) श्री योग राज पद्म श्री मंगल सैन, म. न. 679,
नई बर्नी, गुडगांव, चौरी।

(अन्तरक)

मे. प. वी. पम. बृ. लाहौरी, महरौली रोड,
गुडगांव द्वारा
1. श्री विजय कमार पद्म श्री पी. पम. वर्मा
2. श्री शमल कमार गहा, पद्म श्री एन. के.
गप्ता
3. श्री अशोक कमार अरोड़ा पद्म श्री पम. आर.
अरोड़ा
4. श्री केवल सतीश महाजन पद्म श्री के. सी.
महाजन
5. श्री सूशील कमार महाजन पद्म श्री के. सी.
महाजन
6. श्री सतीश कमार दामदवा।

(अतिरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्ट्रीकरण:—इसमें प्रधूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग भूमि के साथ, महरौली रोड,
गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 1192 दिनांक 13-6-81
पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रँज, गोहतक
तारीख : 19-11-1981
मोहर :

प्रसूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, गोहतक

राहेतक, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवैशा सं. गडगांव/155/80-81--अतः भूमि,
गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं. कोठी नं. 2, न्यू कालानेनी है तथा जो
गुडगांव में स्थित है (और इससे उपानदेश अनुमती में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गडगांव
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्भित में 20%--का
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(1) द्वी मालन कोपरेटिव ग्रूप्स पोर्ट रोसायटी लि.,
गुडगांव बजारिये मरदार रविजीत सिंह, मेकेटरी,
नि. 36-आर, न्यू कालानेनी, गडगांव।

(अन्तरक)

(2) सरदार चिलोचन सिंह पत्र सरदार सुजात सिंह,
श्रीमती ममता सूटा पत्नी श्री गजेश कमार सूटा
न्यू कालानेनी, गडगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हर्दि कियी आय की बागत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

सम्पत्ति कोठी नं. 2, न्यू कालानेनी गडगांव में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गडगांव में,
रजिस्ट्री संख्या 5586 दिनांक 31-3-81 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयन्त्रक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, गोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख : 19-11-81

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, राहतक

राहतक, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निदश स. जीद/34/80-81—अतः म.स.ग. सि.गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी म. दूकान मंडी में है तथा जो जीद में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जीद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके इश्यमान प्रतिफल से एंसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लियित
में वास्तविक रूप सं कार्यित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती हर्षवर वंशी पत्नी श्री किशन चन्द्र पूर्ण श्री
तीरथ दास, नि. जींद।

(अन्तरक)

(2) श्री राम किशन पूर्ण श्री वंशी दत्त, दूकान मंडी,
जींद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्तरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

सम्पत्ति दूकान मंडी, जींद में स्थित है जिसका अधिक
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जीद में, रजिस्ट्री संख्या
4644 दिनांक 30-3-81 पर दिया गया है।

गो. सि. गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, राहतक

तारीख : 21-11-1981

मांहूर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निदेश म. गडगांवा/148/80-81—अतः मुझे, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स. भूमि 4 बीघा 16 विस्त्रा है तथा जो गंव सिकन्दरपुर घोगी में रिथत है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्षी की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से अंतरिक्षी के दृश्यमान प्रतिफल का दो गुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री गिरधारी पुत्र राम शरण, गंव डी. सिकन्दरपुर घोसी, ता. - गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) मैं. बार माल इन्डिया प्रा. लि., गंव-डी. सिकन्दरपुर घोसी, ता. - गुडगांव।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 4 बीघा, 16 विस्त्रा गंव सिकन्दरपुर घोसी ता. गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 5430 दिनांक 19-3-81 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 21-11-1981
रीफ़ :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों 3 दंगे ---

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निदेश सं. मोनीपत/107/80-81—अतः मुझे, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. फैक्टरी रोड, भूमि 3 कनाल, 11 मरले
महित है तथा जो कन्डली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुमती मौजूद है और पर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय, सानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कभी कभी
प्रतिफल के लिए अनुमति की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तात्पर्य पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम विभिन्न में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रमाणक के बायित्र में कभी
करने या उससे बचने में वृद्धिका के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपबारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :

(1) मै. ए. के. कोमिकल इन्डस्ट्रीज, सी-3, राणा
प्रताप बाग, दहलनी।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन मोहन पत्र जागे राम, 19-डी, कमला
नगर, दहलनी-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अधिवि-
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टक्षरी के पास
लिखित में फिरे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रथम ढोगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी शेड, भूमि 3क 11म. सहित, कन्डली
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,
सानीपत में रजिस्ट्री संख्या 4159 दिनांक मार्च, 1981 पर
दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 21-11-1981
मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 नवम्बर 1981

निदर्श सं. हथीन/3/80-81—अतः मुझे, गो. मि. गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 10 कलान, 11 मरले हैं तथा जो मन्दारी
में स्थित है (और इसमें उपादव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हथीन में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख भार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अहरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौतिकि-
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दारित्व में कमी करने या उससे धने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उआग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलवन्त पूर्ण श्री गंगा राम, नि. मन्दोरी, त.
हथीन।

(अन्तरक)

(2) मै. फाईन क्राफ्ट्स प्रा. लि., दहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति पर हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 10 कलान, 11 मरले, मन्दोरी गांव में स्थित
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हथीन में,
रजिस्ट्री संघ्या दिनांक पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, रोहतक

तारीख 24-11-1981

माहूरः

परुष आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जि. एम. नंदगांव, प्रिद्यानगर, शिमोगा।
(अन्तर्क)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पश्चीम राज, इवाग मुराशाराज मिमिम्पन, मठन मर्जनम, चन्तगीरी गांड, भद्रावति।
(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयपत्र (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 13 अक्टूबर 1981

निदैश सं. 365/81-82—यात्रा: मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. संवेदन नंबर 41 और 42 है, तथा जो कस्वा होवेली, जयडिकट्टे, ग्राम भद्रावति में स्थित है (और इसमें उपावृक्ष अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, भद्रावति में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-1981 को पूर्वोत्तर संपत्ति के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का प्रन्तर है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रावस्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है।-

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तर संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापरत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

मृदुली

(ख) ऐसी किसी आय दो निम्नी भन या अन्य आमिन्यों को जिन्हें भारतीय आय-टर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पर सत्रिशा के लिए;

कस्वा होवेल, जयडिकट्टे ग्राम (भद्रावति तालूक) में स्थित पांच एके ओंठ गुटा कोकोनट गांडन जिसका भावं नंबर 41 और 42।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लप्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

तारीख : 13-10-1981
मोहर

प्रलेप आर्फ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निदेश सं. नं. सी. आर. 62/30060/81-82/ए. सी. क्यू. बी—यथा मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी मा. कारपोरेशन भ. 317-318 है, तथा जो
राजमहल विलास एक्सटेनशन, बंगलूर में स्थित है (और इसमें
उपायवृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नामील 2-3-81
को प्राप्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, प्राप्ति दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दिवंगत श्री एच. के. बीरला गौडा के मन्त्र्यापत्र का
उत्तराधिकारी है, (1) श्री एम. धोरन, पी.ए. होल्डर
है डा. एच. के. मार्गियपा के वैभीएली, मद्वारा
(तालक), (2) श्री के. एल. शिवालिङ्ग गौडा, काट-
हल्ली, कनकपुरा (ता.), (3) श्री मंचे गौडा, एम.
एल. ए., अंकनाथपुर, मद्वारा (ता.)।

(अन्तरक)

(2) श्री के. एन. राममृती, नरसीयपा के पूत्र, म.
229, इंडिया मिल्क बार, चिककपेट, बंगलूर-2।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके प्रवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं. 4703/80-81 ता. 2-3-81)

घर सम्पत्ति है जिसका कार्पोरेशन, सं. 317-318, तथा
जो राजमहल विलास एक्सटेनशन, बंगलूर-1, में स्थित है।
परिमिता प्रमाण है 95' 6"X70' में भवन है जिसमें
ग्रीन्ड और प्रथम फ्लोर भी है और आउट हाउस है जिसमें ग्रीन्ड
और प्रथम फ्लोर भी है चक्कबंदी है—

उ. में—निजी सम्पत्ति

घ. में—राँड

प. में—निजी सम्पत्ति

प. में—गोड

मंज. माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 28-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत नाई. टी. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निवर्णेश सं. नं. सी. आर. 62/32019/80-81/ए. सी.
क्ष. वी.---यतः मुझे, मंजु माधवन,
सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे सं. 24/2, 24/4, 26, 27, 35,
36 और 47 है, तथा जो करडीरेट, गांव विराजपटे (ता.)
कोडग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विराज-
पटे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 30-3-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दूसरान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूसरान प्रतिफल से ऐसे दूसरान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री ए. सी. लोक्या, एल. टी. जेनरल (रीटायर्ड),
काफी प्लान्टर, हेल्फर एम्टेंट, गिर्दवाप्ट, (पी. ओ.)
कोडग।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प. शांती ओपन, काफी प्लान्टर, पोडवाड
गांव, मडकोरी, (ता.) कोडग।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहु या अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वचोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्यय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो इस संधाय में क्रिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं. 7701/80-81 ता. 30-3-1981)
उपजाउ जमिन है जिसका सर्वे सं. है 24/2, 24/4,
26, 27, 35, 36 और 47, तथा जो करडी गोड, गांव,
विराजपटे (ता.) कोडग, (जिला) में स्थित है।

मंजु माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

6—386GI/81

तारीख : 28-11-1981
मोहर :

प्रकाश नाई, डॉ. पौ. पौ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के विवेत सूचना

(1) श्री संजय कुमार रामकमार अग्रवाल 354 साकेत
नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हर्मिला बाई पति नर भोहम्मद 48 दौलत
राज, मने राऊ, इन्दौर।

(अन्तरिती)

उत्तर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर अधिनियम

अर्जन राज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) — यह: मैंने, विजय
माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘उक्त अधिनियम’ कहा जाय है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थान एम्प्रिटि, जिसका उत्तराधार मूल्य
25,000/- रु. वर्तमान है

और जिसकी सं. 29/4 है, तथा जो मांगलिया में स्थित है
(और इससे उपावहथ अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय, हन्वार में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-3-81
को पर्वेंक्ष संपत्ति के उत्तराधार मूल्य से कम के व्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवाद
करने का कारण है कि यथापर्वेंक्ष संपत्ति का उत्तराधार
मूल्य, उसके व्यमान प्रतिफल से, एवं व्यमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसी अन्तरज्ञ के लिए तब पाया जाना प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरज्ञ है कि वाल जी की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(इ) ऐसी किसी जात या किसी जल या अन्य आदेशों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगशार्य अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया
जाय जा या किया जाना चाहिए तो कियाएं में
सुविधा के लिए।

अन्तरः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अधिकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों अधार्तः—

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है॥

उत्तर सूचना के दर्जे में कार्द श्री वाल—

(ए) इस सूचना के दर्जे में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की वधिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की वधिय, जो भी
वधिय बात में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से द्वितीय व्यक्ति द्वारा;

(इ) इस सूचना के दर्जे में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता है जो उक्त अध्याय में दिया
जाता है।

मनुस्त्री

भूमि ग्राम मांगलिया त. भावेर जिला इम्बौर, उत्तरा. न.
29/4-रक्का 2-33 एकड़।

विजय माथूर
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर अधिनियम
अर्जन राज, भोपाल

तारीख : 20-11-1981

माहूर ॥

प्रस्तुत आई. टी. एम्. प्र०. ---

(1) श्री इहमान उल्लाह खान सुपुत्र इरफान उल्लाह खान, निः-शोकत महल, भोपाल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-म(1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती जमीला बेगम सुपुत्री मुमताज हुसैन, निः-
मुमताज मंजिल, नियामतपुरा, शाहजहानाबाद,
भोपाल।

(अन्तरिक्ती)

भारत सुदृढ़ता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 नवम्बर 1981

निवेद सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अतः मुझे, विजय माथूर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट न. 27 है, तथा जो ईदगाह हिल्स,
भोपाल में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पृष्ठ
स्पष्ट से वीर्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, भोपाल
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 23-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भवति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अंडु अन्तरिक्त
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित अंडु
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्भवति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्भवति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भवति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अनुसरण से हूई किसी जाय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वापिस
में कमी करने या उससे दूने में सुधार के लिए;
और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

प्लाट नं. 27-जो ईदगाह हिल्स पर स्थित है।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, भोपाल

नोट: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ताई है—

तारीख: 4-11-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आइ०. टी. एम. एस.-----

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भौपाल

भौपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवेदित सं. आई०. ए. सी. (अर्जन)---यतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 21 ए-21बी है, तथा जो नार्ड नं. 10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विविधा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधिकारी (1) ---

(1) श्री श्लेष्म किशोर सुपुत्र नरसिंगदास गोयल, बड़ा बाजार, विविधा।
(अन्तरक)

(2) श्री घनश्यामदास सुपुत्र टीकमदास गोयल, बड़ा बाजार विविधा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हांगिज्जी की गली, नार्ड नं. 10, बड़ा बाजार, में स्थित मकान नं. 21ए-21बी।

विजय माथुर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भौपाल

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

प्रकप पाई० टी० एन० एस०—-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी० (अर्जन) —असः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, उक्त विवाद करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

जिसकी सं. प्लाट है, तथा जो दियालबन्ध में स्थित है (और
इससे उपावृथ अनुसन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1981
को पूर्वक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उत्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायितव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा छकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने
में सुविधा के लिए।

बहु: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सोनाक्षार्ड पत्नी सुधारामसाव वैश द्वावा
मूस्त्यार-श्री रघुनन्दन प्रसाद साव सुपुत्र सुधाराम साव,
नि. -जुना बिलासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अमोलकर्सिंग सुपुत्र मलिकसिंग टड्टेजा, नि.
दियालबन्ध, बिलासपुर, द्वावा बास्वे सायकल स्टोर,
दियालबन्ध, बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवंटकाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना भी
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए
अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वावरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जो हाईस्कॉल के सामने, दियालबन्ध, बिलासपुर में
मेन रोड पर स्थित है। रक्का-2693 वर्ग फिट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निदर्शन स. आई. ए. सी. (अर्जन) — अतः मुझे, विजय
माधुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है, तथा जो द्यालबन्ध में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-9-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उपस्थान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थम प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती सोनाबाई पत्नी सुधारामसाव देवी, द्वारा
मुख्यार श्री रघुनन्दन प्रसाद सुपुत्र सुधारामसाव देवी,
नि. -जुना बिलासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जसवन्तसिंग सुपुत्र सोहनसिंग गुम्बद, नि.-
नवागढ़, त. बमेहरा, जि. बुर्ज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यचालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्त संबंध में कोई भी वाक्येण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वभी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुधारा
के सिए] और/या

अन्तसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

प्लाट जो हाईस्कूल के सामने द्यालबन्ध में मेन रोड पर¹
बिलासपुर में स्थित है। रक्का 2168 वर्गफिट।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभास (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-11-1981
माहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 नवम्बर 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)—अक्तूबर मुफ्त, विजय भाथर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के ग्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. दो भौजिला मकान है, तथा जो काजीपुरा, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-1981

कर्ते पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में जमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम आ घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्राहिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री हकीम अफजल हुसैन, दिलोर बानो, फतिमा बाई, सकीना बाई, जैनब बाई, असगर हुसैन, साविर हुसैन, गुलाम हुसैन, नसीमा बाई, हबीबा बाई, जोहर बाई, जुबादी बाई, मसरुफ हुसैन, अहमद हुसैन, मोहदी हुसैन, अजब बाई एवं भबीरा बाई, सभी निवासी, काजीपुरा, मस्जिद नूरजी बोहरा के निकट, भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्री बन्वारी लाल अग्रवाल सुपुत्र गिरधारीलाल अग्रवाल, नि - थाई, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तिपत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधिया जो भी प्रवधियाँ थाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियाँ हों।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानवर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधिकृताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान वो भौजिला जो काजीपुरा में, नूरजी बोहरा की मस्जिद के निकट स्थित है—का एक भाग जिसका खला क्षेत्र 2041 वर्ग फॅट है।

विजय भाथर
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, भोपाल

तारीख : 4-11-1981
सील :

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्याप्ति:—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 नवम्बर 1981

निवेश सं. आई.ए.सी (अर्जन)---अतः मझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दो मंजिला मकान है, तथा जो काजीपुरा,
भोपाल में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 19-3-1981

को पूर्वोक्त संपर्कित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्थित नहीं किया गया है :--

(अ) अन्तरण से हृदय किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक्तः—

(1) श्री हकीम अफजल हसैन, दिल्ली जानो, फातिमा
बाई, सकीना बाई, जैनब बाई, असगर हसैन साथि
हसैन, गुलाम हसैन, नमीमा बाई, हबीबा बाई,
जाहरा बाई, जुबेदा बाई, मसरुफ हसैन,
अहमद हसैन, महरी हसैन, अजब बाई एवं सबीरा
बाई सभी निवासी काजीपुरा, मस्जिद नूरजी बोहरा
के निकट, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री बनवारी लाल अब्दाल सूपुत्र गिरधारीलाल अब्द-
वाल, निः-चैक, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहीहों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

वन्दूसूची

एक मकान वो मंजिला जो काजीपुरा में, नूरजी बोहरा की
मस्जिद के निकट स्थित है—का एक भाग, जिसका निर्मित क्षेत्र
(आंशिक) 1931 वर्ष फट है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, भोपाल

तारीख : 4-11-1981
मोहर :

प्रगति आई. टी. पी. एस. -----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 4 नवम्बर 1981

निदेश स. आई. प. सी. (अर्जन)---अत. मंत्री, विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. दों मंजिला मकान है, तथा जो काजीपुरा, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूली में और पूर्ण मूल्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह इवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या घर्या आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रकाशण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपस्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवस्था:—

7-386GI/81

(1) श्री हकीम अफजल हसैन, दिलेर बानो, फातिमा बाई, सकीना बाई, जैनब बाई, असगर हसैन, साबिर हसैन, गुलाम हसैन, नसीमा बाई, हबीबा बाई, जोहरा बाई, जुबबा बाई, मसरुद्दीन हसैन, अहमद हसैन, मेहदी हसैन, अजब बाई एवं सबीरा बाई, सभी निवासी, काजीपुरा, मस्जिद नूरजी बोहरा के निकट, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री बनवारीलाल अब्दवाल सुपुत्र गिरधारीलाल अब्दवाल, निः-चौक, भोपाल।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येय :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तत्त्वांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अब्दोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में वर्णित है, वही अर्थ हीना, जो उक्त अन्तर्गत में दिया गया है।

अनुसूची

एक भकान दो मंजिला जो काजीपुरा में, नूरजी बोहरा की मस्जिद के निकट स्थित है—का एक भाग जिसका निर्मित अंत्र 1294 वर्ग फॅट, भूतल एवं प्रथम तल पर है।

विजय माथूर
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-11-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 4 नवम्बर 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---अतः मुझे, विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. मकान न. ई/2-146 है, तथा जो अरेमा कालोनी, भोपाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिंक्त में वास्तविक रूप से की गया है:--

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्टियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्रीमती सरला दिलीप घाटे पत्नी दिलीप घाटे स्वयं व म. आम, (2) श्रीमती भारती श्रीधर नाइक, (3) विश्वास दिलीप घाटे एवं (4) प्रताप दिलीप घाटे एवं आनन्द दिलीप घाटे, सभी वल्द विद्युत दिलीप घाटे, निः :- विश्वनगर, नवपाला थाना, बम्बई-400602 (अन्तरक)

(2) काशीराम सुपुत्र नारायणदास अग्रवाल एवं (2) राम निवास तथा (3) ललितकुमार दोनों वल्द काशीराम अग्रवाल निः:-19, अग्रमन नगर, एसोडम रोड, इन्दौर, (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

मकान नं. ई/2-146 स्थित अरेमा कालोनी, भोपाल।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 4-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई० ए. सी. (अर्जन)---यतः मूर्ख, विजय
माथूर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है यह उक्त सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. ज्ञात नं. 28 है, तथा जो ईंवगाह हिल्स,
भोपाल में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के क्षेत्र,

23-3-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री रहमान उल्लाह खान, वल्य इरफान उल्लाह खान,
निः-शौकत महल, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकीला बेगम पत्नी स्व. रानी मोहम्मद
कुरूशी, निः-मुमताज मिजल, नियामतपुरा शह-
जहानाबाद, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वी समाप्ति के प्रत्यंते के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाषेप:—

(क) इस सूचना के राजात्रि में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजात्रि में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका नं. 28, है, और जो, ईंदगाह हिल्स पर¹
स्थित है।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

मोहर :
तारीख 4-11-81

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आमूलत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई.ए.सी. (अर्जन)---यतः मुझे, विजय
माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 25 है, तथा जो लश्कर ग्वालियर में
स्थित है (और इससे उपायकरण अनुसन्धी में और पूर्ण के रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

29-3-1981

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गहन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बारतीय रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः बर्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री साहजी राव आंग्रे आत्मज श्री चन्द्री जी राव आंग्रे,
निवासी संभाजी विलास आंग्रे का आजार लश्कर
ग्वालियर (म. प्र.).

(अन्तरक)

(2) श्री शशी कुमार गुप्ता मोतीलाल गुप्ता द्वारा
श्री कौलाश घन्त अग्रवाल हाईकोर्ट के सामने लश्कर
ग्वालियर (म. प्र.).

(अन्तरिती)

(3) श्री प्राचार्य प्रताप स्कूल खूने की बजारीया, लश्कर
ग्वालियर (म. प्र.).

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

मकान 25/510 का एक भाग जिसका क्षेत्रफल 247.94 वर्ग
मीटर है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 18-11-1981
मोहर :

प्रह्लद प्राईंटी १८० एवं १९०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निवार्श सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---यह मूझे, विजय
माथुर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के ग्रन्थीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और
और जिसकी संख्या मकान नं. 25/510 है, तथा जो लशकर
ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 29-3-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
दृष्टिभान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिभान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टिभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या(ड) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;(1) श्री साहजी राव अंगे सुपुत्र चन्द्रोजी राव अंगे
निवासी मध्याजी विलास, अंगे का बाजार, लशकर
ग्वालियर (म. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सौ. गीतादेवी धर्म पत्नी श्री सतीश चन्द्र
गोयल निवासी बाल बाजार, लशकर (ग्वालियर)।

(अन्तरिती)

(3) प्राचार्य प्रताप स्कूल खूने की बजारिया, लशकर
द्रग्यालियर।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 25/510 का एक भाग जिसका क्षेत्रफल 247.94
वर्ग मीटर है।विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, भोपालअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—तारीख : 18-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत प्राइंटी टी.एन.एस.—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई.ए.सी. (अर्जन)—यतः मुझे, विजय
माथूर,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन अधिनियम कहा गया है), की वारा 269-व
के अधीन समस्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है से अधिक है।

और जिसकी सं. मकान नं. 25/510 है, तथा जो लक्षकर गवालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
गवालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 29-3-1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इस के दृश्यमान
प्रतिकूल के लिए समर्पित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रभारकों)
और अन्तरिती (प्रभारितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तय पाया
गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारक लिखित में
बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रभीन करने के प्रभारक के वायिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसमें
में सुविधा के लिए।

जल्द, जल्द, उक्त अधिनियम की वारा 269-व के प्रभारक
में, मैं उक्त अधिनियम को वारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, वर्चातः—

(1) श्री साहजी राव आंग्रे आत्मज श्री चन्द्रजी राव आंग्रे
निवासी संभाजी विलास आंग्रे का बाजार, लक्षकर
गवालियर (म. प्र.)।

(अन्तरक)

(2) श्री राम सिंह तोमर आत्मज श्री अम्बद सिंह जी
तोमर निवासी खूबी की बजारिया, लक्षकर गवालियर,
(म. प्र.)।

(अन्तरिती)

(3) श्री प्राचार्य प्रताप स्कूल सूने की बजारिया, लक्षकर
गवालियर (म. प्र.)।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
43 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना ही तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि या उससे अधिक होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोत्पत्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्टॉकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वर्णित हैं,
वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

मधुसूची

मकान नं. 25/510 का एक भाग जिसका क्षेत्रफल 247.94
घर्ग मीटर है।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज़, भोपाल

तारीख : 18-11-1981

माहृ :

प्रहृष्ट आई० टी० एन० एस०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत प्रकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल
 भोपाल, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निर्देश स आई ए सी (अर्जन)---यत मझे, विजय माथर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं मकान न 25/510 है, तथा जो लश्कर ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उड्डेश में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से नहिं नहीं नियम गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

- (1) श्री शाहजी राव आग्रे सुपुत्र श्री चंद्रजीरान आग्रे नि - सभाजी विलास, आग्रे का बाजार, लश्कर, ग्वालियर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती वीणा देवी धर्म पत्नी हरदिलास गायल नि - दाल बाजार, लश्कर, ग्वालियर (म प्र)। (अन्तरिती)
- (3) प्राचार्य, प्रातप स्कूल खूने की बजारिया लश्कर ग्वालियर (म प्र)। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्द्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्द्धन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न. 25/510 का एक भाग जिसका क्षेत्रफल 247.94 वर्ग मीटर है।

विजय माथर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 18-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---यतः मुझे, विजय
माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 25/510 है, जो लश्कर ग्वालियर
में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में
भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 29-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) शाहजी राव आंगे पुत्र/चंद्रीजीराव आंगे निः संभाजी
विलास, आंगे का बाजार, लश्कर ग्वालियर (म. प्र.)
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मधु तोमर धर्म पत्नी प्रताप सिंह तोमर निः-
खूबी की बजरिया, लश्कर, ग्वालियर।
(अन्तरिती)

(3) प्राचार्य प्रताप स्कूल, खूबी की बजरिया, लश्कर,
ग्वालियर (म. प्र.)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके एवं व्यक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मकान नं. 25/510 का एक भाग जिसका क्षेत्रफल 409.00
वर्ग मीटर है।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 18-11-1981

मोहर :

प्रसूप बाहुँ. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निर्देश स. आई. ए. सी. (अर्जन)---यत् मृझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म. 29/1 है, तथा जो मार्गलिया में निश्चित है (और
इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-3-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तर्वार्ताय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने मैं
मूर्खा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ततः :--
8-386GI/81

(1) श्री विनोद कुमार राम कुमार अग्रवाल-354 साकेत
नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रसीदाबानू पत्नी मा इकबाल, 48 दौलत
गंज, मेन रोड इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

प्रष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

महत्वपूर्ण

भूमि ग्राम मार्गलिया त संबोर जिला इन्दौर खसरा नं. 29/1
रकवा 2-33 एकड़।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज, भोपाल

तारीख : 20-11-1981
सील :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---यतः मुझे, विजय
माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है।

और जिसकी सं. 29/1 है, तथा जो मांगलिया में स्थित है
(और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-3-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रेष्ठता के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्री विनोद कुमार राम कुमार अश्वाल 354, साकेत
नगर इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनिशादान पत्नी मो. मूनाफ, 48 दौलत
गंज, मेन रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दृश्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौदा/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट्ठ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

भूमि ग्राम मांगलिया त. इन्दौर खसरा नं. 29/1-
रक्का 2.34 एकड़।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 20-11-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 296-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्---

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री संजय कुमार राम कुमार अग्रवाल 354, साकेत नगर।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निदेंश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)---यतः मुझे, विजय माथूर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 29/4 है, तथा जो मांगलिया में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-3-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि ग्राम मांगलिया त. सावेर जिला इन्दौर--खसरा नं.
29/4-रक्कड़ 2-34 एकड़।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 20-11-81
मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रसूप आइ० टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई० ए. सी. (अर्जन) — यतः मुझे, विजय
माथूर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसने इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. 29/1 है, तथा जो ग्राम मांगलिया में स्थित
है (और इससे उपाखदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-3-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरिस्तों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारतः—

(1) श्री विनोद कुमार व संजय कुमार अग्रवाल पुत्र राम-
कुमार अग्रवाल निः 354, साकेल नगर, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती हमीदा बानू पत्नी अब्दुल मजीद निः 48,
दौलत गंज, मेन रोड, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
शुद्ध कियी अन्तरिती इवारा, अन्तरिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमृतसूची

भूमि ग्राम मांगलिया त. सावरे जिला इन्दौर, उत्तर प्रदेश।
29/1-रकवा 1.17 एकड़।

विजय माथूर
समक्ष प्राधिकारी
महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, भोपाल

तारीख 20-11-81
मोहर :

बहुप्रधारी टी० एन० एस०

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

फायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थंड्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निं०६ म आई. ए. मी. अर्जन—अतः मुझे, विजय माथूर,
आयकर प्रशिक्षण, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रशिक्षण' नहीं गया है), को धारा
269-प के अधीन प्रधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित धारा पृष्ठ 28,010
रुपय से अधिक है

और जिसकी सं. 16/1 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), राज-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में राजस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-3-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की रही है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापूर्वोक्त मांसिक ना उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रधनक (प्रधारकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के नीचे ऐसे प्रतिशत हैं जिन न पर गा गया
प्रतिफल, निम्नांकित उद्धर में उक्त प्रतिशत लिखा है।
विकल्प से निवित नहीं किया गया है।

(क) प्रतिशत में हूई किसी भाग की वापत उक्त प्राधि-
नियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व से कमी
करने या उसमें वचन में सुविधा के लिए; योग्य।

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भूत या अन्य घासितियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रशिक्षण, या
अनकर प्रशिक्षण, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरितों ना प्रकट न-फिरा
गया था या किया जाना चाहिए या जिगत में भाग
के लिए।

अतः अब, उक्त प्रशिक्षण की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधिन निम्नलिखित अवक्षितियों, अर्थात् :—

(1) श्री हजारीलाल सीताराम निः ग्राम पीपल्या कुम्हार
इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री जम्बूकुमार हजारी लाल जैन (2) कौलाशचन्द्र
अमरसिंह सिंघल (3) श्री श्याम बाबू लालचन्द्र अग्र-
वाल (4) श्रीमती अनिता देवी सुरेश बाबू निः 52
उत्पातगांज में रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवैन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

इन व्यवस्था के अवैन में कोई भी प्राक्षय :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन भी प्रवधिया तत्संबंधी अवक्षितियों पर सूचना
की गांधीन में 30 दिन की अवधि जो भी प्रवधि
राज में समाप्त होती हो, अतः भीतर पूर्वोक्त अवक्षितियों
के लिए किसी अविक्षित द्वारा,

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी प्रत्येक अवक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के गांधीन में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रशिक्षण के प्रधाराव 20-क में
परिचालित हैं, वही पर्यंत होगा जो उस
प्रधाराव में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम पीपल्या कुम्हार जिला इन्दौर - खसरा नं. 96/1-
रक्का 1.20 एकड़।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 20-11-81
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन् एस् —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. अर्जन--अत मझे, विजय
माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 3/1 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाध्वध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजि-
स्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में राजिएकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-3-1981
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिन्ने में सुविधा के लिए।

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपलब्धा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अन्तरिती, अन्तर्त :--

(1) श्री बद्रीनाथ सीताराम नि. ग्राम पिपल्या कुम्हार
इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री हजारीलाल कुन्दनलाल 168/3 अनूपनगर (2)
प्रदीप कुमार चतुर्भुज गुप्ता 40 अव्वदानन्द मार्ग
इन्दौर (3) वेदप्रकाश छज्जाराम 161/3 अनूप नगर
इन्दौर (4) प्रदीप कुमार बाबूलाल पाठनी, 11 पारसी
मोहल्ला इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न
के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकों --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की लागत से 30 दिन की अवधि, जो भा
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हठोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मन्त्रालय

भूमि ग्राम पिपल्या कुम्हार जिला इन्दौर ज्ञासरा नं. 3/1-
रक्कड़ 1.48 एकड़।

विजय माथूर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, भोपाल

तारीख : 20-11-81
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवेदित मं. आई. ए. सी. अर्जन—अत. प्रभु, विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन यक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3/2 है, तथा जो इन्होंने में स्थित है (और इसमें उपावक्ष्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्होंने में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के 1111 न प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृद्ध्यमान प्रतिफल में, तो से वृद्ध्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बहुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षत् ८--

(1) वद्रीलाल सीताराम नि. ग्राम पिपल्या कुम्हार जिला इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चबल देवी पर्ति कान्तीलाल (2) रमेशचंद्र लालचंद (3) श्रीमती मर्ति देवी पत्नी रमेश चंद 11 पारसी मोहल्ला इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रम्याय 20 के यथापरिभाव में हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि साम पिपल्या कुम्हार जिला इन्दौर खसरा नं. 3/2 रकबा-1.10 एकड़।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 20-11-81
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री हजारीलाल सीताराम नि. ग्राम पीपल्या कुम्हार ज़िला इन्दौर
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई० ए० सी० अर्जन—अत मझे, विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, तिमूका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में धृष्टिक है

और जिसकी सं. 15/3 है, सथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपबद्ध उन्मुक्ती में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रेटरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जधीन, 30-3-1981 की प्रबोक्षा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम हो दृश्यमा। प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ति या विवास करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दूर्वा किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

धौर्य

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने गे सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविन्योग्यता, अर्थात्:—

(2) (1) श्रीमती मंजू देवी परित जम्बूकुमार (2) रत्नलाल अमर चन्द (3) लालूलाल देवकरण (4) श्रीमती शुकुन्तला बाई सुभाष चन्द सिंघल 167/3 अन्धूर इन्दौर
(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उम्मा सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस एवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भोतर उम्मा स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोदस्ताक्षरी के पास लावित प्रिण्ट जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकृत—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उम्मा आय नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम पीपल्या कुम्हार ज़िला इन्दौर रकवा 1.50 एकड़।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, भोपाल

तारीख : 20-11-81
मोहर :

प्रख्युप अमृ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवेदा सं. आई. ए. सी. अर्जन—अतः मूर्ख, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 17 है, तथा जो इन्हौंर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्हौंर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-3-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिसमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः:—

9-386GI/81

(1) श्री रामचरण व मंदनलाल पुत्र सीताराम नि. ग्राम पिपल्या कुम्हार जिला इन्हौंर
(अन्तरक)

(2) (1) कु. रीता देवी पुत्री हुआरी लाल जैन (2) रमेश चन्द्र छज्जराम (3) सीतादेवी चतुर्भुज (4) श्रीमती चन्द्राबाई पति लालचन्द नि. 52 उज्जा गंज मेनराम इन्हौंर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम पिपल्या कुम्हार जिला इन्हौंर ससरा नं. 17 - रक्का 1.21 एकड़।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 20-11-81

मोहर :

प्रस्तुप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवेश म आई ए सी अर्जन—अत मुझे, विजय माथूर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी ग 2 है, तथा जो इन्होंने में स्थित है (और इससे उपायदध अनुसूची में और पृष्ठ सर्वित है), नेंजस्ट्री-कर्ट अधिकारी के कार्यालय, इन्होंने में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-3-1981

को खूबीकृत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण निम्निक से वास्तविक रूप में छपा गया है। — १०३० --

(1) श्री मुरारीलाल पिता सीता गम नि ग्राम पिपल्या कुम्हार इन्दौर
(अन्तरक)

(2) श्री शास्तीलाल पिता हजारी लाल जैग (2) अनिल कुमार पिता अमर सिंग (3) राजेन्द्र कुमार पिता चतुर्भुज (4) लाल चन्द लखमी चन्द नि 52 उत्तरा गज में राङ इन्दौर
(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अन्तरण के दूसरे दृष्टि के अन्तरक को कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगिनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सहायता के लिए,

अनुसूची

भूमि ग्राम पीपल्या कुमार जिला इन्दौर लासरा न 2 - एकड 1 48।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, भोपाल

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भूमि ग्राम पीपल्या कुमार जिला इन्दौर लासरा न 2 - एकड 1 48।

तारीख : 20-11-81

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 20 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आई० ए. सी. अर्जन—अत मुझे, विजय
माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति उसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 19 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-3-1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के शायदत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभार्ता अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृद्ध था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री रामचरण व मन लाल पुत्र सीता राम नि. ग्राम
पिपल्या कुम्हार इन्दौर
(अन्तरक)

(2) श्री कान्तीलाल हजारीलाल जैन (2) राम कबू (3)
सुभाष घन्द छज्जूराम सिंचल चतुर्भुज हरप्रसाद गुप्ता
नि. 20 श्रद्धानन्द मार्ग इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम पिपल्या कुम्हार जिला इन्दौर-खसरा नं. 19
रकबा 1.18 एकड़।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसुचण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिक:—

तारीख :20-11-81
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धनेश, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवैशा सं. आई. ए. सी. अर्जन—अस. मुझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 16/1 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध उन्नुगूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मनूषी

भूमि ग्राम पिपल्या कुम्हार जिला इन्दौर-खसरा नं.: 16/1-
एकड़ 1-16।

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित दृश्या प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-11-81
माहेश :

प्रह्लाद आर्टी.एस.एस.-----

(1) श्री मुरारीलाल सीताराम निं. ग्राम पिपल्या कुम्हार इन्दौर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 20 नवम्बर 1981

निवेश सं आर्ट. ए. सी. अर्जन—अत मझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स 2 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ट अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-3-1981
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पंचवांश प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट भारी किया गया
था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

भूमि ग्राम पिपल्या कुम्हार जिला इन्दौर लसरा नं. 2-एकड़ा
1.20 एकड़ा।

विजय माथुर
सक्षम आधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः---

तारीख : 20-11-81
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. अर्जन—अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 19 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1981 को पूर्वोक्त संपर्क के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) एसी (किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को जिहे भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, भौमि प्रधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अनुसूची 6-—

(1) श्री राम चरण व मदन लाल पूत्र सोताराम नि. ग्राम पिपल्या कुम्हार इन्दौर (अन्तरक)

(2) श्रीमती आशादेवी ५ति दुर्गा प्रमाद (2) लाल चन्द लख्मी चन्द (3) बाबू लाल हजारी लाल (4) श्रीमती प्रेमलता देवी नि. 40 श्रद्धानन्द मार्ग इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण्य में ओह भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फ़िये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर १३ का, जो ७५७ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भौमि ग्राम पिपल्या कुम्हार जिला इन्दौर १ संसरा नं. 19-रक्का 1-16 एकड़।

विजय माथुर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 20-11-81
माहेश

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी अर्जन—अतः मृझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी म. प्लाट है, तथा जो इन्दौर में गिर्ध है (और इसमें उपायदध अनुसूची में आंर पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी द्वारा कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-3-1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्ह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बचने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ग) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबंध नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री श्रीनाथ (2) श्रीराम (3) शरद (4) प्रभाकर पुत्र हनुमंत गोर (5) श्रीधर (6) वलवन्त पुत्र श्री चन्द्र कान्त गोर (7) श्रीमती पदमा वती पत्नी श्री-कृष्ण गारे जि. 92 नन्दलाल पुरा इन्दौर
(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार रमेश कुमार पुत्र मूल चन्द्र राजोर 42 वक्षी गली इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आझोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

63 जदाहर मार्ग का भूखण्ड क्षेत्रफल - 5227 वर्ग फीट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, भोपाल

तारीख : 20-11-81

मंगल

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) श्री अनंत भाई पुत्र भगवान बास आधव - ग्राम गोदिया
जिला उज्जैन
(अन्तरक)

(2) श्री बस्तू लाल, रेशम चन्द, कमल प्रकाश पूँगण
सालग राम खाती ग्राम - पिपल्या कुम्हार जिला
इन्दौर
(अन्तरीती)

क्वे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आई. ए. मी. अर्जन—अतः मुझे, विजय
माथूर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, वह किवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 57 है, तथा जो ग्राम गोदिया में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अन्तर्गत में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-3-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अनुरूप के लिए तथा पाया गया श्रेत्र-
कम तिन्मतिलिहित उत्पत्तेय से इकठ्ठा अनुरूप लिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया जाता है:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी क्षम्य व्यक्ति द्वारा अफोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, उनी वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में हासिला
के लिए; और/या

मनूषी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धरत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि वर्गीया वावडी ग्राम गोदिया जिला उज्जैन में सर्वों नं.
57-कुल रक्षा-10-034 हेक्टर।

विजय माथूर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन तिन्मतिलिहित व्यक्तियों अर्थातः--

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री गुलामअली यसुफ़अली बोहरा (सैलानावाला)
तम्बाकू बाजार, रतलाम।
(अन्तरक)

(2) श्री इनायतअली कमरउली बोहरा (कालाभीवाला)
रतलाम।
(अन्तरिटी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन/बी. पी. एल.—यतः
मुझे, विजय माधुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है;

और जिसकी सं. म. नं. 86 है, तथा जो रतलाम में स्थित है
(और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
23-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशेष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृतशब्द
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है [1]

(क) अन्तरण से है इसकी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

नम. नं. 86, तम्बाकू बाजार, रतलाम में तीन मंजिल
मकान।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॅज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, आर्द्धः—
10—386GI/81

तारीख : 21-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 20 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई.ए.सी. (अर्जन)---यतः मुझे, विजय
माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इन्हें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उगदा उचित दाजा इन्हें
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/1 है, तथा जो इन्होंने मेरे स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्होंने मेरे रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-3-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के लिए अंतरित को गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल
का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया मूल्य अनुसूचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्री अब्दुल हफीज खान अब्दुल रसीद खान म. नं.
1, ओल्ड पलासिया, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मथुरालाल, फूस लाल जैन 13/4, ओल्ड
पलासिया, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वं
दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

मात्रानं. 1/1, ओल्ड पलासिया इन्दौर।

विजय माथुर,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, भोपाल

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 20-11-1981
माहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 21 नवम्बर 1981

निवेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)/बी. पी. एल.—
यतः मूझे, विजय माधुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. म. न. 26 मुराई है, तथा जो इंदौर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पृष्ठ रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
28-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे संबन्ध में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जीवनीश्वर छोटेलाल गुप्ता (2) सत्यवान
छोटेलालजी गुप्ता (3) शांतीदेवी सत्यवान गुप्ता (4)
सुवोध कुमार सत्यवान गुप्ता (5) संजयकुमार सत्यवान
गुप्ता, 25, जेल रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री हेमेन्द्रकुमार फूलचन्द घोरेड्या, 53, जानकी-
नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के सिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

म. नं. 26, मुराई मोहल्ला, संयोगिसागंज, इन्दौर के
पिले का भाग दूसरी व तीसरी मंजिल का एक एक कमरा।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजू, भोपाल

तारीख : 21-11-1981
मोहर :

प्रसूप भाई० टी० एम० एस०-----
ग्रामपाल अधिनियम, 1961 (1961 का 43) आदा की
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन थोने, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आई० ए. सी. (अर्जन)/बी. पी. एल.—
यतः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-व
के प्रधीन समाप्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. म. न. 26, मुराई० है, तथा जो इन्हीं में
स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्हीं में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
28-3-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्राप्तिशत से अधिक है और प्रम्तरक (प्रम्तरकों) और प्रम्तरिती
(प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रम्तरण-में युद्ध किसी आय की नावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रम्तरक के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रबन्धकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की आदा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की आदा 269-व की उपशारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जीवनीबाई छोटेलालजी गुप्ता (2) श्री सत्य-
वान छोटेलालजी गुप्ता, (3) श्रीमती शांतीदेवी
सत्यवान गुप्ता (4) श्री सुबोधकुमार सत्यवान गुप्ता,
(5) श्री संजयकुमार सत्यवान गुप्ता, 25 जेल रोड,
इन्हौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोभादेवी चन्द्रप्रकाश चौराडिया, 53, जान-
कीनगर, इन्हौर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अधीन के लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधिया, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताकारी के पास लिखित
में किए था संकेते।

स्पष्टीकरण :—इसमें ब्रह्मकुट शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रविनियम के प्रम्याय 20क में परिचालित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

म. न. 26, मुराई० मोहल्ला, संयोगितागंज, इन्हौर की
तल मंजिल का बीच का भाग (278 वर्ग फीट)।

विजय माथुर
संकेत प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-11-1981
मोहुर

प्रस्तुप आईःटी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निदर्श सं. आई. ए. सी. (अर्जन)/बी. पी. एल.—
यत: मुझे, विजय माथूर,
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और
और जिसकी सं. म. नं. 26 मुराई मोहल्ला है, तथा जो इंदौर
में स्थित है (और इससे उपावश्यक बनस्सी में और पूर्ण रूप
से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 19-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारों) और अन्तरिती (अन्तरितारों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की गयी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के व्यापार कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहै था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की संधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जीवनीबाई छोटेलालजी गुप्ता (2) श्री सत्यवान छोटेलालजी गुप्ता, (3) श्रीमती शान्तिदेवी सत्यवान गुप्ता (4) श्री सुशोधकुमार सत्यवान गुप्ता, (5) श्री चंद्रकुमार सत्यवान गुप्ता, 25, जेल रोड, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री फूलचन्द मोतीलालजी चोरडिया, 52, जानकी-नगर, इंदौर

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहोना करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाजपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जा आर पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म. न. 29, मुराई मोहल्ला, संयोगितागंज, इंदौर की तल मंजिल के ऊपर की मंजिल (622-38 वर्ग फीट)।

विजय माथूर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजै, भोपाल

तारीख : 21-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)/बी. पी. एल.—
यतः मुझे, विजय माधुर,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. म.न. 52 जानकी नगर है, तथा जो इदौर
में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कायलिय, इन्हाँर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
19-3-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, सक्षम
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बहु-बय, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जीवनीबाई छोटेलाल गुप्ता (2) सत्यवान
छोटेलाल गुप्ता (3) सुबोधकुमार सत्यवान गुप्ता
(4) श्रीमती शांतीदेवी सत्यवान गुप्ता, (5) श्री संजय-
कुमार सत्यवान गुप्ता म. नं. 25, जेल रोड,
इन्हाँर।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रप्रकाश फूलचंद चोरडिया, म. नं. 52,
जानकीनगर, इन्हाँर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का सारांश त
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

म. नं. 26, मुराई मोहल्ला, संयोगितागंज, इन्हाँर की
प्रथम मंजिल (622-38 वर्ग फीट)।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, भोपाल

तारीख : 21-11-1981
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) बी. पी. एल.—
 अवतः मुझे, विजय माथूर,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' लड़ा गया है) की धारा
 269-ब के अधीन वक्तव्य प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करते
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 23,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं. प्लाट नं. 35 है तथा जो शिक्षक नगर,
 इंदौर में स्थित है (और इससे उपादव अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
 कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, 24-3-1981
 को पूर्वोंक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
 अन्तररू (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
 ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर हिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में रुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में संविधा ने लिए;

न. नं. वत्र, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ब के प्रत्युत्तरण नं. में, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ब की उपस्थान (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, वर्णन :—

1. श्री विजय कुमार अचलचंद्रजी जैन, 35, शिक्षक नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्री बिजलाल सतपालजी, 78-बी, प्रेम नगर इंदौर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोंक सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, तो भीतर पूर्वोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्युचंद्री

मकान प्लाट नं. 35, शिक्षक नगर इंदौर, (बोमंजिला, 9 रुमवाला)।

विजय माथूर
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-11-1981

मोहर :

प्रकृष्ट धाई० टी० एस० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत ब्रिकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निदेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन) बी. पी. एल.—
अतः सुझे, विजय माधुर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इकाई से प्रधिक है

और जिसकी सं. म. नं. 45, शक्कर बाजार है तथा जो
इंदौर में स्थित है (और इससे उपावहध अनुसूची में और^{पूर्ण} के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 31-3-1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रतिफल (प्रस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्थान
गिरिहि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से तुरै किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
प्रमकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री योगेश्वर रूपाली वर्मा, 45/1, शक्कर बाजार,
इंदौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री वाणील मानमलजी जैन, (2) भागचन्द्र^{बाणील} जैन, 27/3, शक्कर बाजार, इंदौर।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के
लिए कार्यवाहिकी करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोक्तसाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

प्रधोक्तसाक्षरण:—इसमें 'प्रयुक्त गम्भीर और पदों का जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही गम्भीर होगा जो उस अध्याय में दिया जाया है।

अनुसूची

शक्कर बाजार स्ट्रीट नं. 1, म.नं. 45 का परिचय का
भाग (10'6"×56')।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-11-1981

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एल०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आई०ए०सी० (अर्जन) बी. पी. एल.—
अतः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. नं. 45, शक्कर बाजार है तथा जो
इंदौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, इवार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 31-3-1981

को पूर्धोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरोधित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रति-
फल निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप में किया नहीं किया गया है।—

(स) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
हरने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्ननिखित अविक्षयों, अधीक्षित—
11-386GI/81

1. श्री योगेश्वर रूपाजी वर्मा, 45/1, शक्कर बाजार,
इंदौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती धापुबाई बागमल जैन
(2) श्री सुभाष बागमलजी जैन
27/3, शक्कर बाजार, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्धोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्धोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित अस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्ठानिवारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

मकान, शक्कर बाजार स्ट्रीट नं. 1, मू. नं. 45 का पूर्व का
भाग ($10'-6\frac{1}{2}'' \times 56'$)।

विजय माथुर
सकाम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रूप, भोपाल

तारीख : 21-11-1981
मोहर 6

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आई.ए.सी. (अर्जन) बी. पी. एल.—
 अतः मुझे, विजय माथुर,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. म. नं. 48 है तथा जो शिक्षक नगर,
 इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
 पुर्ण के स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, 30-3-1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 स्पष्ट स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों जर्हीत:—

1. श्री गोपालदास चत्भूज गोयल, 29 एन्हारगंज,
 इंदौर।
 (अन्तरक)

2. श्री श. शान्तीलाल जगन्नाथ पांड्याल, ग्राम उन्हेल,
 त. जि. उज्जैन।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
 कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है ॥

अनुसूची

मकान नं. 48, शिक्षक नगर, इंदौर।

विजय माथूर
 सक्रम प्राधिकारी
 (निरीक्षी महायकर आयुक्त)
 अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 21-11-1981
 मोहर :

प्रकृप आइंटी.एन.एस.-----

भारत कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निदर्श सं. आइ. पं. सी. (अर्जन) 2197—अन्तः मुझे,
विजय माथू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 513 है तथा जो सराफा वार्ड, जबलपुर
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 30-3-1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सिंघर्द मोतीलाल जैन, निवासी रसेल चौक,
जबलपुर, म.प्र.।

(अन्तरक)

2. श्री कैलाश चन्द्र ताम्रकार पत्र श्री रामनारायण
जाम्रकार, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सराफा वार्ड जबलपुर में स्थित मकान नं. 513।

विजय माथूर
सक्षम प्राधिकारी
(निरक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रोज, भोपाल

तारीख : 28-11-1981

मोहर :

प्रकृष्ट भाई, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भाउत सुरक्षार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रुद्ध, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए. पी. 2848--यस: मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

जोर जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
होशियारपुर में स्थित है (जोर इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, सारीख अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इक्षमान प्रतिफल से, एसे इक्षमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा-
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविस्तरों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यस: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भै उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जराति :---

1. श्री अवसार पुत्र अमर चंद मार्फत मैसरज अमर
कोल्ड स्टोरेज, होशियारपुर।
(अन्तरक)
2. श्री गुरवचन सिंह पलाहा पुत्र मालुक सिंह पलाहा,
वासी गुरु नानक नगर, होशियारपुर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में दो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के 20-क में पारिभाषिक हैं, वहीं
अर्थ होंगा जो उस अध्याय भै दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5184, विनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने दिया
है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रुद्ध, जालंधर

तारीख : 19-11-1981
सोहुर :

प्रस्तुत दाइ. दी. एन. पूस.-----
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर
जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

ए. निर्देश नं. ए. पी. 2849—यत. मुझे, ज. एस.
आहलवालीया,
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
होमिश्यारपुर में स्थित है (जोर इससे उपाबद्ध में अनुसूची
में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय होमिश्यारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विकारूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
जौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किमा जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री अवतार पूर्ण अमर चंद मार्फत मंसरज अमर
कोलड स्टोरज, होमिश्यारपुर।
(अन्तरक)
2. श्री गुरबचन सिंह पलाहा पूर्ण मालुक सिंह पलाहा,
वासी गुरु नानक नगर, होमिश्यारपुर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्यता :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रगृहित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 25, दिनांक
अप्रैल 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होमिश्यारपुर ने लिखा
है।

ज. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

अतः बहु, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 19-11-1981
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2850—यत. मुझे, जे. औस.
आहलवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मंपाल्त जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव मेहिलावाली, तहि. हांशियारपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हांशियारपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए अलापित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया
प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिकृत नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अब बत, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

1. श्री उदय चंद पत्र अभय चंद, गांव मेहिलावाली,
तहि. जिला हांशियारपुर।
(अन्तरक)
2. श्री परमिन्द्र सिंह सन्धू, वासी 321, गूरु तंग
बहादुर नगर, जालंधर।
(अन्तरिती)
3. जैमा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मापान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर ममति में द्वितीय द्वारा,
प्रत्यय डर्किन द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पर्क तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5186, दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हांशियारपुर ने लिखा
है।

जे. औस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जालंधर

तारीख . 19-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आइ^१.टी.एन एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2851—यतः मुझे, जे. औस.

आहलवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स. जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गंव मौहिलांवाली, तहि. हॉशियारपुर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हॉशियारपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ^२ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे^३ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भद्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बन्धुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
के अधीन [निम्नलिखित अधितब्दों अनुसार]—

1 श्री अभय चंद पुत्र राम चंद मुख्तार आम दीप्ति कुमार
पुत्र अभय चंद, गंव मौहिलांवाली, तहि. हॉशियार-
पुर।

(अन्तरक)

2. श्री जातिन्द्र सूद पुत्र मोहन लाल, 615, मोता
सिंह नगर, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रहती रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लोर्ड भी जानें:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हृवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति हृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौराणित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्यांकन

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5185, दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हॉशियारपुर ने लिखा
है।

जे औस. आहलवालीया
स्कम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्र (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख . 19-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आर्ह.टी.एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

शायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए. पी. 2853—यतः मुझे, जे. औस. आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपावदध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) सौर अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी काय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने एवं सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री वेद प्रकाश पुत्र मोहरी नाम, वासी गली नं. 9, मण्डी, अबोहर।
(अन्तरक)

2. श्री मथरा दाम, अबीनाश चन्द्र पुत्र निहाल अंद, वासी दक्कान समरा गं. 1310, गाधी चौक, अबोहर।
(अन्तरिक्त)

3. जैसा कि उपर नं. 2, से लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को भूमाल से कांह भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध दाव में भगप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय निम्नलिखित में निम्न जा नकारे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचयित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अबूहरी

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3857, विनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

जे. औस. आहलुवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 19-11-1981
मोहर

प्रकाश पृष्ठ 5 ई० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवैशं नं. ए. पी. 2854—यतः मुझे, जे. एस. आहलुवालीया,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-प (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांधी
चौक मंडी अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची
बौर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अबोहर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, सारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फ़ैल ह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घने या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथं अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरम
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-386GI/81

1. श्री वेद प्रकाश पुत्र मोहरी लाल, बासी गली नं.
9, मण्डी, अबोहर।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती प्रमेश्वरी बाई पत्नी चम्बा राम,
2. भगवान वास, 3. कुल भूषण पुत्र टके चन्द्र
रामेश कुमार पुत्र राजिन्द्र पाल, बासी गली नं.
14-15, मण्डी, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रहती रहता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉइ भी आशेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्तित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही
अर्थ हींगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3903, विनांक
मार्च 1981 को राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

जे. ईस. आहलुवालीया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 19-11-1981

मोहर

प्राकृत भाषा, टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2855—यतः मुझे, जे. औस.
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबूध में अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चतरे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजा राम, पृष्ठी राज, केशल करिशम, मोहन लाल पूत्र मोहकम घंड, दासी फाजिलका।
(अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल पूत्र बहादुर घंड, श्रीमती राम पारी विधवा जमना दास, दासी गली नं. 5-6, नई आवादी, अबोहर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबूध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के मिए कार्यवाहियों शुरू करता है।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर—
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4303, दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी फाजिलका ने सिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जालंधर

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रकृष्ट श्राव. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना .

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवेद्य नं. ए. पी. 2856—यतः मुझे, जे. औस.
आहलुवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय काजिलका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरित दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहए था छिपाने में
सुचिता के लिए;

1. श्री राजा राम, पृथी राज, केवल करिशन, मोहन
लाल पुत्र मोहकम चंद्र, वासी काजिलका।
(अन्तरक)
2. श्री ओम प्रकाश उर्फ वेद प्रकाश पुत्र बाबू राम,
वासी गली नं. 10, मण्डी, अबोहर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहियाँ करता है।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4305, दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी काजिलका ने लिखा
है।

जे. औस. आहलुवालीया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

यतः श्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत वाहौं टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निकेश न. ए. पी. 2857—यतः मुझे, जे. औस.
आहलुवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कपूरथला में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1981

को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्कार, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इन्द्र सिंह जी. ए. श्रीमती हरवंस कौर विधवा
चानसराम वासी मोहल्ला शेरावाला, कपूरथला।
(अन्तरक)
2. मैसरज, संत मैटल वर्क्स कपूरथला।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है और श्री लाल सिंह
वासी मुहल्ला जटपुर, नश्व आबादी, कपूरथला।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तांत्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की समिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भैं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3637, दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति आदौ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2858—यतः मुझे, जे. बैस.

आहलवालीया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कपूरथला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कापूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख भार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके हस्यमान प्रतिफल से, ऐसे, हस्यमान प्रतिफल का
पन्नाहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से नहिं किया गया है(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्वे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;प्रतः घब, उक्त प्रधिनियम, नी धारा 269-प के अनुसरण
में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इन्द्र सिंह जी. ए. श्रीमती हरबंस काँवर विधवा
जानन राम वासी, माहूल्ला बोरावला, कपूरथला।
(अन्तरक)
2. श्री प्रीतम सिंह पुत्र गुलाब सिंह, जालंधर, मार्पत्त
मैसर्ज संत मेटल वर्क्स, कपूरथला।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है। और श्री लाल
सिंह पुत्र सुन्दर सिंह वासी महूल्ला जटपुरा, नदी
आबादी, कपूरथला।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
उदो प्रारं दोगा, जो उस प्रधायार में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेश नं. 3656 विनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।जे.एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदेश न. ए. पी. 2859—यतः मुझे, जे. अ० स.
आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो
कपूरथला में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कापूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पत्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वं के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इन्द्र सिंह जी. ए. श्रीमती हरदेस कार विधाया
नामन राम, जोहूल्ला जोहांडला, कापूरथला।
(अन्तरक)

2. श्रीमती बलवंत कार पत्नी गुरदियाल सिंह, बसंत
कारे पत्नी किरपाल सिंह, तीजन्द्र कार हरदेस सिंह
वासी कापूरथला। मार्फत मैसर्ज संत मेटल कर्कस,
कापूरथला।

(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर न. 2 में लिखा है। और श्री लाल
सिंह पुत्र सुन्दर सिंह वासी जटपुरा, नई
आवादी, कापूरथला।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3638, दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कापूरथला ने लिखा है।

जे. अ० से आहलुवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सच्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन राज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2860—यतः मुझे, जे. बैस.
आहलवालीया,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. से ज्याके हैं और जिसको सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृँ किसी आय की बाबत, उम्रत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे व्रचन में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरीय दुखारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने से
समिक्षा के लिए;

जतः वव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित घटिकयों, वर्णति :—

1. श्री बीर सिंह, वासी सराए रोड़ कगवाडा।
(अन्तरक)
2. श्री गिरधारी लाल पुत्र करम चंद वासी सराए रोड़-फगवाडा।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हूँ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्तुताकारी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहैं भी आधेष्टः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

४८५

सम्पर्क तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2933 विनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा ने लिखा है।

जे. औस आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख : 19-11-1981

मात्र

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2861—यह: मुझे, जे. औस.
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बंगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन,
तारीख मार्च 1981

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाण्य गया प्रति-
क्षम निम्नलिखित उक्तवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

1. श्री राम प्रकाश पूर्ण मुरारी लाल वासी रेलवे रोड,
बंगा।
(अन्तरक)
2. श्री मनजीत सिंह, जगजीत सिंह, करनवीर सिंह पूर्ण
गुरदेव सिंह, गांव-जड़ियाला, सब-तह्दः बंगा।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्तपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहीं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए था सक्तें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2110 दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बंगा ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 19-11-1981
माहर।

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, विनांक 19 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2862—यतः मःभे, जे. अस.
आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फाजिलका में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अस्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गठदृष्टि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धित में गमनविहार का से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगाब्द अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, भिन्न में
सुविधा के लिए;

यतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुमरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—386GI/81

1. श्रीमती तेजपाल कौर, वासी मालोर तहि: मुकुतसर,
जिला फरीदकांह।
(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार नागपाल पुत्र नंदलाल वासी,
फाजिलका।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
(जाहता है) कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके व्यक्ति संपत्ति के प्रत्यंत के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की नागील में 30 दिन की अवधि, जैसे भी
अवधि बाद में प्रमाण द्वारी हो, के भीतर व्यक्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रतिनियम के प्रधाय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उप प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेन नं. 4538, दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फाजिलका ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए. पी. 2864—यतः मुझे, जे. एस.
आहलूवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
दशमेश नगर, जालंधर में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अधिक अर्थ में लिखा गया है:—

(क) अन्तरण में हूँहै किसी आय की शास्त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्टियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उमा कोहनी एत्नी मेजर ए. एन. कोहनी
वासी क्षणीगढ़। मार्फत करम चंद पूत्र मूल्यी गम वासी
जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री राम राजपाल पूत्र फतेह घंड वास्ट्र जमशेर तहि.
जालंधर, आशारानी, नंदकिशोर पूत्र साध राम,
ई. जी-816, मोहल्ला गोविन्द गढ़, जालंधर तथा
भूपिन्द्र चौपडा मार्फत द्वारा फाइनेंस, हिन्द समाचार
स्ट्रीट, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति; जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(a) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीहर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,

(b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्यय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्यय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं. 8083 दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलूवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 20-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालधर

जालधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निक्षेप नं. ए. पी. 2865—यत. मर्फ़े, जे. एस.
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मपटित, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. में अधिक है।

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
तो जे मोहन नगर, जालधर में स्थित है (और इससे उपाधिध
अनुसूची में और पर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जालधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ्य पाया गया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्घास्त्र से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कर्णिना रानी पत्नी सतपाल पूर्ण मोहन लाल
पासी बस्ती शंख, जालधर

(अन्तरक)

2. श्रीमती अवर्षा आनंद पत्नी अशोक कुमार आनंद वासी
डल्लू, जो, 247 इस्लामाबाद जालधर व श्रीमती रनु
आनंद पत्नी सुरिन्द्रपाल आनंद वासी-152, शक्ति
नगर, जालधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितवृद्धि है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालधर ने लिखा है।
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालधर

तारीख : 20-11-1981

माहर :

प्रकल्प धार्ड—टो०८८० एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के मध्येन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालधर

जालधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवेश न. ए. पी. 2866—यत. मुर्ख, जे. एस.
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के मध्येन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी स. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
शक्ति नगर, जालधर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण संहृदै किसी आद की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आद या फिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रथोनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्चिधा
के लिए;

1. श्रीमती कृष्णा कपूर पत्नी सुरिन्द्र मोहन वासी 189,
आदर्श नगर, जालधर।

(अन्तरक)

2. श्री फकीर चंद पुत्र चानन राम वासी मोहल्ला पांधीओं,
करतारपुर, ज़िला जालधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना प्रारंभ करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विवेश नं. 7649 दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जलधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालधर

मत्र: बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् E—

तारीख : 20-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रज्ज, जालधर

जालधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2867—एत. मुक्त, जे. एस
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं। जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
शक्ति नगर, जालधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में मूलिका
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अर्थात्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दलबीर चंद कपूर पुत्र बालमुकन्द कपूर वासी
189, आदर्श नगर, जालधर।
(अन्तरक)
2. श्री फकीर चंद पुत्र चानन राम वासी मोहल्ला पांधीआ,
करतारपुर, जिला जालधर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपरन् 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न 7650 दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी, जालधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया

सधम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रज्ज, जालधर

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर
जालंधर, दिनांक 20 दिसम्बर 1981

निम्नलिखित नं. ए. पी. 2868—यतः मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहै), की धारा 269-ब
के अधीन सभग प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
शक्ति नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रद्वय प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में मुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने वा उससे बदलने में सुविधा के लिए;
और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः यद्युपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपषारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा कुमारी उक्त कृष्णा कपूर पत्नी सूर्यनंद
मोहन वासी 189, आदर्श नगर, जालंधर।
(अन्तरक)
2. श्री फकीर चंद पुत्र आनन राम वासी मोहल्ला पांधीओ,
करतारपुर, जिला जालंधर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए नार्याद्वितीय स्तरा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7705 दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर ने लिखा है।

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, विनांक 20 नवम्बर 1981

निदेश नं. प्र. पी. 2869—यतः मुझे, जे. एम. आहलुवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
शक्ति नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपबोध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दलबीर चद कपूर पुत्र बालमुकन्द कपूर वासी
189, आवर्ष नगर, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री फकीर चंद पुत्र चानन राम वासी मोहल्ला पांधीआं
करतारपुर, जिला जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7706 विनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जालंधर

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर संस्थान (निरीक्षण)

अर्जन राज्य, जालधर

जालधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2871—एतः मुझे, जे. एस
आहलनालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज्ञा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो
माडल टाउन, जालधर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन्सूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक को गहरा है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अतिरिक्ती
(अन्तरिरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप में कीथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
की बाबत उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगसार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतिन्द्रबीर सिंह खुद व मस्तारआम श्रीमती
हरचरन कोहली विधवा व नीना पत्री डॉ. एस.
कोहली वासी 658, सेक्टर 16-डी, चंडीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्रीमती जसपालकाँर पत्नी डा. जोगिन्द्र सिंह सेठी,
वासी 111-एल, माडल टाउन, जालधर।
(अन्तरिक्ती)

3. जैसा कि उपर न 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में राचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितवब्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
वर्वाध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मानसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 53, अप्रैल 1981
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलनालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन राज्य, जालधर

तारीख : 20-11-1981
सोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवैश्व सं. ए. पी 2870—यतः, मूर्ख, जे. एस.
आहलवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल
टाउन जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूषित
प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे दबने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14 —386C 181

1. श्री सतिन्द्रबीर सिंह सु व मूख्यार आम श्रीमती हरचरण
कोर कोहली विधवा व नीना पत्री डी. अंस कोहली,
वासी-658, मेकटर-16-डी, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती जसपाल कर पत्नी डा. जोगिन्द्र सिंह सेठी ।
वासी, 111-2, माडल टाउन जालंधर ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त न. 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे दबने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि लिखें नं. 8313, दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है ।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवैश सं. ए.पी. 2872—यतः, मुझे, जे. एस.,
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 द्वारा को अधीन संधर्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोहल्ला
रिजाजपुरा जालंधर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम हैरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हैरमान प्रतिशत से, ऐसे हैरमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हैर्द किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:--

1. श्रीमती सोहन देवी विधवा ठुंड राम गोव हरियाणा
जिला, हरियाणारपुर। मार्फत जांगन्द्र पाल।
(अन्तरक)
2. श्रीमती पूषा रानी पत्नी सोहन लाल वासी 30, शिवाजी
पार्क, जालंधर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रखती रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पूरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8023, दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर ने लिखा है।

जे. एस., आहलवालीया
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर।

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई, टी, एन, एस, -----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालंधर

आलधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए.पी. 2874—यतः, मुझे, जे. एम्.
आहलवालीया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्रधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया दावा कोलनी, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

(१०८-१०) बाजार, दक्षिणपात्र, १९४१।
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरके वायिष्व में कही करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। मौर्य

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य ग्राहितये को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्थ, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के मनुस्वरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ष की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

1. श्री प्रीतमि सिंह, बलवीर सिंह पुत्र ज्ञाम सिंह, वासी एन. एन. 507, गोपाल नगर, जालंधर। (अन्तरुक)
2. श्री कुलदीप सिंह, सत्पवीर सिंह पुत्र कृपाल सिंह, वासी-एस. -179-इन्डस्ट्रीयल एरिया-जालंधर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधारोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

३४८

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7528 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्टरिकर्ट अधिकारी जारीधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत प्राईडी० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जालंधर

जालंधर, विनांक 20 नवम्बर 1981

निवेश सं. ए. पी. 2875—यतः, मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो इन्डस्ट्रीयल
एरिया, दादा केलनी, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावृक्ष
में अनुसूची में और पर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्दे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घाविक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के बिंदु तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृह किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
फर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व (1) की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतम सिंह, डलवीर सिंह पत्र शाम सिंह, वासी
एन.एन. 507, गोपाल नगर, जालंधर।
(अन्तरक)
2. इन्द्रजीत सिंह, पत्र कृष्णल सिंह, वासी एस-197,
इन्डस्ट्रीयल एरिया, जालंधर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायदादियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होता है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7560 विनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जालंधर

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निर्देश स. ए. पी. 2876—यतः, मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संखा की लिखा है तथा जो
महेश्वरी स्ट्रीट काटकपुरा में स्थित है (और इससे उपावदध में
अनुसन्धी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का
पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए

1. श्री अर्जन दाम पूँछ हरब्यारी लाल मार्फत एम. एस.
हरदुबारी लाल तारानन्द, कलाथ मर्चन्ट्स, कोटक-
जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरनाम कौर पत्नी साधु मिंह मार्फत एम.
एस., भगवान सिंह साहन सिंह, कमिशन एजेंट,
कोटकपुरा, जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति भर हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्दूच्छी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4405, दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

सक्षम प्राधिकारी
जे. एस. आहलवालीया
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख : 20-11-1981
माहूर :

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधात् :—

प्रस्तुप् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवेशी सं. ए. पी. 2877—यतः मुझे, जे. एस.
आहलूवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो महेश्वरी
स्ट्रीट कोट कपुरा में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा की रूपीयता;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री अर्जन दास पुत्र हरद्वारी लाल मार्फत एम. एस.
हरद्वारी लाल तारा चंद, कलाथ मरचेन्ट्स, कोट
कपूरा ज़िला फरीद कोट।
(अन्तरक)

2. श्री भगवान सिंह नारिन्दर सिंह पुत्र सरूप सिंह मार्फत
नारिन्द्र सिंह एण्ड कंपनी, कलाथ मरचेन्ट्स, कोट
कपूरा, ज़िला फरीदकोट।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्येप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4406 दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

जे. एस. आहलूवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जालंधर

तारीख : 20-11-1981
मुद्रित :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन०, एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निदेश सं. ए. पी. 2878—यतः मूर्ख, जे. एस. आहलवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन नक्तम प्राधिकारी को, यदृचित्वात् करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो महेश्वरी
म्हूरीट कोट कपूरा में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्ष (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के
बिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः, यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः —

(1) श्री अर्जन वास पुत्र हरदुबारी लाल मार्फत एम. एस.
हरदुबारी लाल तारा घंव, क्लोथ मर्चेन्ट्स, कोट
कपूरा जिला फरीद कोट।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती वरिन्द्र काँसे पत्नी करम सिंह मार्फत एम./
एस., सुजान सिंह, मंहर सिंह, क्लोथ मर्चेन्ट्स,
गूरबुआरा बाजार, कोट कपूरा, जिला फरीदकोट।
(अन्तर्क)

(3) जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके द्वारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजगत में प्राप्तान की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजगत में प्राप्तान की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रगोद्धाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4407 विनाक मार्च,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 20-11-1981
मंहर ६

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. पी. 2873—यतः मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ऐमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि थायपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नतित्त्व उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुमति
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तिलक राज पुत्र बाबू लाल वासी ई जे-201-
चहार बाग, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री जै मित्तल, कमल मित्तल पुत्र आमे प्रकाश व.
विक्रम मित्तल तथा विशाल मित्तल पुत्र श्री कुलभूषण,
वासी सदर बाजार, जालंधर छावनी।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुक्षी रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8385, दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 20-11-1981
मोहर :

प्रह्लाद आदि डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जालंधर
जालंधर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए. पी. नं. 2881—यतः मुझे, आर.
गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हड्डे किसी आय वाली वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ५—

15-386GI/81 .

1. श्री बोल दास पुष्ट श्री अत्तर सिंह, वारी 199,
जादर्दा नगर, जालंधर।
. (अन्तरक)
2. श्री दी वीर नगर को. आ. हाउस बिल्डिंग सोसायटी
लि. (रजिस्ट्रेड) जालंधर द्वारा श्री ए. एस. डी.
जैन (प्रेसीटेन्ट) भैरों बाजार, जालंधर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और सोसायटी के सभी सदस्य।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर पर्याप्ति में हितबद्ध किसी
प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7779, दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा
गया है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जालंधर

तारीख : 25-11-1981

मोहर :

प्रलेख आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा० भारा०
269-व (1) व प्रधीन सूचा।

भारा० सरकार

कार्यालय, संशोधन व्यायाम प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निवेद्य न. ए. वी न 2882—यत् मुक्ते, आर.
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन लक्ष्यम् अधिकारी को इह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर मंपति विषय विवाह वारा रुपा० 2,5,000/-
इ० से अधिक है।

जौर जिसकी ये जेंदा कि अनुमूल्यी में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपादान अनुमूल्यी में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घय इन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पौर मृगे प्रह विषयाम इन
का कारण है कि यथापूर्वक संपति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान पतिफल से, ऐसे दृश्यमान निकाल का अन्तर
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तराल) और अन्तरिती
(अन्तरदितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वाचिक इा० में नाथन इ० निः । गा० ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाजा० उक्त अधि-
नियम के भवान कर देने के मन्त्रक के दायित्व में कमी
करन वा उसमें वर्धन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी घन वा अन्य भान्तियों
से, जिन्हे भारतीय आयकर प्राविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रभृत नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः धब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कवेल दास पूर्ण श्री असर सिंह, वासी 199,
आदर्श नगर, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. दी वीर नगर को. आ. हाउस डिल्लिङ सोसायटी
लि. (रजिस्टर्ड) जालधर द्वारा डा. एस. डी.
जैन (प्रैसीडेंट) भैरों बाजार, जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्त न. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और सोसायटी के सभी सदस्य।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्त उक्त के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

हालांकि :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो इन अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रमुक्ति

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न. 7892, दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकरी अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जालन्धर

तारीख : 25-11-1981
मोहर :

प्रंगण आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजू, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2883—पतः मुर्ख, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाँचाल 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मांति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायदृश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

फो पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का तारंग है कि प्रथापूर्वक मांति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ने दिया है और प्रत्यारुप (पन्द्रहों) प्रीर प्रत्यारुप (प्रत्यन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित उत्तरण ये उक्त प्रत्यारुप निवित में वास्तविक रूप में नहिं नहीं फिरा गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन करदौ के अस्तरके वायित्व में कमी करने या उक्त बवाने में दुष्प्रिया के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी भन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्योजनार्थ प्रत्यन्तिरित द्वारा प्रकट नहीं फिरा गया था या किसी जाता वाहिए था, छिपाने में दुष्प्रिया के लिए;

*पतः अब, उक्त प्रतिनियम, सो नामा 269-ए न प्रत्यवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान :—

1. श्री केवल दास पुड्र श्री अत्तर सिंह, वासी 199, आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दी वीर नगर को. आ. हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि. (रजिस्टर्ड) जालन्धर द्वारा डा. एस. डी. जैन (प्रैमिडेन्ट) भैरों बाजार, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्तर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और मासायटी के सभी सदस्य।
(वह व्यक्ति, जिनके दारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वान्तर सम्पत्ति के अधीन के लिए कायेवादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बद्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इन दूरा के राजाव ने प्रकाशन की नाराव से 45 दिन से प्रत्येक तारामंधी व्यक्तियों पर सूचना की जानी में 3। दिन की अवधि, जो भी अवधि वाइ में प्रकाश द्वारी दी, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों । ५ किमी बाहिर गारा;

(ख) दो दूरा के राजाव ने प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित ये किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त ग्रन्थ योरादो हाँ, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही अर्थ दोनों, जो उक्त प्रकाश में देगा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8332, दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर. गिरधर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजू, जालन्धर

तारीख : 25-11-1981

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2884—यतः मुझे, आर.
गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबृथ अन्सूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृत्ति था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केवल वास पूर्ण श्री ब्रह्मर सिंह, वासी 199,
आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दी बीर नगर को. आ. हाउस लिलिंग सोसायटी
लि. (रजिस्टर्ड) जालन्धर द्वारा डा. एस. डॉ.
जैन (प्रैसीडेन्ट) भैरों बाजार, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त प्रति नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और सोसायटी के सभी सदस्य।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्वाँ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि लिखा नं. 8345, दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 25-11-1981
मोहर :

पूर्ण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए. पी. नं. 2885—यतः मुझे, आर.
गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन मध्य प्राधिकारी को, यत्र विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और

जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1981
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अत्यरक्त (पश्चरक्त)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के सिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पश्चरक्त से तुर्हि किसी धा. की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन बर देने के अत्यरक्त के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) देसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थं प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, तिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री केवल दास पूर्ण श्री अत्तर सिंह, वासी 199,
आदर्श नगर, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. दी बीर नगर को. आ. हाउजस बिल्डिंग सोसायटी
लि. (रजिस्टर्ड) जालन्धर ब्वारा डा. एस. डी.
जैन (प्रैसिडेन्ट) भौरों बाजार, जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और सोसायटी के सभी सदस्य।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में 'अधोहस्ताक्षरी
जानता है' कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन तक प्रधान, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उप अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 252, दिनांक
अप्रैल, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
गया है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, जालन्धर

तारीख : 25-11-1981
मोहर :

प्रकृप प्राइंट टॉ. एन. एस.---
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए. पी. नं. 2886—यतः मुझे, आर.
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

मिर जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
6) के अधीन, अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरात की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
फल है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) ने बीच ऐसे प्रत्यरोपण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य गे उक्त अन्तरण
नियम में व्यापक रूप से नियन्त्रित हो गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव दी बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिरा ने कर्मा करने पा उसका बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी नियमों द्वारा दी गयी व्यवस्था के अन्तरण
को, जिन्हें भारतीय आप-हर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्वरितो द्वारा प्रकट गहो किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने प
क्षमिता दी।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केवल दास पूजा श्री अत्तर सिंह, बासी 199,
आर्वां नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दी वीर नगर को. आ. हाउस बिल्डिंग सोसायटी
लि. (रजिस्टर्ड) जालन्धर द्वारा डा. एस. डी.
जैन (प्रैसीडेन्ट) भैरों बाजार, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और सोसायटी के सभी सदस्य।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीक्षित जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई सी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजनन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित जालन्धर के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 323, दिनांक
अप्रैल, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
गया है।

आर. गिरधर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-11-1981

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2887—यतः मुझे, आर.
गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, अप्रैल 1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाजार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ३--

1. श्री केवल दास पूज श्री अत्तर सिंह, वासी 199,
आदर्श नगर, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. दी वीर नगर को. आ. हाउस बिल्डिंग सोसायटी
लि. (रजिस्टर्ड) जालन्धर बाजार डा. एस. डी.
जैन (प्रैसीडेंट) भैरों बाजार, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और सोसायटी के सभी सदस्य।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 446, दिनांक
अप्रैल 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जालन्धर

तारीख : 25-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप. आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2888—यतः मुझे, आर.

गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालंधर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूरा
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

लक्षण वाले, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमानः—

1. श्रीमती सत्येन्द्र कार बेटी श्री महर सिंह दुवारा
जनरल बटोरी थी करतार सिंह पुत्र किपा सिंह,
वामी 89, न्यू ग्रेन बार्किंग, जालंधर।

(अन्तरक)

2. दी वीर नगर को. आ. हाउस बिल्डिंग सोसायटी
लि. (रजिस्टर्ड) जालंधर दुवारा डा. एस. डी.
जैन (प्रैसीडेंट) भरों बाजार, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और सोसायटी के सभी सदस्य।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्राप्तसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7944, दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा
गया है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 25-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एल. एल. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निवेद्या नं. ए. पी. नं. 2889—यतः मर्फ़, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबृष्ठ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1981

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिक्षेप अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घोषणां से उक्त अन्तरण लिखित में द्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कठी करने या उत्तरे बदले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः :—

16-386GI/81

1. श्रीमती सत्यंत कार बेटी श्री मंहर सिंह द्वारा जरनल अटार्नी श्री करनाल गिर्ह पद का पाया गया है, वामी 89, न्यू ग्रेन मानोंट, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. द्वी शीर नगर को. आ. हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि. (रजिस्टर्ड) जालन्धर द्वारा डा. एम. ए. जैन (प्रेमीडेन्ट) भैरों बाजार, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. और सोसायटी के सभी सदस्य।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेण नं. 445, दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धरतारीख : 25-11-1981
माहे.

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए. पी. नं. 2890—पत. सभ्य, आर.
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, मार्च 1981
को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि वयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़द्दहु प्रतिशत से
प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
नदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानुरूप
बन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशासा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवर्त्त :—

1. श्री हेन्दर जीत सिंह पुत्र मेहर सिंह इवारा
जनरल अटोरनी श्री करतार सिंह पुत्र कृष्ण मिंह,
वासी 89, न्यू प्रेन मार्केट, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. दी बीर नगर को, आ. हॉउस बिल्डिंग सोसायटी
लि. (रिस्टडॉ) जालन्धर इवारा डा. एस. ई.
जैन (प्रेसीडेन्ट) भैरौ बाजार, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और सोसायटी के सभी सदस्य।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम
अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी धन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही
प्रबंध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा अवित्त जैसा कि विलेख नं. 8077, दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
गया है।

आर. गिरधर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25-11-1981

मोहूद :

प्रकल्प शाई० दी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2891—यतः मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
आरा 269-व (1) के प्रधीन सम्म प्रधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसने मं. जैसी कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जाल-
न्धर में स्थित है (और इसमें उपावदाह में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जाल-
न्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के नुश्यभान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान
प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिक्रिया से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रतिरोध के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के प्रतिरक्त के वायिल्ड में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बत या प्रत्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती आए प्रकट मही
किया गया था या किया जाना आहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रब उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-व (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अनुसारः—

(1) श्री हरवेंद्र सिंह पुत्र मोहर सिंह ब्वारा जनरल अटो-
रली श्री करतार सिंह पुत्र कृपा सिंह वारी 89,
न्यू ग्रेन मार्केट जालन्धर

(अन्तरक)

(2) दी. वीर नगर को. आ. हाउस बिलडिंग सोसायटी
लि. (रजिस्टर्ड) जालन्धर ब्वारा डा. एस. डी. जैन
(प्रैसीडेंट) भैरों बाजार जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर न 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और सोसायटी के सब सदस्य
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्थानीकरणः——इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेस नं., 8343 दिनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।।

आर गिरधर
सभम प्राधिकारी
सहायक आमुकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जालन्धर

तारीख : 25-11-81
मोहर :

प्रस्तुति बहुत दीपक पत्र, पृष्ठ 5
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्राप्ति बहुत

कार्यालय, राष्ट्रीय आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 25 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2892—पत्र. मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी म. जैमा कि अन्सूची में लिखा है, तथा जो जाल-
न्धर में स्थित है (और इसमें उपादान भूमि अन्सूची में और पूर्ण
रूप में छारित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जाल-
न्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम जो दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक स्पष्ट में कथित नहीं किया गया है। ---

(क) अन्तरण से हट्टे एकसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिलू
में कहीं करने वा उससे दूर ने में सूचिता के लिए।
आड़/वा

(ब) ऐसी एकसी बाय वा एकसी धम वा वस्तु जारीरकी
को, जिस्त भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था जिसने में
सूचिता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाषा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अनुदेश—

(1) श्रीमती अमर काँडे मोहर सिंह श्री करतार सिंह
पुत्र किंपा सिंह जनरल अटोरनी, 89, न्यू ग्रेन
मार्केट, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) दी बीर नगर को. आ. हाउस बिलिङ्ग सोसायटी
लिं. (रजिस्ट्रेड) जालन्धर द्वारा डा. एस. डी जैन
(प्रैसीफॉन्ट) भैरो बाजार जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर न. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और सोसायटी के सब सदस्य
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षर

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बहुत से कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के उपराने में प्रकाशन की तारीख 14
45 रिया की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
संघना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
बही बाय वा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवा
किसी बाय अवधि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पां
चिपत्र में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय
गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7777 दिनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

आर. गिरधर
सकार प्राधिकारी
उक्तका आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 25-11-81

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए. पी. नं. 2893—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी में जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जाल-
न्धर में स्थित है (और इससे उपादवध में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जाल-
न्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्षम से कठित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हटौर किसी आव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(इ) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तः :—

(1) श्रीमती अमर कांर बेटी महर सिंह द्वारा जनरल
-अटोरेनी श्री करतार सिंह पूर्व कृषा सिंह वासी,
89 न्यू ब्रेन मार्केट, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) द्वी वीर नगर को. आ. हाउस चिलडिंग सोसायटी
लि. (रजिस्ट्रेड) जालन्धर द्वारा डा. एस. डी. जैन
(प्रैसीडेन्ट) भैरों बाजार जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और सोसायटी के सब सदस्य
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलोम नं. 8404 दिनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

तारीख : 25 11-81
मोहर :

प्रलेप प्राईटी एन एस—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निवेशन ए पी न 2894—यत मर्भे, आर गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन ह पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रधिक है।

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जा जालन्धर में स्थित है (आर इराम उपायदूर्ध में अनुसूची में दौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और भुग्ते यह विवाद बाहरे का गारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त प्रबन्धना निखित में वास्तविक रूप से कृयित नहीं किया गया है।—

(6) प्रनारण में हुई किया गया की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(7) ऐसो नियम गत गतिया गत या प्रत्य ग्रास्तारों को, तिन्दे भास्त्रों आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) गत गतिया, गत धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ प्रत्यक्ष द्वाग प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अव, उक्त प्रधिनियम जा धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(1) श्री जसवत सिंह पूर्ण श्री महर सिंह द्वारा जनरल अटोरनी श्री करतार सिंह पूर्ण कृपा सिंह वासी 89, न्यू ब्रेन मार्कीट जालन्धर

(अंतरक)

(2) दी बीर नगर को आ हाउस बिलडिंग सोसायटी लि (रजिस्ट्रेड) जालन्धर द्वारा आ एस डी जैन प्रैसीडेंट) भैरो बाजार जालन्धर

(अतरिती)

3 जैसा कि उपर न 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और मासायटी के सब सदस्य
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पठों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7891 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर गिरधर

सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 25-11-81

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निदेश सं. ए. पी. नं. 2895—एस: मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं. जैमा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जाल-
न्धर में स्थित है (और इसमें उपायद्रव्य में अनुसूची में और पृष्ठ
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल 1981

को पर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल को
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (अन्तरकों) और अन्तर्गती
(अन्तरिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उसके बचाने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आवृत्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जसराज सिंह पुश्त्र मेहर सिंह द्वारा जनरल अटो-
री श्री करतार सिंह पत्र किया गिया वासी 89 न्यू
ग्रन रोड 5101, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) दी वीर नगर का. आ. हाउस बिनाड़िग मोसायटी
लि. (रजिस्ट्रेड) जालन्धर स्क्वार डा. प्ल. ब्लॉ. जैन
(प्रैसीडेंट) भैरों बाजार जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और मोसायटी के सब सदस्य

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि दिनांक अप्रैल,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया
है।

आर. गिरधर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैज, जालन्धर

तारीख : 25-11-81

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. नं. 2896—यह मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी संज्ञा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जाल-
न्धर में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध मा अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उक्त अधिकारी की शर्ह है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव-
किक रूप से कथित नहीं किया गया है;---

(1) श्रीमती भूषिन्द्र कौर बटी श्री महर सिंह इवारा जन-
गन अटोली श्री करतार सिंह पत्र किया सिंह वारी
89 न्यू ग्रेन मार्केट जालन्धर

(अन्तरक)

(2) दी वीर नगर को. आ. हाउस बिलडिंग सोसायटी
लि (रजिस्ट्रेड) जालन्धर इवारा डा. एस. डी. जैन
(प्रैसीडेंट) भैरों बाजार जालन्धर

(अन्तरिक्ती)

(3) जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और सोसायटी के सब सदस्य
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के लिए
निम्नलिखित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलोक्न नं. 7778 दिनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया
है।

अनुसूची

आर गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 25-11-81
माहर :

प्रकल्प घाई० डी० एन० एस०—
आपत्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निकेश नं. ए. पी. नं 2897—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जाल-
न्धर में रिक्त है (और इससे उपावदाव में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल 1981
को पूर्वोक्त राम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति जो उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल वे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अर अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के सिए
तथा याद गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी धार्य की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कमी करने पर उससे उच्चते में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाद्वारा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-प के
अनुवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-प की उपावारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

17-386GI/81

(1) श्रीमती भूपिन्द्र काँवर बेटी श्री मोहर सिंह द्वारा जन-
रक अदोरी करतार रिहं पूर्व श्री कृष्ण रिहं बासी
89, न्यू ग्रेन, मार्केट जालन्धर

(अन्तरक)

(2) दी वीर नगर को. आ. हाउस बिलिङ्ग सोसायटी
लि. (रजिस्ट्रेड) जालन्धर द्वारा आ. एस. डी. जैन
(प्रैसीडेंट) भौंती बाजार जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर न 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
(4) और सोसायटी के सब सदस्य
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्यद्वयी अविकारों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य अधिक द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपायकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में विवा
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 332 दिनांक अप्रैल,
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर. गिरधर
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 25-11-81
मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. नं. 2898—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकूल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वात्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बाबा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे उन्नते में पुनिया के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत,

(1) श्री बोध राज पुत्र असर सिंह उर्फ अतर चंद वामी सब्जी बण्डी, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री हरबंस नाल पुत्र हरी किशन य राजेश कमार पुत्र हरबंस लाल वासी केलाश कैमीकल इल्डस्ट्री, बस्ती बाबा खेल, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के प्रत्येक में कोई पो वाक्ये ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रबंधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलोख नं. 7555, दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

तारीख : 25-11-81

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एनो एसो—
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निवेश न. ए पी. 2899—यतः मूर्ख, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है।

और जिसकी संज्ञा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायदृढ़ में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने दुई हिसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन नहर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी पर्याप्त:—

- (1) श्री जसा राम पुत्र अतर सिंह वासी मोहन्ला करार
सां, जालन्धर
- (2) श्री रामेश चन्द्र नारण पुत्र निवास राए वासी:
238/1, उधम सिंह नगर, जालन्धर
- (3) जैसा कि ऊपर न 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाटेणः—

- (क) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरमावधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निवित में किए जा सकें।

स्वदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7965, दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जालन्धर

तारीख : 25-11-81
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

निवेदन नं. ए. पी. नं. 2900—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इषए से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्रण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उत्तरण से उक्त प्रमत्रण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमत्रक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; धौरण

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिम्में आरंभाय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं प्रत्यरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :---

(1) श्री जसा राम पुत्र श्री अत्तर सिंह बासी महल्ला करार
सां, जालन्धर

(अन्तरक)

(1) श्री कलाश चन्द्र पुत्र हरी किशन कैलाश कैमिकलज
इन्स्ट्रुमेंटी, बस्ती बावा बंल, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर न 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो अधिकारी सम्पत्ति में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
सायंकाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना भी तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों द्वारा पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7902 दिनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर. गिरधर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालन्धर

तारीख : 25-11-1981
माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निदश न. ए. पी. न. 2901—यह मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो नजदीक
दृष्टि वाला तलाज कपुरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कपुरथला में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्दह विभिन्न से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अधिकारी
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
मास्तीविक रूप से कीधत नहीं किया गया है :--

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विकास की धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

जहाँ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री इन्द्र सिंह जी. ए और श्रीमती हरबंस कार,
कपुरथला

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी श्री इन्द्र सिंह श्री हरबंस
सिंह पुत्र श्री कल्यान सिंह, कपुरथला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उक्त अधिनियम में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में राजि रखता है

(वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3639 दिनांक मार्च
1981 को राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपुरथला में लिखा है।

आर गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, जालन्धर

तारीख : 26-11-81
मोहर :

प्रसूप शाहै, टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निवेश न. ए. पी. नं. 2902—यतः मूझे, आर. गिरधर,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पासात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है।

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
 जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में अनुसूची में और
 पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
 जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पञ्चवृ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थं अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने से
 सुविधा के लिए;

यतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

(1) श्री हरभजन सिंह पुत्र जसवंत सिंह द्वारा जनरल
 अटोरनी श्री वरिन्द्र कुमार पुत्र श्री शिव लाल वार्स
 लक्ष्मीपुर जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लता अश्वाल पत्नी श्री रजिन्द्र कुमार वार्स
 155, अमन नगर टाडा रोड, जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकार

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेः:—

(क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से फिरी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद्धि किमो अवधि द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिमाणित
 हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न. 8209 दिनांक मार्च
 1981 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर. गिरधर
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 26-11-81

मोहर :

प्रखण्ड घाई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. नं 2903—यतः मः, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपबोद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्वेषित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
ग्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिकी (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में मन्दिर के
लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1)
रक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री जसवत सिंह बवारा श्री बीरस
कुमार पुत्र श्री शिव लाल, लक्ष्मीपुर जालन्धर अन्तर्राजी

(अन्तरक)

(2) श्री रजिन्द्र कुमार पुत्र श्री मांगे गम वामी - 155 -
अमर नगर, टांडा रोड, जालन्धर

(अन्तरिकी)

(3) जैसा कि उपर न 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिस के अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया मुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-व के परिमाणित
हैं, कहीं प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2180 दिनांक जून
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

आर गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जालन्धर

तारीख . 26-11-81
मोहर [:]

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए पी 2904—यतः मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जाल-
न्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में दर्थित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जाल-
न्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1981
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (1) श्री बोध राज पूर्ण अत्तर सिंह मण्डी, जालन्धर
(अन्तरक)
- (2) श्री वरोन्द्र कुमार पूर्ण परशोत्तम दाम व मरोजरानी
पन्नी परशोत्तम दाम वासी, जालन्धर।
(अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में की करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7539 दिनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी ने लिखा है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आर गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

मतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

तारीख : 26-11-81
माहूर :

प्रध्या नाहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 26 नवम्बर 1981

भद्रेश नं. ए. पी. 2905—बतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सकार आयिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर लंपटित घिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
जालन्धर में स्थित है (ओर इससे उपायवृधि में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किदा जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता
के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, म², उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 4---
19-386GI/81

(1) श्री अमृत लाल पुत्र बोध राज वासी 199, आदर्श
नगर, जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार पुत्र केवल कृष्ण व शुक्ला केपूर
९८८ कृष्ण कुमार चरणजीत पुरा, जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्तपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अबोध
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7860 दिनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

आर गिरधर
सक्तम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, जालन्धर

तारीख : 26-11-81

मोहर :

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 नवम्बर 1981

निदेश सं. आइ.ए.सी. (अर्जन)—अल. ग्राम, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कानून है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 513 है, तथा जो सराफा वार्ड जबलपुर में स्थित है (और इससे उपब्रूध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1981

को पर्याकृत सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में रु. 25,000 की दरी वाला, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा शक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सिंघर्स मोती लाल जैन निवासी रामल चौक,
जबलपुर (म. प्र.)

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाशचन्द्र ताम्रकार पत्र श्री रामनारायण ताम्र-
कार, जबलपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय कर्ता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्रूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

सराफा वार्ड जबलपुर में स्थित मकान नं. 513।

लिजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, भोपाल

तारीख 28-11-81

मोहर :

वर्त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षा:—

प्ररूप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निम्नें सं. सी. ए. 5/एस. आर. हवेली-2/अप्रैल 81/
543/81-82— यतः मुझे, शाशिकान्त कुलकर्णी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या सि. स. नं. 375 है तथा जो गुरुवार पटे,
पुणे-2 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्यम
निबंधक, हवेली-2 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में दार्शावक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धार्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहै था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वृष्टि :—

(1) (1) श्री मोहनलाल चूनीलाल शहा, (2) श्री भरत-
कुमार नानालाल शहा, (3) श्री शेलेशकुमार
मोहनलाल शहा, (4) श्री नितिनकुमार भरत-
कुमार शहा, आदि रा. 375, गुरुवार पटे,
पुणे-2।

(अन्तरक)

(2) श्री हस्तराज गुलाबचंद शहा, 375, गुरुवार पटे,
पुणे-2।

(अतिरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धि व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

इमारत जो सि. स. नं. 375, गुरुवार पटे, पुणे-2 में
स्थित है।

(जिसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 1354 जो जून, 81 को
दुर्यम निबंधक, हवेली-2 के दफ्तर में सिखा है।)

शाशिकान्त कुलकर्णी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रोड, पूना

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd December 1981

No. F. 22/81-SCA (G).—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays, during the year 1982.

Name of Holiday	Date & Month	Day of the week	No. of Days
Republic Day	26th January	Tuesday	1
Holi	8th March to 10th March	Monday to Wednesday	3
Mahavir Jayanthi	6th April	Tuesday	1
Good Friday	9th April	Friday	1
Id-ul-Fitr	23rd July	Friday	1
Janmashtami	12th August	Thursday	1
Dussehra Holidays	20th September to 24th September	Monday to Friday	5
Vijayadasami	27th September	Monday	1
Id-ul-Zuhra (Bakrid)	28th September	Tuesday	1
Mahatma Gandhi's Birthday	2nd October	Saturday	1
Diwali	15th October 16th October & 18th October	Friday Saturday & Monday	3
Moharram	28th October	Thursday	1
Guru Nanak's Birthday	1st November	Monday	1
Christmas Holidays	20th December to 31st December	Monday to Friday	12

By Order

R. NARASIMHAN
Registrar ((Admn.))

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 23rd November 1981

No. P/1977-Admn. III.—Consequent on his having been selected for appointment of deputation on foreign service terms to the post of Section Officer in the scale of Rs. 650—1200/- in Water and Power Consultancy Services (India) Limited the services of Shri D. S. Pahwa, Section Officer of the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission, are placed at the disposal of the Water and Power Consultancy Services with effect from the afternoon of 23rd November 1981. Shri D. S. Pahwa has accordingly been relieved of his duties in the Office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 23rd November 1981 with instructions to report to Shri A. D. Uppal, Section Officer, Water and Power Consultancy Services immediately thereafter.

The 2nd December 1981

No. A. 32013/3/79-Admn. I (Vol. II).—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number dated the 14th August, 1981, the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade I officer of the CSS cadre of UPSC, to officiate in the Selection Grade of the CSS as Deputy Secretary in the same office on an *ad hoc* basis, for a further period from 3-10-1981 to 6-11-1981.

Y. R. GANDHI
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th December 1981

No. PF/D-3/65-AD. V(Vol. IV).—Consequential of the expiry of re-employment period on 30-11-1981, Shri Des Raj relinquished charge of the Office of Superintendent of Police, CIU(B)/CBI, New Delhi on the afternoon of 30th November, 1981.

No. M-10/65-AD. V.—Shri M. L. Gupta, Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment while on deputation to the National Textile Corporation (UP) Limited, Kanpur, expired on 17-11-1981.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110022, the 28th November 1981

No. O. II 1608/81-Eatt.—The President is pleased to appoint Dr. Prem Pal as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a

temporary capacity with effect from the forenoon of 31-10-1981 subject to his being medically fit.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 27th November 1981

No. E-16014(1)/5/81-Pers.—On transfer on deputation, Shri K. D. S. Dullat, Commandant, CRPF assumed the charge of the post of Asstt. Inspector General (Fire) CISF HQs, New Delhi w.e.f. forenoon of 17th November, 1981.

SURENDRE NATH
Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 4th December 1981

No. 11/2/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri G. K. Verma, an officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations Bihar, Patna, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of the 20th December, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Verma will be at Gaya.

No. 11/72/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri B. S. Narasimha Murthy, Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, as Joint Director of Census Operations in the same office on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 3rd August 1981 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Murthy will be at Bangalore.

No. 11/40/81-Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion Shri P. N. Sinha, Investigator, in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of the 7th November, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Sinha will be at Patna.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The Services rendered by him on *ad hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next-higher grade. The above mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing Authority without assigning any reason therefor.

The 7th December 1981

No. A. 35012/6/81-Ad. II.—The Government of India have constituted a Coordination Committee in order to coordinate the preparations for the Third Asian Population Conference to be held at Colombo from 20 to 29 September, 1982. The composition of the Coordination Committee will be as follows:

(1) Secretary, Ministry of Home Affairs, New Delhi.	Chairman
(2) Member Secretary, Planning Commission, New Delhi.	Member

(3) Shri M.L. Kampani, Additional Secretary, Ministry of Home Affairs, New Delhi.	Member
(4) Director General, Central Statistical Organisation, Department of Statistics, New Delhi.	Member
(5) Shri R. Natarajan, Joint Secretary (Health), Ministry of Health & Family Welfare, New Delhi.	Member
(6) Registrar General & Census, Commissioner of India, New Delhi.	Member
(7) Secretary, Indian Association for the Study of Population, New Delhi.	Member

2. Secretarial assistance to the Committee will be provided by the Office of the Registrar General, India, New Delhi.

P. PADMANABHA,
Registrar General

New Delhi, the 4th December 1981

No. 10/20/79-Ad. I.—In this office Notification of even number dated the 31st October, 1981, for "from the afternoon of the of the 26th September, 1981" the following may be substituted "from the forenoon of 26th September, 1981."

K. C. SETH
Deputy Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 5th December 1981

No. Admn. I/O.O. No. 345.—The Director of Audit (CR), hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officer in the Scale of Rs. 840—1200/- with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl. No., name and Date of Promotion

1. S/Shri R. B.N. Saxena—From the date he returns from leave.
2. R. C Srivastava—30-11-1981 (FN).

Sd. ILLEGIBLE
Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 27th November 1981

No. Admn. I/8-132/81-82/385.—The Accountant General -I, Andhra Pradesh has been pleased to promote the following Section Officers in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders.

Name S/Shri	Date of assumption of charge
1. S. Lakshminarasiah	21-11-1981 F.N.
2. K. Raghunatha Rao	21-11-1981 A.N.
3. S. Srinivasan	20-11-1981 A.N.
4. B.S. Varadarajan	23-11-1981 F.N.

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

R. HARJHARAN,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 25th November, 1981

No. Estt. A. VII/9-86/Vol. II/230.—The Accountant General Kerala is pleased to appoint the undermentioned selection Grade Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from the dates shown against each until further orders :—

S/Shri

1. N. Rajasekharan Nair	21-11-1981
2. V. Ananthanarayana Sarma	23-11-1981
3. C.K. Kurien	21-11-1981
4. K.V. Balakrishnan	23-11-1981

D. SIVARAMAKRISHNA N
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 26th November 1981

No. 44/81/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri A. K. Nair, Offg. Assistant Manager/Subst. and Permanent Storholder retired from service with effect from 31st October, 1981 (A/N).

The 27th November 1981

No. 45/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Manager (Prob.) with effect from the dates shown against them until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of Joining
1.	Shri P. Rathnswamy	20-2-1981
2.	Shri S.G. Bharati	12-5-1981
3.	Shri Pankaj Chaturvedi	14-5-1981
4.	Shri S.K. Barari	10-6-1981
5.	Shri S.K. Chourasia	25-3-1981
6.	Shri Amar Singh	6-4-1981
7.	Shri B. Hariharan	4-5-1981

No. 46/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Ty. Assistant Manager with effect from the dates shown against them until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of joining
1.	Shri K.L. Das	11-5-1981
2.	Shri C. Vijayan	7-6-1981
3.	Shri R. Anantha	10-6-1981
4.	Shri S. James	26-6-1981
5.	Shri T.K. Pal	8-7-1981
6.	Shri T.N. Srikanthan	22-7-1981
7.	Shri J. Krishnan	28-8-1981

V.K. MEHTA
Asstt. Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 27th November 1981

No. Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri D. K. Goswami, Administrative Officer, Group 'B' as Executive Officer Group 'A' (Gazetted) in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in an *ad hoc* officiating capacity in this office w.e.f. 23-11-1981 (F.N.) till such time the post is filled by a regular incumbent.

D. GUPTA
Dy. Jute Commissioner

Calcutta, the 28th November 1981

No. Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints, Shri K. L. Roy, Stenographer in the scale of Rs. 550—900/- attached to Jute Commissioner as Administrative Officer Group 'B' Gazetted in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in an *ad hoc* officiating capacity in this office with effect from 25th November, 1981 (F.N.) until further order *vide* Shri D. K. Goswami promoted as Executive Officer.

D. K. GOSWAMI
Executive Officer

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 9th December 1981

No. A-1/1(1076).—The President has been pleased to appoint Shri R. B. Yadav, Assistant Director of Supplies (Grade II) to officiate as Assistant Director (Gr. I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 10-11-1981 for a period of six months or till the UPSC nominees become available, whichever is earlier.

2. Shri Yadav relinquished charge of the post of Asstt. Director of Supplies (Gr. II) and assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) in the Directorate of Supplies & Disposals, Kanpur with effect from the forenoon of 10-11-1981.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 9th December 1981

No. A-1/1 (968).—The President has been pleased to appoint the following Assistant Directors of Supplies (Grade II) to officiate as Assistant Directors (Gr. I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') on *ad-hoc* basis with effect from the dates mentioned against their names, for a period of six months or till the UPSC nominees become available, whichever is earlier :—

- (1) Shri A.K. Guha 7-11-81 (FN)
- (2) Shri S.K. Chattopadhyay 7-11-81 (FN)
- (3) Shri R.K. Ghosh 9-11-81 (FN)
- (4) Shri S. Chattopadhyay 7-11-81 (FN)

2. The above officers relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) and assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) in the Directorate of Supplies & Disposals, Calcutta with effect from the dates mentioned against their names.

No. A-1/1(1067).—The President has been pleased to appoint Shri B. A. Prabhakaran, Asstt. Director (Gr. II) to

officiate as Assistant Director (Gr. I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') on *ad hoc* basis with effect from 7-11-1981 (F.N.) for a period of six months or till the UPSC nominees become available, whichever is earlier.

2. Shri Prabhakar relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) and assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) in the Directorate of Supplies (Tex.), Bombay with effect from the forenoon of 7-11-1981.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STFEL & MINES

(DEPTT. OF STEEL)

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta 20, the 2nd December 1981

No. EI-2(3)/75(.).—The Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Atindra Kumar Nandy, Superintendent, on promotion to officiate in the post of Assistant Iron & Steel Controller in this office w.e.f. 1-12-1981 (F.N.).

S. N. BISWAS
Joint Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINFS)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 2nd December 1981

No. 75493/A-19012(Artist-AKG)/80-19A.—Shri Anil Kumar Ghose, STA(Photo), Geological Survey of India is appointed as Artist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 21-9-1981 until further orders.

The 4th December 1981

No. 4781D/A. 19012(Press. Op SR)/75-19A.—Shri Sujit Roy, Press Operator, Geological Survey of India has been released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 30th June, 1981 for joining the post of Asstt. Manager in the Surveyor General's Office, Dehra Dun retaining Q.P. status for a period of two years.

J. SWAMI NATH
Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 27th November 1981

No. C-5770/718-A.—The *ad hoc* appointment of Shri N. Ramaswami, Office Superintendent (Sr. Scale), C.S.T. & M.P., Hyderabad as Establishment and Accounts Officer in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad, notified vide this office Notification No. C-5730/718-A dated 16th June 1981, is extended for a further period of 4 days *vive* Shri K. V. Krishnamurthy, Establishment and Accounts Officer extended his leave.

No. C-5771/724-SOS(A).—Shri R. K. Rajamoorthy, Stores Assistant (Sel. Grd.) is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (G.C.S. Gr. 'B' post) in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad, on *ad hoc* basis, in the scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900/- with effect from 31st August, 1981 (A.N.).

The 28th November 1981

No. C-5769/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office (now on deputation as Map Curator) is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post), on *ad hoc* basis, in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with

effect from 3rd July, 1981 (A.N.) *vive* Shri M. S. S. Parve, Establishment and Accounts Officer, proceeded on leave.

K. L. KHOSLA
Lt. Genl.
Surveyor General of India
(Appointing authority)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 26th November 1981

No. A. 20012/13/75-E(H)-I.—The Chief Producer Films Division has appointed Shri A. Somasundaram, officiating Assistant Maintenance Engineer in the Films Division, Bombay to officiate as Maintenance Engineer in the same office with effect from 23-11-1981 (forenoon) *vive* Shri T. Krishnan proceeded on deputation to National Film Development Corporation, Bombay.

S. K. ROY
Assistant Administrative Officer
for Chief Producer

PRESS INFORMATION BUREAU

New Delhi-1, the 5th December 1981

No. A-12034/13/81-Estt.—The Principal Information Officer hereby appoints Shri Kshemendra Singh, Gr. 'C' Stenographer of CSSS cadre of the Ministry of Information and Broadcasting as Reporter (English) in the Press Information Bureau at New Delhi for a period of three months w.e.f. 15-9-1981.

M. M. SHARMA
Asstt. Principal Information Officer

DIRECTOR GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd December 1981

No. A. 19018/5/81-CGHS.I.—On transfer from Central Govt. Health Scheme, Delhi to E.S.I.C., Dr. M. B. Singh, Ayurvedic Physician relinquished charge of the post of Ayurvedic Physician under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the afternoon of 30-9-1981.

T. S. RAO
Dy. Director Adminn. (CGHS.I.)

New Delhi-11, the 5th December 1981

No. 6-57/80-DC.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Chakraborti (Associate Pharmaceutical Chemist) Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Senior Scientific Officer (Reference Standard) in the same laboratory with effect from the forenoon of 2nd November, 1981 on an *ad hoc* basis and until further orders.

Shri R. P. Chakraborti relinquished charge of the post of Associate Pharmaceutical Chemist on the same day.

No. 6-57/80-DC.—The President is pleased to appoint Shri A. C. Dasgupta (Associate Pharmaceutical Chemist), Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Senior Scientific Officer (National Survey of Quality of Essential Drugs) in the same laboratory with effect from the forenoon of 2nd November 1981 on an *ad hoc* basis and until further orders.

Shri A. C. Dasgupta relinquished charge of the post of Associate Pharmaceutical Chemist on the same day.

No. 6-57/80-DC.—The President is pleased to appoint Dr. P. G. Ray Technical Officer (Bacteriology), Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Senior Scientific Officer (Microbiology) in the same laboratory with effect from the forenoon of 2nd November, 1981 on an *ad hoc* basis and until further orders.

Dr. P. G. Ray relinquished charge of the post of Technical Officer (Bacteriology) on the same day.

SHIV DAYAL
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 8th December 1981

No. A. 12025/12/79(CR1)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. N. Gowal to the post of Veterinary Assistant Surgeon at the Central Research Institute, Kasauli in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 4th November, 1981, and until further orders.

T. C. JAIN
Deputy Director Administration (O&M)

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400 085, the 30th November 1981

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Naik Jayant Vishwanath, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960/-) in this Research Centre on an *ad hoc* basis for the period from 15-10-1981 to 21-11-1981 (AN).

No. PA/79(4)/80-R-III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Jitendra Rangnath Karnik, Assistant Personnel Officer, to officiate as Administrative Officer II (Rs. 840—1200/-) in this Research Centre on an *ad hoc* basis for the period from 15-10-1981 to 21-11-1981 (AN).

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 5th December 1981

No. D/1275/R5/Est. I/3870.—Director, Bhabha Atomic Research Centre is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri Dattatraya Gajanan Deshpande a temporary Scientific Officer-Grade SB in the same Research Centre with effect from 5-10-1981 AN

Kum. H. B. VIJAYAKAR
Deputy Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NUCLEAR FUEL COMPLEX**

Hyderabad-500762, the 2nd December 1981

No. NFC/Admn. VIII/0071/81/761.—Shri M. Balakrishnan, Asstt. Personnel Officer, NFC has retired from Government Service with effect from the afternoon of November 30, 1981, on attaining the age of superannuation.

P. GOPALAN
Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 30th November 1981

No. AMD-8/1/81-Rectt.—In supersession of this office Notification of even number dated October 29, 1981, Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri J. K. Sharma, Permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant in the Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on *ad-hoc* basis with effect from 22-8-1981 to 24-11-81 vice Shri D. S. Israni, Assistant Accounts Officer, promoted as Accounts Officer-II.

No. AMD-8/1/81-Rectt.—In supersession of this office Notification of even number dated October 29, 1981, Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri D. S. Israni, permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer in the Atomic Minerals Division, to officiate as Accounts Officer-II in the same Division on *ad-hoc* basis with effect from 22-8-1981 to 24-11-1981 vice Shri K. P. Sekharan, Accounts Officer-II promoted as Accounts Officer-III.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd December, 1981

No. A. 32014/1/81-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each:

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	S/Shri Tirath Singh Rekhi	ACS, Nagpur	ACS, Bhopal	31-10-81 (FN)
2.	S.K. Chaterjee	ACS, Mohanbari	ACS, Calcutta	10-10-81 (FN)
3.	I. Sarkar	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	1-10-81 (FN)
4.	A.K. Mutsuddi	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	1-10-81 (FN)
5.	B.C. Ghosh	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	1-10-81 (FN)
6.	D.N. Kundu	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	3-10-81 (FN)
7.	B.N. Bhattacharjee	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	12-10-81 (FN)
8.	Sukumar Chanda	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	12-10-81 (FN)
9.	K. Subramanian	ACS, Madras	ACS, Madras	1-10-81 (FN)

No. A. 38013/1/81-EC.—The undermentioned four officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on dates and at stations indicated against each:

Sl. No.	Name & Designation	Station of posting	Date of retirement
1.	S/Shri B.M. Barari, Sr. Comm. Officer	ACS, Calcutta	30-9-81 (AN)
2.	G.K. Guha Roy, Asstt. Comm. Officer	ACS, Calcutta	30-9-81 (AN)
3.	H.P. Nandi, Asstt. Comm. Officer	ACS, Calcutta	30-9-81 (AN)
4.	P.R. Banerjee, Asstt. Comm. Officer	C.A.T.C., Allahabad	31-10-81 (AN)

PREM CHAND,
Assistant Director (Admn.)

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay-II, the 28th November, 1981

F. No. II/3E-6/80.—The following Senior Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as officiating Superintendents of Central Excise, Group 'B', in the Collectorate of Central Excise, Bombay-II, with effect from the dates shown against their names.

Sr. No.	Name	Date of assumption of charge
1	2	3
1.	Shri Masjid A. Kunju	27- 8-1981 A.N.
2.	Shri Kanekar P.S.	31-10-1981 F.N.
3.	Shri Kulkarni N.G.	31-08-1981 F.N.
4.	Shri Mehta S.D.	31-08-1981 F.N.

1	2	3
5.	Shri Raml A.N.	28-08-1981
6.	Shri Mangtari B.H.	06-10-1981
7.	Shri Bhandare Y.S.	29-08-1981
8.	Shri Khedkar V.D.	31-08-1981
9.	Shri Singh Subedar Sadhusing	31-08-1981
10.	Shri Meer Hasan Abdul	04-11-1981
11.	Shri Dongaonkar R.H.	03-10-1981
12.	Shri Bendigiri N.V.	31-10-1981
13.	Shri Bakhrus K.G.	28-08-1981
		A.N.

F. No. II/3E-6/80.—Shri M. V. Joshi, Office Superintendent, on *ad hoc* promotion assumed charge as Administrative Officer of Central Excise, Group 'B', in Bombay Central Excise Collectorate-II, with effect from 15-10-1981 forenoon.

F. No. II/3E-6/80.—The following Group 'B' Gazetted Officers (Administrative Officers/Superintendents) in the Collectorate of Central Excise Bombay-II have retired on superannuation in the afternoon of the dates shown against their names :—

Sr. No.	Name & Designation	Date of Retirement
1.	Shri R.S. Desai Administrative Officer.	30-09-81
2.	Shri G.P. Shenvi Superintendent.	30-09-81
3.	Shri G.B. Waingankar Superintendent.	31-10-81

V. K. GUPTA,
COLLECTOR
Central Excise, Bombay-II

Bombay-I-400 020, the 5th December 1981

No. II/3E(a)2/77.—The following Group 'B' Gazetted officers (Supdts/Admn.) Officers in Bombay-I Central Excise Collectorate have retired on Superannuation/Voluntarily on the dates shown against their names.

Sr. No.	Name and Designation	Date of Retirement
1.	Shri S.K. Makhijani, Suptd. (Voluntarily)	1-3-81
2.	Shri B.A. Naronha, Supdt.	30-4-81
3.	Shri N.K. Rana, A.O.	30-6-81
4.	Smt. R.N. Gidwani, A.O. (Voluntarily)	1-8-81
5.	Shri V.S. Karande, A.O.	30-9-81
6.	Shri R.Y. Jayade, Supdt.	30-9-81
7.	Shri U.R. Vasudeo, Supdt.	31-10-81

CORRIGENDUM

No. II/3E(a)2/77.—The name appearing against S. No. 3 in the Notification of the Collectorate of Central Excise, Bombay-I, issued under F. No. II/3E(a)2/78 dated 28-1-81 may be read as "N. M. Badkar," instead of "N. B. Badkar".

F. No. II/3E(a)2/77.—The following Selection Grade Inspectors have on Promotion assumed charge as officiating Supdts. Central Excise Gr. 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-I with effect from the dates shown against their names.

S. No.	Name	Date of assumption of Charge	3
1	2		3
1.	Shri K.B. Katti	30-6-81	F/N
2.	Shri A.R.M. Halday	25-8-81	A/N

19—386GI/81

1	2	3
3.	Shri R.M. Singh	29-8-81
4.	Shri S.R. Pilk	25-8-81
5.	Shri S.M. Hannamseth	31-8-81
6.	Shri H.H. Rao	31-8-81
7.	Shri M.N. Joshi	31-8-81
8.	Shri P.R. Urankar	31-8-81
9.	Shri V.G. Joshi	31-8-81

K.S. DILIPSINHJI,
Collector of Central Excise, Bombay-I

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 2nd December 1981

No. 22/4/81-Adm. I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the following officials, of the grade of Technical Assistant, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service with effect from the dates indicated against each in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, until further orders.

Sl. No., Name and Date of taking over charge

1. Shri Ravinder Kumar-II—4-11-1981 (FN).
2. Shri G. Sundresan—9-11-1981 (FN).

No. 22/4/81-Adm. I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following officials, of the grade of Technical Assistant, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service with effect from the dates indicated against each in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, until further orders :—

Sl. No., Name and Date of taking over charge

1. Shri S. K. Khera—26-10-81 (FN).
2. Shri R. A. Siddiqui—26-10-81 (FN).

The 3rd December 1981

No. 22/1/81-Adm. I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri Kuldip Singh-I, Supervisor to the grade of extra-Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority with effect from the forenoon of the 1st October, 1981, in an officiating capacity, until further orders.

S. BISWAS
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/S. Metchem India Private Limited.*

Cuttack, the 28th November 1981

No. 50/578/4242(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Metchem India Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

J. N. SEN SARMA
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Frigillators Private Ltd.*

Bangalore, the 3rd December 1981

No. 2648/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Frigillators Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 4th December 1981

No. F. 48-Ad(AT)/81.—Shri R. K. Ghosh, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of three months with effect from 6th August, 1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/81, (I), dated 27-8-81, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of 2 months with effect from 6th November, 1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri R. K. Ghosh, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA
President

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
PUNE-411 001**

Pune-411 001, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Haveli II/April 81/543/81-82.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. S. No. 375 situated at Guruwar Peth, Pune-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Haveli II on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Mohanlal Chunilal Shaha
2. Bharatkumar Nanalal Shaha
3. Saileshkumar Mohanlal Shaha
4. Nitinkumar Bharatkumar Shaha
All at 375, Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

- (2) Hansraj Gulabchand Shaha,
375, Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 375 situated Guruwar Peth, Pune-2.

(Property as described in the Sale Deed registered under document No. 1354 in the office of the S. R. Haveli-II on April 1981).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) 1. M/s Ornamental Plants Pvt. Ltd. Bombay-20 &
2. Pratibha & Gopika d/o Dilip Dahanurkar,
Bhurch Gate, Bombay-20.
(Transferor)

(2) M/s. Rachana Development & Construction Co.,
Vilc Parle, Bombay-57.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR,
NAGPUR.

Nagpur, the 22nd October 1981

F. No. IAC. ACQ/178/81-82.—Whereas I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land Gat No. 711 & 713 Adm. 1 Acre, 32 guntha & 7 Acre 17 Guntha at Village, Chikalthana, Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Aurangabad on 24-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Non-Agricultural land bearing Gat No. 711 & 713 admeasuring an area of 1 acre 32 gunthas & 7 acres and 17 gunthas situated at village chikalthana, Aurangabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. M. KHER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-10-81
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D. C. Johar & Sons (P) Ltd.,
79, Appuswamy Naidu Layout,
Red Fields, Coimbatore-641010.
(Transferor)

(2) M/s. Sealord Hotel Private Limited,
XXXVIII/214-1, Market Road, Ernakulam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAAR,
ERNAKULAM
CACHIN-682 016

Cochin-682 016, the 16th May 1981

Ref. L.C. No. 509/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, havlng a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 30th April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

13 1/8 cents of land with seven storeyed building in Sy. No. 2291 and 2290 in Ernakulam Village.

V. MOHANLAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16th May, 1981.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad-380 009, the 26th September 1981

Ref. No. P.R. No. 1184 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. T.P.S. 3, Final Plot No. 101 situated at Behind Laxmi Society, Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 6-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Nanubhai Chaturbhaji & others;
Through : Power of Attorney Holder;
Shri Kiritkumar Jasbhai Patel;
Mota Adadh, Anand, (Transferor)

(2) Giriraj Coop. Housing Society;
through : Chairman :
Shri Arvindbhai Bhikhabhai Shah;
Ambika Society, Anand. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing Final Plot No. 101, TPS. 3, Anand and as fully described as per sale deed No. 768 registered in the Office of Sub-Registrar, Anand on 6-4-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date : 26th Sept., 1981,
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri Saidar Singh,
S/o Atma Singh, Governorpetta, Vijayawada,
(Transferor)
- (2) Smt. Uttamjit Kaur, Managing Partner,
M/s. Standard Tyre & Motors, Prakasam Rd.,
Governorpetta, Vijayawada-520 002.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 29th September 1981

Ref No. RAC. No. 40/81-82 Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 27-6-28 situated at Governorpetta Vijayawada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on April, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Property bearing Door No. 27-6-28 Block No. 8 NTS, 315—Asst. No. 6468-Prakasam Road, Governorpetta, Vijayawada was registered with the SRO, Vijayawada during the month of April, 1981 vide document No. 3150/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-9-81.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri N. Devi Prasad,
At/P.O. Rayagada, Dt. Koraput.

(Transferor)

(2) M/s. Straw Products Ltd.,
At/P.O. Jaykaypur, Dt. Koraput.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
VRINDAVAN, GANGANAGAR,
UNIT-IV, BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 13th August 1981

Ref. No. 2/81-82/IAC(A/R)/BBS.—Whereas, I P. K. MISHRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 467 situated at Rayagada, Dt. Koraput (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rayagada on 20-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Holding No. 9/680 and 9/686 in Ward No. 9 of Rayagada Municipality and land area being Ac. 1.92 acres.

P. K. MISHRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhubaneswar

Date : 13-8-81.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
VRINDAVAN, GANGANAGAR,
UNIT-VI, BHUBANESWAR.**

Bhubaneswar, the 4th November 1981

Ref. No. 5/ACQ/R/81-82/BBS.—Wheeras, I. P. K. MISHRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2759 situated at Plot No. 51, Unit-7, Bhubaneswar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhubaneswar on 21-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Birendra Kumar Acharya, S/o Late Chintamani Acharya, Plot No. 51, Unit-7, Suryanagar, Bhubaneswar.

(Transferor)

(2) Shri Bijoy Kumar Acharya, S/o Birendra Kumar Acharya, Plot No. 51, Unit-7, Bhubaneswar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 51, Unit-7, Suryanagar, Bhubaneswar, land with building.

P. K. MISHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—386GI/81

Date : 4-11-81,
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW**

Lucknow, the 29th October 1981

Ref. No. G.I.R. No. S-219/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

223, Civil Lines, situated at Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 30-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Bareilly College Staff Co-operative Housing Society Ltd., Bareilly, Through Shri S. P. Saxena, President Prof. K. G. Kamthan, Secretary. (Transferor)
- (2) 1. Shri Shamim Ahmad s/o Mohd. Ishaq.
2. Smt. Chand Shamim w/o Shri Shamim Ahmad. (Transferee)
- (3) Above transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 223, including entire building and land, situated at 223, Civil Lines, Bareilly and all that description of the property which is mentioned in the Form 37G No. 3325 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 30-4-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 29-10-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1981

Ref No. G.I.R. No. P-88/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-167/A,

situated at Shanker Enclave, Nirala Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Triyugi Narain Saigal. (Transferor)
- (2) Shri Purshottam Kumar Agarwal. (Transferee)
- (3) Shri Triyugi Narain Saigal. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Leasehold plot No. B-167/A measuring 644.68 sq. mtrs. (6939 sq. ft.) situate at Shanker Enclave, Nirala Nagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 2577/81 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 20-4-1981

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 20th November 1981

Ref. No. G.I.R. No. A-104/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Mohalla Latt Kallan, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 14-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. S/Shri Raj Rajeshwar Swaroop
2. Praveen Kumar
3. Ashok Kumar.
(Transferees)
- (2) 1. Abdul Sattar Beg.
2. Abdul Mannan Beg.
(Transferees)
- (3) 1. Ashraf
2. Bindo
3. Rajab Ali
4. Idu }
} Tenants;
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house including freehold land measuring 5520 sq. ft. situated at Mohalla Latt Kallan, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2449, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 14-4-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 20-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS(1) Shri Ashraf Saikia, Old Circuit House Road.
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
**ACQUISITION RANGE,
SHILLONG**

Shillong, the 29th August 1981

Ref. No. A-251/81-82/JRT/426-35.—Whereas I, E. J. MAWLONG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 966, P. Patta No. 389, Block 5,
situated at Assam Trunk Road, Jorhat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jorhat on 8-4-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Suresh Sarma,
Bamungaon, Charabari Mouza,
P.O. Jorhat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 7(Seven) Lochas 102 Sq. ft. with building thereon covered under Dag No. 966, P.P. No. 389 in Revenue Block No. V, situated at A.T. Road, Jorhat in the district of Sibsagar, Assam.

E. J. MAWLONG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-8-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(1) Shri Dr. Zakir Ahmed,
Rajamaidam, Jorhat.

('Transferor')

(2) Shri Prabhudayal Agarwalla &
Shri Shankarlal Agarwalla,
both ss/o Sri Tejaram Agarwalla,
Rajamaidan, Jorhat.

('Transferee')

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
SHILLONG**

Shillong, the 28th October 1981

Ref. No. A-252/81-82/JRT/604-15.—Whereas I, E. J. MAWLONG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 1792, P.P. No. 147, situated at Block No. 6, Jorhat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jorhat on 14-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1(one) Katha 7(seven) Lochas with building thereon covered under Dag No. 1792, P.P. No. 147 of Block No. 6 of Jorhat in the District of Sibsagar, Assam.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Shillong

Now, theretore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-10-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK**

Rohtak, the 12th November 1981

Ref. No. NGR/6/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2 K 13 M with building, situated at Naraingarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Naraingarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Hari Ram s/o
Shri Munshi Ram Dasondhi,
House No. 7001/4, Katal Majri,
Ambala City.

(Transferor)

(2) Shri Hari Krishan Bansal,
Shri Subhash Kumar Bansal,
s/o Shri Prithvi Nath Bansal,
s/o Shri Kalu Ram,
House No. 8986/5, Naya Bans,
Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Property being land measuring 2 K 13 M. with land at Naraingarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2280 dated 3-3-1981 with the Sub Registrar, Narsingarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 12th November 1981

Ref. No. HSR/96/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House on plot No. 6 Dabra Chowk,
situated at Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Karan s/o
Shri Brij Lal s/o Trilok Chan
r/o Dabra Chowk, Model Town,
Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Gopi Ram s/o Shri Baga Ram,
Smt. Prem Lata w/o Shri Gopi Ram
s/o Baga Ram,
r/o Ber P.O. Jhasal,
Distt. Ganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house on plot No. 6 at Dabra Chowk, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5945 dated 26-3-1981 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
D L F COLONY, ROHTAK**

Rohtak, the 12th November 1981

Ref No PNP/121/80 81—Whereas I, G S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Southern portion of house No 422-R, situated at Model Town, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Panipat in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Amal Nath Grover,
s/o Vishan Dass,
1/o House No 422 R Model Town,
Panipat

(Transferor)

(2) Shri Ram Narain Mittal s/o
Shri Sri Chand Mittal, r/o
265/W3, Ansar Chowk
Panipat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No 422 R, Model Town, Panipat (Southern portion) and as more mentioned in the sale deed registered at No 5714 dated 23-3-81 with the Sub Registrar, Panipat

G S GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —
21—386GI/81

Date 12-11-1981
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 12th November 1981

Ref. No. PNP/35/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Northern portion of house No. 422-R, Model Town, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Amar Nath Grover,
S/o Shri Vishan Dass,
r/o House No. 422-R, Model Town,
Panipat.

(Transferor)

(2) Smt. Anit Mittal, w/o
Shri Ram Narain Mittal,
r/o House No. 422-R, Model Town,
Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Property being northern portion of house No. 422-R, Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 638 dated 28-4-1981 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 12th November 1981

Ref. No. BGR/336/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority, under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building & land, plot No. 47, Sector 24, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Intecko International Engineers Company, K-10, South Extension Pat-2, New Delhi, through
 (i) Shri Gurdial Bilhotra, s/o Sawan Mal Bilhotra,
 (ii) Shri Ashok, Parddeep Bilhotra, ss/o Shri Gurdial Bilhotra.

(Transferor)

(2) Shri Bhajan Lal s/o Shri Gobind Ram, s/o Shri Piare Lal, r/o H. No. 1-B/33, New Township, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/2 portion of land & building on plot No. 47 Sector 24, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 11974 dated 5-3-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dina Nath, s/o
Shri Shahadram s/o Shri Gobinda Mal,
r/o House No. 121 Ward No. 9,
Panipat
(Transferor)

(2) Shri Ram Dia Mal s/o
Shri Siri Chand Aggarwal,
r/o 12-18 Gaoshala Mandi,
Panipat.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 12th November 1981

Rcf. No. PNP/122/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land & Building known as Laxmi Cold Storage, situated at Krishna Pura, Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land and building known as Laxmi Cold Storage, situated at Krishna Pura, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5661 dated 17-3-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Chand Sharma,
C/o. Punjab National Bank,
Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nanak Chand (Advocate),
Shri Virender Kumar,
Master Vikas,
House No. 1322, Urban Estate,
Sector-4, Gurgaon.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK**

Rohtak, the 12th November 1981

Ref. No. GRG/144/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing House No. 1322, situated at Sector-4, Urban Estate, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being House No. 1322 Sector-4, Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5266 dated 9-3-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 12th November 1981

Ref. No. NKR/23/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 8 kanal, situated at Nilokheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nilokheri in March, 1981 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bhojraj s/o Shri Gobind Ram, r/o House No. G-7, Kishan Basti, Nilokheri.

(Transferor)

(2) Smt. Raksha w/o Shri Madan Lal, r/o H. No. 50-G, Hospital Area, Nilokheri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 kanal, situated in the urban area of Nilokheri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1698 dated 10-3-1981 with the Sub-Registrar, Nilokheri.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK**

Rohtak, the 12th November 1981

Ref. No. JND/35/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 18 kanals situated at Village Jalalpur (Jind) (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jind in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhagwati w/o Shri Sugan Chand, s/o Shri Lal Radha Krishan Aggarwal, Jind, Now at Kaithal. (Transferor)
- (2) Shri Sunil Kumar Sharma, Shri Krishan Chander Sharma, Advocate, Jind. (Transferee)
- (4) Shri Gurbachan Singh, Shri Kishan Singh, Ward No. 12, House No. 285, Punjabi Gurudwara, Jind. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 18 kanal, situated in Village Jalalpur, Khurd, Tch. & Distt. Jind and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4562 dated 23-3-1981 with the Sub Registrar, Jind.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Avtar Singh s/o Sawan Singh,
r/o 14, 15 & 16, Gobind Nagar,
Ambala Cantt

(Transferor)

(2) Smt. Sarwan Kaur w/o Shri Mahal Singh
H. No. 3903 Ahata Khalik Bakash,
Ambala Cantt

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

**OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK**

Rohtak, the 12th November 1981

Ref. No. AMB/152/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 14, 15 & 16 with building,
situated at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being plot No. 14, 15 & 16 with building, Gobind Nagar, Ambala Cantt. and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5363 dated 6-3-1981 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Budh Sain s/o Jagdish Parshad,
s/o Shri Gopal Rai,
r/o 197 W-4, Panipat

(Transferor)

(2) Mrs. Sawantai Bharat Woollen Mills,
G T Road, Panipat,
Through Babu Ram Mittal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 12th November 1981

Ref. No. PNP/110/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 8 Bigha 3 Bishwa,
situated at Insaar Taraf, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 Bigha 3 Bishwa, situated at Taraf Insaar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5577 dated 13-3-1981 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—386GI 81

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Lalita Chowdhary,
w/o Shri Sudhir Kumar,
(Transferor)

(2) M/s. The Panipat Rolar Floor Mills,
Private Limited,
Panipat.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK**

Rohtak, the 12th November 1981

Ref. No. PNP/113/80/81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 bigha 12 biswa situated at Taraf Rajputana, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 12 bishwas, situated at Taraf Rajputana, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5386 dated 6-3-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1962)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 19th November 1981

Ref. No. GRG/34/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50A, situated at Koradacheri,

Factory building with land,
situated at Mahrauli Road, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Krishan Kumar s/o Shri Dayal Chandl, H. No. 588/13, Nai Basti, Gurgaon.
2. Shri Yog Raj s/o Shri Mangal Sain, H. No. 679, Nai Basti, Gurgaon-Chaoni. (Transferor)
- (2) M/s A. V. S. Brake Lining, Mahrauli Road, Gurgaon (through,
1. Shri Vijay Kumar s/o Shri P. N. Verma.
2. Shri Shamol Kumar Guha s/o Shri N. K. Gupta,
3. Shri Ashok Kumar Arora s/o Shri S. R. Arora,
4. Shri Kewal Satish Mahajan s/o Shri K. C. Mahajan.
5. Shri Sushil Kumar Mahajan s/o Shri K. C. Mahajan,
6. Shri Satish Kumar Vasudeva. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory shed building, Mahrauli Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1192 dated 13-6-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
D I F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 19th November 1981

Ref No. GRG/155/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 2, New Colony,
situated at Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Model Cooperative Goods Transport Society Limited, Gurgaon through Sardar Ravijit Singh Secretary, r/o 36-R, New Colony, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Sardar Trilochan Singh
s/o Sardar Sitian Singh, &
Smt. Mamta Soota
w/o Shri Rajesh Kumar Soota,
New Colony,
Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 2, New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5586 dated 31-3-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 19-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I T.N S —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
D L F COLONY, ROHTAK**

Rohtak the 21st November 1981

Ref No JND/34/80 81 -Whereas I, G S GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
Shop at Mandi,
situated at Jind

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jind in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Smt Ishwar Devi w/o
Shri Kishan Chand s/o
Shri Tirath Dass,
r/o Jind

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishan s/o
Shri Devi Datta,
Shop at Mandi, Jind

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being shop situated in Mandi, Jind and as more mentioned in the sale deed registered at No 4644 dated 30-3-1981 with the Sub Registrar, Jind

G S GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 21.11.1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY, ROHTAK**

Rohtak, the 21st November 1981

Ref. No. GRG/148/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 4 bigha 16 bishwa,
situated at village Sikanderpur Ghosi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Girdhari s/o Ram Sharai,
Village & P.O. Sikanderpur Ghosi,
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Bar Malt India Pvt. Ltd.,
Village & P.O. Sikanderpur Ghosi,
Teh. Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 16 bishwas, situated in village Sikanderpur Ghosi, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5430 dated 19-3-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 21-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s A. K. Chemical Industries,
C-3, Rama Partap Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Mohan,
s/o Shri Jagdish Ram,
19-D, Kamla Nagar,
Delhi-110007.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
D.I.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 21st November 1981

Ref. No. SPT/107/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory shed with land measuring 3 Kanals 11 marla, situated at Kundli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sonipat in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being Industrial Shed with land measuring 3 kanal 11 marla at Kundli and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4159 dated March, 1981 with Sub Registrar Sonipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
 D.L.F. COLONY, ROHTAK.

Rohtak, the 24th November 1981

Ref. No. HTN/3/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 10 kanal 11 marla, situated at Mandori (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Hathin in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Balwant s/o Shri Ganga Ram,
 r/o Mandori,
 Teh. Hathin.

(Transferor)

(2) M/s Fine Craft Private Limited,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 kanal 11 marla at Mandori, Teh. Hathin and as more mentioned in sale deed registered on 13-3-1981 with the Sub Registrar, Hathin.

G. S. GOPALA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Rohtak

Date : 24-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri G. M. Chandra Rao S/o Shri Martandappa
Gujjar, Vidyanganar, Davanagere.
(Transferors)
(2) Shri Prathviraj, partner M/s Suresh Raj Misrimal,
Metal Merchants, Channagiri Road, Bhadravati.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE
Bangalore-560001, the 13th October 1981

No. 365/81-82.—Whereas, I DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 41 & 42 situated at Kasaba Hobli, Jayadikatte village, Tal. Bhadravati, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhadravati under document number 94 on 9-4-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—386GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 94 dated 9-4-1981)
Coconut garden situated in the Kasaba Hobli Jayadikatte village, Bhadravati Taluka bearing survey No. 41 and 42. The garden measures 5 acres and 8 gunthas.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-10-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 28th November 1981

C.R. No. 62/30060/80-81/Acq.B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Corporation No. 317-318, situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, under document No. 4703/80-81, on 2-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Executors of the will of late Sri H. K. Veeranna Gowda.

- (1) 1. Sri S. Boranna, P. A. Holder of Dr. H. K. Mariappa, Desihalli, Maddur (Tq.).
2. Sri K. L. Shivalinga Gowda, Kadahalli, Kanakapura (Tq.).
3. Sri Manchegowda, M.L.A. Ankanathapura, Maddur (Tq.).

(Transferors)

- (2) Sri K. N. Rama Murthy, S/o Narasiappa, No. 229, India Milk Bar, Chikkapet, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 4703/80-81 dated 2-3-1981)
All that property bearing Corporation No. 317-318, situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-6.

Measuring 95' 6" x 70'

Main Building with Ground & I Floor and out houses with ground & I Floors.
Bounded by :

On

North—by private property.

South—by road.

East—by private property.

West—by road.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 28-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. C. Tejappa Lt. Gen. (Retd.) Coffee Planter Heroor Estate Siddapur P.O. Kodagu.
(Transferor)

(2) Mrs. Shanthi Bapanna Coffee Planter Podavad Village Madakera (Tq.) Kodagu.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560 001, the 28th November 1981

C.R. No. 62/32019/80-81/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 24/2, 24/4, 26, 27, 35, 36, and 47 situated at Karadigodu Village, Virajpet (To.), Kodagu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpet under Document No. 7701/80-81 on 30-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 7701/80-81 Dt. 30-3-1981)
All that pieces of Agricultural land bearing S. Nos. 24/2
24/4, 26, 27, 35, 36 and 47 situated at Karadigodu village,
Virajpet (Tq.) Kodagu.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 28-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE**

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 16/1 situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hazarilal Sitaram, R/o Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.
(Transerror)

(2) Shri Hazarikil Jain, (2) Shri Kailash Chand Amarsinh (Sindhiya), (3) Shri Shyam Babu Lalchand Agarwal, and (4) Smt. Anitha Devi Suresh Babu, R/o 52, Usha Ganj Main Road, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Land No. 16/1, Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-81
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rahamanul Khan S/o Irfan-ul-lab khan R/o
Shonkat Mahal, Bhopal.

(Transferor)

(2) Jameela Begum D/o Mumtaz Hussain, R/o Mumtaz
Manzil, Niyamatpura, Shahjahanabad, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE**

Bhopal, the 4th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 27 situated at Idgah Hills, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 23-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 27, bearing Kh. No. 28/1, at Idgah Hills, Bhopal, admeasuring 2400 Sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-81

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Shallendra Kishore S/o Narsingh Das Goyal,
R/o Bada Bazar, Vidisha.
(Transferor)

(2) Shri Ghanshuamdas S/o Tikamdas Goyal, R/o Bada
Bazar, Vidisha.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under the Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 21A & 21B situated at Hafizji Ki Gali, Bada Bazar, Vidisha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vidisha, on 30-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

House No. 21A & 21B situated at Hafizji Ki Gali, Ward No. 10, Bada Bazar, Vidisha.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gaugotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, In pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-81
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 2693 Sq. ft. situated at Bilaspur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 5-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Shri Sona Bai W/o Sudharam Sao, Vishya, R/o Juna Bilaspur-through Attorney Shri Raghunandan Prasad Sao S/o Sudharam Sao, R/o Juna Bilaspur. (Transferor)
- (2) Shri Amloksingh S/o Malik Singh Tuleja, R/o Dayalbandh, Bilaspur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot measuring 2693 Sq. ft. situated on main Road, Bilaspur, near Panchsheel Lodge, Bilaspur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-81
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 2168 Sq. ft. situated at Bilaspur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 5-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Soni Bai W/o Sudhoram Sao Vishya, R/o Juna Bilaspur through Attorney Shri Raghuandan Pd., Sao S/o Sudhoram Sao R/o Juna Bilaspur.
(Transferor)
- (2) Shri Jaswant Singh S/o Sohansingh Gumber, R/o Nawagarh-Teh. Bemetora, Durg.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 2168 Sq. ft. situated on main Road, Bilaspur, near Panchsheel Lodge, Bilaspur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 20-11-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 25/510 situated at Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 29-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sabjirao Angre, S/o Shri Chandrajirao Angre, R/o Sambhajivilas, Angre Ka Bazar, Lashkar Gwalior.
(Transferor)

(2) Shri Shashi Kumar Gupta, S/o Shri Motilal Gupta, R/o 11, Kanti Nagar, Station Road, Jaipur C/o Kailashchand Agrawal, Near High Court, Gwalior, Lashkar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 25/510, situated at Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—386GI/81

Date : 18-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Double storied House situated at Kajipura, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 19-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Hakim Afzal Hussain, Diler Bano Fatima Bai, Sakina Bai, Janab Bai, Asgar Hussain Sabir Hussain, Gulam Hussain, Nasima Bai, Habiba Bai, Johra Bai, Jabeda Bai, Masood Hasan, Ahmed Hasan, Mohdi Hasan, Ajab Bai & Sabira Bai Ali R/o Kajipura, Masjid Noorji Bohra, Bhopal.
(Transferees)

(2) Shri Banwari Lal Agrawal S/o Girdharilal Agrawal, R/o Chowk, Bhopal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of One double storied house situated at Kajipura, Near Masjid Noorji Bohra, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 4-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Double storied House situated at Kajipura, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 19-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Hakim Afzal Hussain, Diler Bano, Fatima Bai, Sakina Bai, Janab Bai, Asgar Hussain, Sabir Hussain, Gulam Hussain, Nasima Bai, Habiba Bai, Johra Bai, Jabeeda Bai, Masood Hasan, Ahmed Hasan, Mohdi Hasan, Ajab Bai and Sabira Bai All R/o Kajipura, Masjid Noorji Bohra, Bhopal.
(Transferors)

(2) Shri Banwarilal Agrawal S/o Girdharilal Agrawal, R/o Chowk, Bhopal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One double storied house situated at Kajipura, Near Masjid Noorji Bohra, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 4th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Double storied house (Portion) situated at Kajipura, Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 19-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . . .

(1) Hakim Afzal Hussain, Diler Bano, Fatima Bai, Sakina Bai, Janab Bai, Asgar Hussain, Sabir Hussain, Gulam Hussain, Nasina Bai, Habiba Bai, Johra Bai, Jaheda Bai, "Masood Hasan," Ahmed Hasan, Mohdi Hasan, Ajab Bai & Sabira Bai All R/o Kajipura, Masjid Noorji Bohra, Bhopal.
(Transferor)

(2) Shri Banwarilal Agrawal S/o Girdharilal Agrawal, R/o Chowk, Bhopal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Portion of One double storied house situated at Kajipura, Near Masjid Noorji Bohra, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 4-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double Storeyed House situated at Arera Colony, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 24-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Smt. Sarla Dileep Ghate W/o Late Dileep Ghate for Self & G.A. for 2. Smt. Bharti Shridhar Naik 3. Vishwas Dileep Ghate 4. Pratap Dileep Ghate & 5. Anand Dileep Ghate, Daughter and Sons of Vithal Dileep Ghate, R/o Vishwa Nagar, Navprara Thana, Bombay-400 602.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kashiram S/o Naraindas Agrawal 2. Ram Niwas and 3. Lalit Kumar S/o Kashiram Agrawal, R/o 19, Agrasen Nagar, Aerodrum Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed building situated at E-2, 146, Arera Colony, Bhopal.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rahman-ul-Jah Khan S/o Irfan-ul-lah khan,
R/o Shoukat Mahal, Bhopal.
(Transferor)

(2) Smt. Shakila Begum W/o Late Gani Mohd. Qureshi,
R/o Mumtaz-Manzil, Niyumtpura, Shahjahanabad,
Bhopal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 4th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATIUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 28 situated at Idgah Hill, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 23-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 28, bearing Kh. No. 28/1, at Idgah Hills, Bhopal admeasuring 2400 Sq. ft.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sahijrao Angre, S/o Shri Chandrajirao Angre,
R/Sambhaji Vilas Angre, Ka Bazar, Lashkar,
Gwalior.
(Transferor)

(2) Smt. Geeta Devi W/o Shri Satishchandra Goyal R/o
Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Wheras, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 25/510 situated at Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 29-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. 25/510 situated at Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date : 18-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Sahjirao Angre, S/o Shri Chandrajirao Angre, R/o Sambha Ji vilas Angre, Ka Bazar, Lashkar, Gwalior.
(Transferor)

(2) Shri Rampratap Singh Tomar, S/o Shri Ummedsingh Tomar, R/o Khubi-ki-Bajaria Behind High Court, Lashkar, Gwalior.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 25/510 situated at Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior on 29-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Portion of House No. 25/510, situated at Lashkar, Gwalior.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th November 1981

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No House No. 25/510 situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 29-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—386GI/81

(1) Shri Sahjirao Angre,
S/o Shri Chandraji rao Angre,
R/o Sombha Ji vilas Angre Ka Bazar,
Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Devi
W/o Shri Harvillas Goyal,
R/o Dal Bazar, Lashkar,
Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 25/510, situated at Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 18-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 25/510 situated at Lashkar, Gwalior and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 29-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sahjirao Angre,
S/o Shri Chandraji Rao Angre,
R/o Sambhaji vilas Angre Ka Bazar,
Lashkar, Gwalior.
(Transferor)

(2) Smt. Madhu Tomar
W/o Shri Pratap Singh Tomar,
R/o Khubi-ki-Bajaria,
Lashkar, Gwalior.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. 25/510, situated at Lashkar, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vinod Kumar
S/o Shri Rajkumarji Agrawal,
R/o 354, Saketh Nagr,
Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Rasida Banu
W/o Shri Mohd. Iqbal,
R/o 48, Daultganj, Main Road,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Wheras, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Kh. No. 29/1 situated at Vill. Magaliya, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 2-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 29/1 at Vill. Mangaliya, Indore, Rekba—2.33 Acre.

VIJAY MATHUR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 20-11-1981

Seal :

FORM ITN5

(1) Shri Vinod Kumar
S/o Shri Rajkumarji Agrawal,
R/o 354, Saketh Nagr,
Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Anisha Banu
W/o Mohd. Munaf,
R/o 48, Daultganj, Main Road,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Kh. No. 20/1 situated at Vill. Magaliya, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 2-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 29/1 at Vill. Mangaliya, Indore, Reckba—
2.33 Acre.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-11-1981

Seal :

FORM JTNS

(1) Shri Sanjay Kumar S/o Ramkumarji Agrawal,
354, Saketh Nagar, Indore.
(Transferor)

(2) Smt. Mariyam Bai W/o Abdul Rajak,
R/o 48, Datiatganj Main Road, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGI, BHOPAL, M.P.
Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Wheras, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 26/4 situated at Vill. Mangaliya, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 29/4, at Vill. Mangilya, Indore Rokba-2-34-Acre.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 20-11-81
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vinod Kumar S/o Ramkumarji Agrawal,
354, Saketh Nagar, Indore.
(Transferor)

(2) Hamida Banu W/o Abdul Majid,
R/o 48, Daulatganj, Main Road, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 26/1 situated at Vill. Mangaliya, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2-3-181

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 29/1, at Vill. Mangallya, Indore, Rekha-
1.17 Acre.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 20-11-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Sanjay Kumar S/o Ramkumarji Agrawal,
354, Saketh Nagar, Indore.
(Transferor)

(2) Hamida Bai W/o Noor Mohammad,
R/o 48, Daulatganj, Main Road, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Kh. No. 29/4 situated at Vill. Mangaliya, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Indore on 2-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 29/4, at Vill. Mangaliya, Indore. Rekba—
2.33 Acre.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Badrilal Sitaram,
R/o Vill. Pipaliya Kunwar,
Indore.
(Transferor)

(2) (1) Shri Hazorilal Kundanlal 168/3, Anoop Nagar
(2) Shri Pradeep Kumar Chaturbhuj Gupta,
40, Shradhanand Marg, Indore.
(3) Shri Ved Prakash S/o Chhajuramji,
167/3, Anoop Nagar, Indore.
(4) Shri Pradeep Kumar Babulal Patni,
11, Parsi Mohalla, Indore.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Kh. No. 3/1 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-3-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 3/1, at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 20-11-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 3/2 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Badrilal Sitaram,
R/o Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Chanchal Devi W/o Kantilal
(2) Rameshchand Lalchand
(3) Smt. Murthi Devi W/o Rameshchand,
R/o 11, Parsi Mohalla, Indore.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 3/2, at Vill. Piyaliya Kunwar, Indore.
Rekba—1.10 Acre.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
26—386GI/81

Dated : 20-11-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Land Kh. No. 15/3 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-3-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hazarilal Sitaram,
R/o Vill. Pipaliya Kunwar,
Indore.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Manju Devi W/o Jabbu Kumar,
(2) Ratanlal S/o Anarchand
(3) Babulal Devkaran
(4) Smt. Shakuntala Bai Subhash Chand Sindhiya,
R/o 167/3, Anwar Nagar, Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 15/3, at Vill. Pipaliya Kunwahar, Indore—
Rekba 1.50, Acre.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 20-11-81
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramcharan & Madanlal Both S/o Sitaram,
R/o Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 17 situated at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 30-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) (1) Kum. Rita Devi D/o Hazarilal Jain
(2) Rameshchandra Chhajaram
(3) Sita Devi Chaturbhuj
(4) Smt. Chand Bai W/o Lalchand,
R/o 52, Usha Ganj Main Road, Indore.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 17, at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 20-11-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 2 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Murarilal S/o Shri Sitaram,
R/o Vill. Pipaliya Munwar, Indore.
(Transferor)

(2) (1) Shri Shantilal S/o Hazarilal Jain
(2) Anil Kumar S/o Amar Singh
(3) Rajendra Kumar S/o Chaturbhuj
(4) Lalchand Laxmichand,
R/o 52, Usha Ganj Main Road,
Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Land Kh. No. 2, at Gram: Pipaliya Kunwar, Indore.
Rekba—1.48 Acre.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. I. Nagar, Bhopal

Dated : 20-11-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ramchandran & Madanlal
S/o Sitaram,
R/o Vill. Pipaliya Kunwar,
Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Kantilal Jain,
(2) Ram Babu
(3) Subashchandra Chhajuramji
(4) Chaturbhuj Harprasad Gupta,
R/o 40, Shradhanand Marg, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. JAC/ACQ/NPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 17 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Land Kh. No. 17, at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore—Rekha 1.18 Acre.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 20-11-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. JAC/ACQ/NPL.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 16/2 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 31-3-81
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Hazarilal S/o Sitaram,
R/o Vill. Pipaliya Kunwar, Indore.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Laxmichandra Govind Ram,
(2) Smt. Tija Devi W/o Hari Prasad
(3) Smt. Laxmi Devi W/o Babulal
(4) Kum. Sangeeta D/o Chaturbhuj,
R/o 40, Shradhanand Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 16/2, situated at Vill. Pipaliya Kunwar, Indore—Rekba—1.16 Acre.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal,

Dated : 20-11-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Murarilal Sitaram,
R/o Village Pipaliya Kunwar, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) 1. Km. Mamta Devi D/o Hazarilal Jain,
2. Ajju Ram Nandram
3. Sanjay Kumar Rameshband
4. Vinod Kumar Amarchand,
R/o 40, Shraddhanand Marg, Indore.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 2 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on 30-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 2, at Village Pipaliya Kunwar, Indore, Rekba—1.20 Acre.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 17 situated at Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 31-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Ram Charan and Madan Lal
S/o Sitaram,
R/o Village Pipaliya Kunwar, Indore.
(Transferor)
- (2) Smt. Asha Devi W/o Shri Durg Prasad,
2. Lal Chand Lakhmichand
3. Babulal Hazarilal
4. Smt. Premlata Devi,
R/o 40, Shradhanand Marg, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Land Kh. No. 17, at Village Pipaliya Kunwar, Indore.
Rekba—1.16 Acre.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 20-11-1981
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Indore on 13-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shrikant
2. Shiram
3. Sharad
4. Prabhakar S/o Hanumant Gore
5. Shridhar
6. Balwant S/o Shri Chandrakant Gore
7. Smt. Padmawati W/o Shrikrishna Gore.
R/o 12, Nandlalpura, Indore.

(Transferor)

- (2) S/Shri 1. Sureshkumar
2. Rameshkumar S/o Phoolchand Rajore,
42, Baxi Gali, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot at 63, Javahar Marg, Indore—measurement 5229 Sq. ft.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

27—386GI/81

Date : 20-11-1981

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961^r (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPI.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and House Survey No. 57
situated at Village Gondia, Ujjain
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 19-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Anant Bhai S/o Bhagwandas Jadhav,
R/o Village Gondia Distt. Ujjain.
(Transferor)

(2) S/Shri 1. Babulal
2. Rameshchand
3. Kamal
4. Prakash
All S/o Saligram Khati,
Piplaya Kunwar, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and House Survey No. 57, at Village Gondia, Ujjain.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 19-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Gulam Ali Yusufali Bohra (Silanawala)
Tambaku Bazar, Ratlam.
(Transferor)

(2) Shri Inayat Ali Kamar Ali Bohra,
(Kolabhiwala),
Ratlam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 86 situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ratlam on 23-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Three storeyed house No. 86, situated at Tambaku Bazar, Ratlam.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Abdul Hafiz Khan Abdul Rashid Khan
R/o House No. 1, Old Palasia,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mathuralal Phusralal Jain,
R/o 13/4, Old Palasia, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 20th November 1981

Ref. No. JAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 1/1 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-3-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1/1, at Old Palasia, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 21st November 1981.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Wheratas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 26 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 28-3-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Jee-wani Bai Chotelal Gupta
2. Satyavan Chotelal Gupta
3. Subdeh Kumar Satyavan Gupta,
4. Smt. Shanti Devi Satyavan Gupta
5. Sanjay Kumar Satyavan Gupta,
All R/o House No. 25, Jam Road,
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Hemdrakumar Phoolchand Chourasiya,
53, Junki Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Second floor of House No. 26 situated at Munai Mohalla, Samyogitsh Ganj, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 21-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 26 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Jeewani Bai Chotelal Gupta
2. Satyavan Chotelal Gupta
3. Subdeh Kumar Satyavan Gupta,
4. Smt. Shanti Devi Satyavan Gupta
5. Sanjay Kumar Satyavan Gupta,
All R/o House No. 25, Jain Road,
Indore.

(Transferor)

- (2) Smt. Shobha Devi Chandraprakash Chourasiya,
53, Janki Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 26 (Portion) at Murai Mohalla, Samyogitha Ganj, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 21-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Jeevani Bai Chotchal Gupta
2. Satyavan Chotelal Gupta
3. Subdch Kumar Satyavan Gupta,
4. Smt. Shanti Devi Satyavan Gupta
5. Sanjay Kumar Satyavan Gupta,
All R/o House No. 25, Jain Road,
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Phoolchand Motilalji Chourasiya,
52, Janki Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. 26 situated at Murali Mohalla, Samyogitha Ganj, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 21st November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

House No. 52 (1st Floor) situated at Janki Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 19-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Jeewani Bai Chotelal Gupta
2. Satyavan Chotelal Gupta
3. Subdeh Kumar Satyavan Gupta,
4. Smt. Shanti Devi Satyavan Gupta
5. Sanjay Kumar Satyavan Gupta,
All R/o House No 25, Jain Road,
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Chandraprakash Phoolchand Chordiya,
House No. 52, Janki Nagar, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st floor of House No. 26 situated at Murai Mohalla, Samyogitha Ganj, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 21-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vijay Kumar Achalchandji Jain,
35, Shishak Nagar,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Brilal Satpalji,
78-B, Premnagar,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 21st November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 35 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Plot No. 35, situated at Shishak Nagar, Indore.
(Double storeyed).

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—386GI/81

Date : 21-11-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 45 situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Indore on 31-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Yogeshwar Rupani Verma,
45/1, Shakkar Bazar,
Indore.
(Transferor)
- (2) (i) Shri Bhagmal Mammalji Jain,
(ii) Shri Bhagchand Bhagmal Jain,
27/3, Shakkar Bazar,
Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 45 (Portion) at Shakkar Bazar Street No. 1, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 21-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Yogeshwar Rupa Verma,
45/1, Shakkar Bazar,
Indore.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Dhapubai Bhagmalji Jain,
(ii) Shri Subhash Bhagmalji Jain,
Both R/o 27/3, Shakkar Bazar,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 45 situated at Shakkar Bazar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 45 (Portion) at Shakkar Bazar Street, Indore.
Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 21-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gopaldas Chaturbhauj Goyal,
29, Malharganj, Indore.

(Transferor)

(2) Dr. Shantilal Jagannath Porwal,
Vill. Unhel, Ujjain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 48 situated at Indore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

House No. 48, situated at Shiksh Nagar, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 21-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2197.—Whereas, I,

VAJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 513 situated at Sarafa Ward, Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 30-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Singhai Motilal Jain,
Russel Chouk, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Shri Kailash Chandra Tamrakar,
S/o Shri Ram Narayan Tamrakar,
Jabalpur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knowsto
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 513, situated at Sarafa Ward, Jabalpur.

VAJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No./2848.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act')
 have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Hoshiarpur
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March 1981
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Avtar S/O Shri Amar Chand C/O M/S Amar Cold Storage, Hoshiarpur.
 (Transferor)
- (2) Shri Gurbachan Singh Plaha S/O Sh. Malook Singh Plaha R/O Guru Nanak Nagar, Hoshiarpur.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5184 of March, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated : 19-11-1981
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No./2849.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on April 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Avtar S/O Sh. Amrit Chand C/O M/S Amar Cold Storage, Hoshiarpur.
(Transferor)
- (2) Sh. Gurbachan Singh Plaha S/O Sh. Malook Singh, Guru Nanak Nagar, Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 25 of April, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No./2850.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Mehlawali Teh.
 Hoshiarpur
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Hoshiarpur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly
 stated in the said instrument of transfer with the object
 of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian Income-tax
 Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
 Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
 namely :—

- (1) Sh. Udhe Chand S/O Sh. Abhay Chand Vill. Mehlawali Teh. & Distt. Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Sh. Parminder Singh Sandhu R/O 321-Guru Teg Bahadur Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
 sale deed No. 5186 of March, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. S. AHLUWALIA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jalandhar.

Dated : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No./2851.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .

As per schedule situated at V. Mehalanwali, Tch.
Hoshiarpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Abhey Chand S/O Ram Chand Mukhtiar-i-am of Sh. Deepak Kumar S/O Abhay Chand Vill. Mehanwali Tch. Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Sh. Jatinder Sood S/O Sohan Lal 615, Mota Singh Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5185 of March, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—386GI/81

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No./2853.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Ved Parkash S. & Sh. Mohit Lal R/O Gali No. 9, Mandi Abohar.
(Transferor)
- (2) Sh. Mathra Dass, Avinash Chander SS/O Sh. Nihal Chand R/O Shop Khasra No. 1310, Gandhi Chowk, Abohar.
(Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3857 of March, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated : 19-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SI
ONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No A.P. No./2854.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section
269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gandhi Chowk, Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ved Parkash S/O Mohri Lal R/O Gali No. 9, Mandi Abohar. (Transferor)
- (2) (i) Smt. Parmeshwari Bai W/O Sh. Chamba Ram (ii) Sh. Bhagwan Dass (iii) Sh. Kul Bhushan S/O Tek Chand, (iv) Ramesh Kumar S/O Rajinder Pal R/o Gali No. 14-15, Mandi Abohar. (Transferee)
- (3) As per Sr No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein or are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned as Registration sale deed No. 3903 of March, 81 of the Registering Authority Abohar.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated : 19-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No./2855.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Raja Ram, Pirthi Raj, Kewal Krishan, Mohan Lal SS/O Sh. Mohkam Chand R/O Fazilka.
(Transferor)
- (2) Sh. Mohan Lal S/O Bahadur Chand (ii) Smt. Ram Piare Wd/O Jamna Dass R/O Gali No. 5-6, Nai Abadi, Abohar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered deed No. 4303 of March, 1981 of the Registering Authority, Fazilka.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Raja Ram, Pirthi Raj, Kewal Krishan, Mohan Lal SS/O Monikam Chaudhary, R/O Fazilka.
(Transferor)

(2) Sh. Om Prakash Urf Ved Prakash S/O Babu Ram R/O Gali No. 10, Mandi Abohar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows or be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No./2856.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4305 of March, 1981 of the Registering Authority, Fazilka.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Dated : 19-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No./2857.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Inder Singh G.A. to Smt. Harbans Kaur Wd/o Sh. Chanan Ram Moh. Sheranwala, Kapurthala. (Transferor)
- (2) M/S Sant Metal Works, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above nad Sh. La ISingh S/o Sh. Sunder Singh R/o Moh. Jatpura, Nai Abadi, Kapurthala. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to the interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3637 of March, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. S. AHLUWALIA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 19-11-1981
 Seal :

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No./2858.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.
 As per schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Kapurthala on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said instrument of transfer
 with the object of :—

- (1) Sh. Inder Singh G.A. to Smt. Harbans Kaur Wd/o
 Sh. Chanan Ram, Moh. Sheranwala, Kapurthala.
 (Transferor)
- (2) Sh. Pritam Singh S/o Sh. Gulab Singh, Jullundur
 C/o M/s Sant Metal Works, Kapurthala.
 (Transeree)
- (3) As per Sr. No. 2 above and Sh. Lal Singh S/o
 Sh. Sunder Singh R/o Jatpura Nai Abadi, Kapur-
 thala.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of pub-
 lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA, of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or, the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration
 sale deed No. 3656 of March, 81 of the Registering Authority,
 Kapurthala.

J. S. AHLUWALIA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

Dated : 19-11-1981
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2859.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kapurthala
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer at
Kapurthala on March 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) Shri Inder Singh G.A. To Smt. Harbans Kaur
Wd/o Sh. Chanan Ram Moh. Sheranwala, Kapurthala.
(Transferor)

(1) Shrimati Balwant Kaur W/o Gurdial Singh, Smt.
Basant Kaur W/o Shri Kirpal Singh, Smt. Tejinder Kaur W/o Harbans Singh R/o Kapurthala C/o
M/s Sant Metal Works, Kapurthala.
(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above, and Shri Lal Singh S/o
Sh. Sundre Singh R/o Moh. Jatpuja, Nai Abadi,
Kapurthala.
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Property and persons as mentioned in the Registration
sale deed No. 3638 of March, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 19.11.1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2860.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on March 1981,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—386GT/81

- (1) Shri Bir Singh, Sarai Road, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Girdhari Lal S/o Shri Karam Chand, Sarai Road, Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2933 of March, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 19.11.1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2861.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908) in the office of the Registering Officer at Banga on March 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Parkash S/o Shri Murari Lal, R/o Rail-way Road, Banga.
(Transferor)

(2) Shri Manjit Singh, Jagjit Singh, Karnvir Singh S/o Shri Guidev Singh R/o Vill. Jandiala Sub. Teh. Banga.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(4) Any other person interested in the property.
(Person in occupation of the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in Registration sale deed No. 2110 of March, 81 of the Registering Authority, Banga.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 19.11.1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shrimati Tejpal Kaur R/o Malout Teh. Mukatsar
Distt. Faridkot.
(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Nagpal S/o Shri Nand Lal R/o
Fazilka.
(Transferee)

"(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 19th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2862.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

situated at Fazilka

situated at Chirakhana, Maliwara, Ward V, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on March 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4538 of March, 1981 of the Registering Authority, Fazilka.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19.11.1981.

Seal :

FORM ITM5**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2864.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Dasmesh Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Uma Kohli wife of Major A. N. Kohli R/o Chandigarh through Shri Karam Chand son of Shri Munshi Ram of Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Ram Rachpal S/o Shri Fateh Chand R/o Jamsher Tehsil, Jullundur, Smt. Asha Rani, Nand Kishore S/o Shri Sadhu Ram, E.G. 816, Mohalla Govind Garh, Jullundur and Bhupinder Chopra C/o Gurga Finance, Hind Samachar Street, Jullundur.
(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8083 of March, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20.11.1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th November 1981

Ref No A P No 2865—Whereas I J S AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at Tej Mohan Nagar Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shrimati Krishna Rani Wife of Shri Sat Pal S/o Mohan Lal R/o Basti Sheikh, Jullundur (Transferor)

(2) Shrimati Adarsh Anand wife of Shri Ashok Kumar Anand r/o WG 247, Islamabad, Jullundur and Smt Renu Anand Wife of Shri Surinder Pal Anand r/o 152, Shakti Nagar, Jullundur (Transferee)

*(3) As per Sr No 2 above
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No 8403 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur

J S AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 20 11 1981
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2866.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule No. situated at Shakti Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Krishna Kapoor Wife of Shri Surinder Mohan R/o 189, Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Faqir Chand S/o Shri Chanan Ram, r/o Mohalla Pandian, Kartarpur, Distt. Jullundur. (Transferee)
- *(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration, sale deed No. 7649 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20.11.1981.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A P No. 2867.—Whereas, I J S AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at
Shakti Nagar, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur on March 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (1) Shri Dalbir Chand Kapoor S/o Shri Balmukand Kapoor R/o 189 Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Fagir Chand S/o Shri Chanan Ram R/o Mo. Bhatti Pandian Kirtarpur Dist. Jullundur
(Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7650 of March, 1981 of the Registering Authority Jullundur

I S AHLUWALIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20/11/1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2868.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Shakti Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shrimati Krishna Kumari alias Krishna Kapoor W/o Shri Surinder Mohan R/o 189, Addardsh Nagar, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Faqir Chand S/o Shri Chanan Ram, r/o Mohalla Pandian, Kartapur Distt. Jullundur.
(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7705 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA
Competent Authority.
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20.11.1981.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dalbir Chand Kapoor S/O Sh. Balmukand Kapoor R/O 189, Adnish Nagar, Jullundur.
(Transferor)

(2) Sh. Faqir Chand S/O Sh. Chanan Ram, R/O Mohalla Pandian, Kartarpur Distt. Jullundur.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. A.P. No./2869.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No.
As per schedule situated at Shakti Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7706 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—186GI/81

Dated : 20-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A.P. No./2871.—Whereas, I,

J. S. AHLUWALIA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Model Town, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Satinder Bir Singh Self and General Attorney of Smt. Harcharan Kohli widow and Smt. Neena D/o Sh. D. S. Kohli R/O 658, Sector 16-D, Chandigarh.

(Transferee)

(2) Sh. Jaspal Kaur Wife of Dr. Joginder Singh Sethi, R/O 111-L, Model Town Jullundur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 53 fo April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 20-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th November 1981

Ref No A P No /2870—Whereas, I,
J S AHLUWALIA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh Satinder Bu Singh Self and General Attorney of Smt Harcharan Kohli Widow and Smt Neena D/O Sh D S Kohli R/O 658 Sector 16-D, Chandigarh

(Transferor)

(2) Smt Jaspal Kaur Wife of Dr. Joginder Singh Sethi R/O 111 L, Model Town, Jullundur

(Transferee)

(3) As at St No 2 above
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registering sale deed No 8313 of March 1981 of the Registering Authority, Jullundur

J S AHLUWALIA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 20-11-1981
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A.P. No./2872.—Whereas I,
J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Mohalla Riazpura
Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sohan Devi Wd/o Sh. Dehru Ram, R/O Village Hariana Distt. Hoshiarpur through Joginder Pall Attorney.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Rani Wife of Sh. Sohan Lal, 30, Shivaji Park, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8023 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 20-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Pritam Singh, Balbir Singh S/o Sh. Sham Singh R/O NN-507, Gopal Nagar, Jullundur.
(Transferor)

(2) Sh. Kuldip Singh, Satvir Singh S/o Kirpal Singh, R/O S-179, Industrial area, Jullundur.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A.P. No./2874.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Dade Colony Industrial area, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7528 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Dated : 20-11-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No A.P. No /2875.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Dada Colony Industrial area, Jullundur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Pritam Singh, Balbir Singh
S/o Sh. Sham Singh R/o NN-507, Gopal Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (2) Sh. Inderjit Singh S/o Sh. Kartar Singh R/o S-197, Industrial area, Jullundur.
(Transferor)
- (3) As Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7560 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 20-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A.P. No./2876.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Maheshwari Street,
Kotkapura

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Arjan Dass S/o Sh. Hardwari Lal
C/o M/s Hardwari Lal Tara Chand,
Cloth Merchants, Kotkapura Distt. Faridkot,
(Transferee)
- (2) Smt. Harnam Kaur Wife of Sh. Sadhu Singh
C/o M/s Bhagwan Singh Sohan Singh
Commission Agents, Kotkapura Distt. Faridkot,
(Transferor)
- (3) As Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4405 of March, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 20-11-1981
Seal :

FORM IUNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A P No/2877—Whereas, I,
J S AHLUWALIA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs 25,000/- and bearing
 No. As per schedule situated at Meheshwari Street,
 Kotkapura
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering
 Officer at Faridkot on March 1981
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (1) Arjan Dass S/o Hardwari Lal
 C/o M s Hardwari Lal Tara Chind
 Cloth Merchant Kot Kapura Distt
 Faridkot
 (Transferee)
- (2) Sh Bhagwan Singh Narinder Singh
 Ss/o Sarup Singh C/o Narinder Singh & Co,
 Cloth Merchants, Kotkapura, Distt Faridkot
 (Transferee)
- (3) As Sr No 2 above
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
 immovable property within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the Official
 Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
 deed No 4406 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur

J S AHLUWALIA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Dated 20-11-1981
 Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2878.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Maheshwari Street, Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Arjan Dass S/o Sh. Hardwari Lal C/o M/S Hardwari Lal Tara Chand, Cloth Merchants, Kot Kapura Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shrimati Varinder Kaur Wife of Sh. Karam Singh C/O M/S Sujan Singh, Mehar Singh, Cloth Merchants, Gurdwara Bazar, Kot Kapura Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As at S. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4407 of March, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-11-81.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—386GT/81

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2873.—Whereas, I J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tilak Raj S/o Sh. Babu Lal
r/o J-201, Chahar Bagh, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Jai Mittal, Kamal Mittal S/o
Sh. Om Parkash and Vikas Mittal & Vishal Mittal
S/o Shri Kulbhushan
R/O Saddar Bazar, Jullundur Cantt.
(Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8385 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
* Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-11-81.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2881.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kewal Dass S/O Sh. Attar Singh R/O 199-Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd), Jullundur through Sh. (Dr.) S. D. Jain, President, Bhairon Bazar, Jullundur. (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property and all members of the Society. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7779 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 20-11-81.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

**ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2882.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kewal Dass S/o Attar Singh, r/o 199, Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd), Jullundur through Dr. S. D. Jain, President, Bhairon Bazar, Jullundur. (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the Society. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7892 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-11-81.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2883.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kewal Dass S/o Shri Attil Singh, 1/o 199, Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) The Vir Nagari Co-operative House Building Society Ltd. (Regd), Jullundur through Dr S. D. Jain, President, Bhawan Bazar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8332 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-11-81.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2884.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kewal Dass S/o Attar Singh, r/o 199, Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain, President, Bhairon Bazar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8345 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-11-81.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur the, 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2885.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. _____ as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kewal Dass S/o Attar Singh, r/o 199, Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd), Jullundur through Dr. S. D. Jain, President, Bhairon Bazar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Properties & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 252 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-11-81.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2886.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Kewal Dass S/o Attar Singh,
1/o 199, Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society
(Transferee)-
- (3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 323 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-11-81.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No A.P. No. 2887.—Whereas, I, R GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kewal Dass
S/o Shri Attar Singh
1/o 199, Adarash Nagar,
Jullundur. (Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain President, Bhairon Bazar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society. (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 446 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2888.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Satwant Kaur
D/o Shri Mehar Singh
Through General Attorney Sh. Kartar Singh
s/o Shri Kirpa Singh
(Transferor)
- (2) r/o 89, New Grain Market, Jullundur,
The Vir Nagar Co-operative House Building Society
Ltd., (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain
President, Bhatton Bazar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7944 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2889.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Satwant Kaur
D/o Shri Mehar Singh
Through General Attorney Sh. Kartar Singh,
s/o Shri Kirpa Singh
r/o 89, New Grain Market, Jullundur.
(Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain President, Bhairon Bazar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 445 of April, 81 of the registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2890.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Inderjit Singh
S/o Shri Mehar Singh
through General Attorney
Shri Kartar Singh
S/o Shri Kirpa Singh
r/o 89, New Grain Market,
Jullundur. (Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain President, Bhairon Bazar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8077 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2891.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Hardev Singh
S/o Shri Mehar Singh
through General Attorney
Shri Kartar Singh
S/o Shri Kirpa Singh
r/o 89, New Grain Market,
Jullundur. (Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain President, Bhairon Bazar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8343 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2892.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Amar Kaur
 D/o Shri Mehar Singh
 S/o Shri Mehar Singh
 through General Attorney
 Shri Kartar Singh
 S/o Shri Kirpa Singh
 r/o 89, New Grain Market,
 Jullundur.

(Transferor)

(2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain President, Bhairon Bazar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property and all members of the society.

(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property & Person as mentioned in the registration sale deed No. 7777 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2893.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Amar Kaur,
D/o Shri Mehar Singh
through General Attorney
Shri Kartar Singh
S/o Shri Kirpa Singh
1/o 89, New Grain Market,
Jullundur.
(Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society
Ltd. (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain
President, Bhairon Bazar, Jullundur
(Transferee)
- (3) A.P. S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8404 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-11-1981

Senj.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2894.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Jaswant Singh
S/o Shri Mehar Singh
through General Attorney
Shri Kartar Singh
S/o Shri Kirpa Singh
r/o 89, New Grain Market,
Jullundur. (Transferor)
- (2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society
Ltd. (Rcgd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain,
President, Bhairon Bazar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7891 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2895.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jaswant Singh
S/o Shri Mehar Singh
through General Attorney
Shri Kartar Singh
S/o Shri Kirpa Singh
r/o 89, New Grain Market,
Jullundur.

(Transferor)

(2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain
President, Bhairon Bazar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property and all members of the society.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 450 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-11-1981

Seal .

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—386GI/81

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2896.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Bhupinder Kaur
D/o Shri Mehar Singh
through General Attorney
Shri Kartar Singh
S/o Shri Kirpa Singh
r/o 89, New Grain Market,
Jullundur.

(2) The Vir Nagar Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain President, Bhairon Bazar, Jullundur. (Transferor)

(3) As S. No. 2 above (Transferee)

(4) Any other person interested in the property and all members of the society. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7778 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 23-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. AP. No. 2897.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Bhupinder Kaur
D/o Shri Mehar Singh
through General Attorney
Shri Kartar Singh
S/o Shri Kirpa Singh
1/o 89, New Grain Market,
Jullundur. (Transferor)
- (2) The Vir Nagai Co-operative House Building Society
Ltd. (Regd.), Jullundur through Dr. S. D. Jain
President, Bhatron Bazar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property and all members of the society.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 332 of April, 1981 of the Registering Authority,

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2898.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property of Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bodh Raj S/o Shri Attar Singh
Alias Atter Chand
R/o Subzi Mandi Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal S/o Shri Hari Kishan and
Rajesh Kumar S/o Shri Harbans Lal
R/o Kailash Chemical Industry,
Basti Bawa Khel, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 7555 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 25-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2899.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jassa Ram S/o Shri Attar Singh
R/o Mohalla Karai Khan,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chander Narang
S/o Shri Niamat Rai
R/o 238/1, Udhampur Nagar,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 7965 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date . 25-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2900.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jassa Ram S/o Shri Attar Singh
 R/o Mohalla Karar Khan,
 Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chander S/o Hari Kishan
 C/o Kailash Chemicals Industry,
 Basti Bawa Khel,
 Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 7902 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 25-11-1981
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Inder Singh
G.A. of Smt. Harbans Kaur,
Kapurthala.
(Transferor)

(2) Smt. Kulwant Kaur W/o Shri Inder Singh,
Shri Harbans Singh S/o Shri Kalyan Singh,
Kapurthala.
(Transferee)

(3) Shri Lal Singh s/o Shri Sunder Singh r/o Moh.
Jat pua Nai Abadi, Kapurthala.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2901.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No 3639 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur,

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 26th November 1981

Ref. No. A.P. No. 2902.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

As per Schedule situated at Jullundur
Jullundur on March 1981

- (1) Shri Harbhajan Singh S/o Jaswant Singh Through General Attorney
Shri Varinder Kumar S/o Shri Shi Lal
R/o Lakhshmi Pura, Jullundur (Transferor)
- (2) Smt. Lata Aggarwal Wife of Shri Rajinder Kumar R/o 155 Aman Nagar, Tanda Road Jullundur (Transferee)
- (3) As S No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 8209 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 26-11-1981
Seal :